मासिक

शिविरा पत्रिका

वर्ष : 63 | अंक : 04 | अक्टूबर, 2022 | पृष्ठ : 56 | मूल्य : ₹20

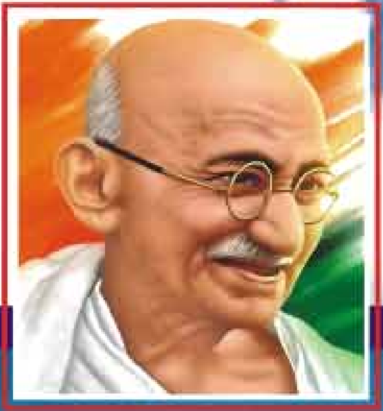

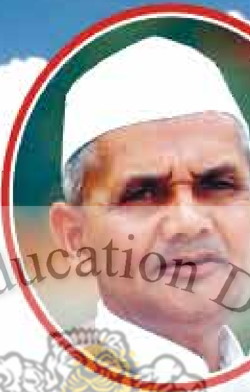

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

चित्र वीथिका : अक्टूबर, 2022

शिक्षक दिवस पर बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिविरा विशेषांक एवं आरकेएसएमबीके एप का विमोचन करते हुए माननीय मंत्री एवं अधिकारीवृन्द।

राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकवृन्द माननीय मंत्री एवं अधिकारीगण के साथ

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में श्री पी के गोयल, अतिरिक्त मुख्य सचिव का सम्मान करते हुए श्री गौरव अग्रवाल निदेशक माध्यमिक शिक्षा, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री पी के गोयल सपत्निक सांस्कृतिक संध्या का आनन्द लेते हुए तथा कार्यक्रम में प्रस्तुतियां देने वाले शिक्षक कलाकार समूह।

कार्यक्रम फोटो सौजन्य से : मितवा फोटो स्टूडियो, जयपुर

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

सत्यमेव जयते

डॉ. बी.डी. कल्ला
मंत्री
शिक्षा (प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा), संस्कृत शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, (पंचायती राज के अधीनस्थ), कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
राजस्थान सरकार

अपनों से अपनी बात

दृढ़ इच्छा, समर्पण एवं निष्ठा से आशानुरूप लक्ष्यार्जन संभव

अक्टूबर माह में हम राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की जयन्ती मनाएँगे। महात्मा गाँधी हमारे देश के महानायक थे। आज भी उनका दर्शन एवं विचार प्रासंगिक है। गाँधी जी हिंसा, घृणा, भेदभाव, अत्याचारों जैसी आसुरी शक्ति के विरूद्ध निर्भय होकर खड़े थे। गाँधी जी ने अहिंसा के हथियार से विरोधियों को परिवर्तित किया। गाँधी जी विद्यार्थी के बस्ते के बोझ को कम करने के पक्षधर थे। इसी विचार का सम्मान करते हुए राजस्थान में प्राथमिक कक्षाओं के बस्ते के बोझ को कम करने का प्रयास किया। गाँधी जी का मानना था कि स्वच्छता आस पास के पर्यावरण के साथ-साथ मन एवं विचारों की भी होनी चाहिए। हमें स्वच्छता को अपनी आदत बनाना होगा। शिक्षक साथियों से मेरा आह्वान है कि वे विद्यार्थियों को अपने परिसर की साफ-सफाई के साथ-साथ तन एवं मन को निर्मल एवं सुंदर बनाने के लिए अच्छा इंसान बनने के लिए प्रेरित करें।

सर्वोत्कृष्ट गाँधीवादी पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री निष्काम कर्मयोगी थे लेकिन कर्म की बात करने के बजाय उस पर अमल करना जरूरी समझते थे। उनका मानना था कि यदि किसी कार्य को दृढ़ इच्छा, समर्पण एवं निष्ठा से किया जाये तो व्यक्ति को आशानुरूप लक्ष्य अवश्य हासिल होगा।

भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंस्पायर अवार्ड योजना में राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के सात विद्यार्थियों का चयन इस बात का प्रतीक है कि हमारे विद्यालयों मे बच्चों के रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों एवं नवाचारों पर अच्छा काम हो रहा है। प्रदेश में शिक्षा का भविष्य उज्ज्वल है, उस उपलब्धि पर विद्यार्थियों और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को मोकळी-गोकळी बधाई। मेरा आग्रह रहेगा कि प्रत्येक संस्था प्रधान अपने विद्यालय में ऐसे वातावरण का निर्माण करें जिससे समस्त विद्यार्थियों में जानने, सीखने एवं समझने की उत्सकता बने।

विद्यार्थियों को विद्यालय में किताबी ज्ञान के साथ-साथ ऐसी शिक्षा भी देनी होगी जिससे वे संस्कारित हो उनके चरित्र का निर्माण एवं प्रज्ञा का विस्तार हो पुस्तकों एवं पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के एक पक्ष का ही विकास होता है। जीवन में व्यक्तित्व का समग्र विकास होना जरूरी है। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाला विद्यार्थी जीवन में भी सर्वश्रेष्ठ रहे यह जरूरी नहीं। यह भी जरूरी नहीं कि कक्षा की पिछली पंक्ति में बैठने वाला विद्यार्थी सामान्य जीवन में भी बैक बैंच पर रहे। अभिभावकों एवं शिक्षकों से मेरा अनुरोध है कि परिवार एवं विद्यालय में ऐसा वातावरण बनाएँ कि पुस्तक एवं पाठ्यक्रम पर ध्यान देने के साथ उनमें व्यावहारिक ज्ञान, ईमानदार और अच्छा इंसान बनाने का प्रयास भी अवश्य करना होगा ताकि प्रत्येक बालक जीवन जीने की कला जान सके। दीपोत्सव पर यदि इस ओर ध्यान देकर विद्यालय में कुछ सार्थक करने का प्रयास करते हैं तो यकीनन विद्यार्थियों का जीवन रथ आलोकित हो जाएगा।

महापुरुषों की जयन्तियाँ और भारतीय परम्परा के पर्व और त्यौहार हमें प्रेम, समर्पण, कर्त्तव्यनिष्ठा और साहस की प्रेरणा देते हैं। इनको मनाने का उद्देश्य भी यही है कि हमारे विद्यार्थियों में संस्कार और नैतिकता पल्लवित होकर उन्हें संस्कारित एवं नायाब इंसान बनाने में मददगार हो।

''अहिंसा सत्यम क्रोधःस्त्यामः शातिर पैशुनम् दया भूतेस्व लोलुपत्वं मार्दवंहीर चापलम्।''
(गीता 16.2)

अर्थात् अहिंसा, सत्यभाषण, क्रोध न करना, संसार की कामना का त्याग, अन्तःकरण में राग-द्वेषजनित हलचल का न होना, चुगली न करना, प्राणियों पर दया करना, सांसारिक विषयों में न ललचाना, अन्तःकरण की कोमलता, अकर्त्तव्य करने में लज्जा, चपलता का अभाव।

उपर्युक्त सभी गुण राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी में थे तथा इसी कारण उन्हें अहिंसा एवं सत्य के पुजारी के रूप में जाना जाता है। उनके जन्म दिवस 2 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ ने 'अहिंसा दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया है।

आइए हम सत्य एवं अहिंसा को आत्मसात् करें।

(डॉ. बुलाकी दास कल्ला)

> "विद्यार्थियों को विद्यालय में किताबी ज्ञान के साथ-साथ ऐसी शिक्षा भी देनी होगी जिससे वे संस्कारित हो उनके चरित्र का निर्माण एवं प्रज्ञा का विस्तार हो, पुस्तकों एवं पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के एक पक्ष का ही विकास होता है। जीवन में व्यक्तित्व का समग्र विकास होना जरूरी है।"

Rajasthan Education Department

सत्यमेव जयते

जाहिदा खान
राज्यमंत्री, राजस्थान सरकार
शिक्षा (प्राथमिक और माध्यमिक),
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार)
मुद्रण एवं लेखन सामग्री (स्वतंत्र प्रभार)
कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

"महान् विभूतियों के जीवन से हम एक बात अवश्य सीख सकते हैं कि किसी भी व्यक्ति का जन्म महान इंसान के रूप में नहीं होता है बल्कि वह समय के महत्व को समय रहते समझता है और समय का सही उपयोग करके ही महान बनता है।"

मेरा संदेश

मंजिल उसको प्राप्त, जो करता रहे प्रयास

02 अक्टूबर को हम देश की दो महान् विभूतियों को उनके द्वारा प्रदत्त शिक्षा को अपने जीवन में उतारने के संकल्प के साथ उनकी जयंती मनाएंगे। गांधी जी का जीवन, उनके विचार हमें आज भी नई दिशा दिखाते है। गांधी जी सदा बालकेन्द्रित शिक्षा के समर्थक थे। शिक्षा के अर्थ स्पष्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि शिक्षा से मेरा अभिप्राय उन सर्वश्रेष्ठ गुणों को प्रकटीकरण से है जो बालक एवं मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क और आत्मा में विद्यमान है।

उनका कहना है सच्ची शिक्षा वही है जो बालकों की आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक शक्तियों को अभिव्यक्त एवं प्रोत्साहित करे। माह के अन्त में हम सब लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस एवं आईरन लेडी, प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की पुण्य तिथि को संकल्प दिवस के रूप में मनाएंगे। इन महान् विभूतियों के जीवन से हम एक बात अवश्य सीख सकते हैं कि किसी भी व्यक्ति का जन्म महान इंसान के रूप में नहीं होता है बल्कि वह समय के महत्व को समय रहते समझता है और समय का सही उपयोग करके ही महान बनता है।

समय का प्रवाह एकदिशीय है, यह सदा गतिमान है। समय हमारे जीवन की कुंजी है। चाहे सुख हो, दुख हो, सफलता हो, असफलता हो, सब कुछ परोक्ष रूप से समय पर निर्भर है। समय के साथ समय के मूल्य को समझना आवश्यक है। किसी भी विद्यार्थी के जीवन में समय का मूल्य बहुत अधिक होता है, क्योंकि वह अपने जीवन के इस पड़ाव में ही सही और गलत की पहचान को समझने की शुरूआत करता है। विद्यार्थी को समयनिष्ठ और अनुशासित होना बहुत जरूरी है। अक्सर ऐसा होता है कि हमें समय पर कुछ समझ नहीं आता और जब समझ आता है तो समय ही निकल चुका होता है। ऐसा उन लोगों के साथ होता है, जो समय को व्यर्थ करते हैं या कुछ करने की बजाए अपने भाग्य को कोसने में ही अपना समय गवां देते हैं। विद्यार्थी को समय का सदुपयोग करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। इसी आशा एवं शुभकामनाओं के साथ।

समय संग जो चला, सफल हुआ इन्सान।
जग में उसको मिल गयी, एक अलग पहचान।।

Zahida
(जाहिदा खान)

Rajasthan Education Department

सत्यमेव जयते

गौरव अग्रवाल
आइ.ए.एस.
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा

"विद्यार्थियों के अध्ययन के क्षेत्र में आने वाले व्यवधान को दूर करने हेतु राज्य सरकार द्वारा RKSMB एप को लाँच किया गया है। इसे लाँच करने का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं शिक्षक कुशल ज्ञानवान मानव शक्ति का सृजन करें। मैं चाहता हूँ कि राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम के आलोक में शिक्षक सार्थक शिक्षा विद्यार्थियों को प्रदान करें।"

दिशाकल्प : मेरा पृष्ठ

राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम (RKSMBK)

शिक्षक अपने आप में एक ऐसा सम्पूर्ण नाम जिसे किसी परिचय की आवश्यकता नहीं, जो स्वयं के उदाहरण से दूसरों के लिए आदर्श की स्थापना करते हुए विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही प्रदान नहीं करता वरन अनुभव आधृत पूर्ण ज्ञान के माध्यम से दुर्लभ मानव जीवन को सार्थक रूप से जीने के मर्म से भी अवगत कराता है। सम्पूर्ण समाज को बिना किसी भेदभाव आलोकित करने का माध्यम है शिक्षा। शिक्षा की जड़ें जितनी गहरी, व्यापक और मजबूत होंगी, समाज में ज्ञान का आलोक उतने ही विस्तृत पटल पर फैलेगा और यह प्रकाश पुंज निविड़ अंधकार में फैलाकर नौनिहालों को सफलता के शिखर तक पहुँचाने का कार्य करने वाला शिक्षक ही है।

विद्यार्थियों के अध्ययन के क्षेत्र में आने वाले व्यवधान को दूर करने हेतु राज्य सरकार द्वारा RKSMB एप को लाँच किया गया है। इसे लाँच करने का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं शिक्षक कुशल ज्ञानवान मानव शक्ति का सृजन करें। मैं चाहता हूँ कि राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम के आलोक में शिक्षक सार्थक शिक्षा विद्यार्थियों को प्रदान करें। जिससे विद्यार्थी सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सरोकारों से जुड़कर वैश्विक चिन्तन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए भौतिक चकाचौंध से युक्त मानव सभ्यता में पुनः आध्यात्मिक चेतना उत्पन्न कर भारत को विश्वगुरु बनाने में अपनी महत्ती भूमिका का निर्वहन करे और भारत का फिर से विश्वगुरू बनने का रास्ता राजस्थान के रास्ते प्रशस्त हो।

राष्ट्रीय स्तर शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित होने वाले शिक्षक श्री दुर्गाराम मुवाल और श्रीमती सुनीता गुलाटी का अभिनन्दन करते हुए मैं उन्हें बधाई और उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्राप्त शिक्षकों के कदम दिव्यांग बालकों की मुस्कान और शिक्षा से वंचित बालश्रम और बाल तस्करी के शिकार बालक एवं बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने की अलख से अपने लक्ष्य में प्रगति प्राप्त करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। प्रदेश के समस्त शिक्षक दृढ़ निश्चय के साथ राजस्थान के विद्यार्थी वर्ग की शैक्षिक समस्याओं का स्वयं के स्तर पर चिह्नीकरण करते हुए पूर्ण कर्मठता और अदम्य जिजीविषा के साथ समाधान के मार्ग पर अग्रसर होते हुए अपने शिक्षण अनुभव के आलोक से प्रदेश की उज्वल राहों का निर्माण करने में सहभागी बनेंगे।

शिक्षक स्वयं में ज्ञानकोष है, शिष्य के भविष्य को संवारने में शिक्षक की भूमिका दीपक सदृश है। दीपक का प्रकाश अंधेरे को चीरने में सक्षम होता है उसी प्रकार योग्य और समर्पित शिक्षक भी समाज में बिखरे प्रस्तरों को गाँधी, शास्त्री, कलाम और पटेल जैसे रत्नों को गढ़ने का हुनर रखते है।

अस्तु! प्रकाश पर्व के आलोक में दीपक रूपी शिक्षक समाज को अग्रिम बधाई।

आपका अपना

(गौरव अग्रवाल)

Rajasthan Education Department

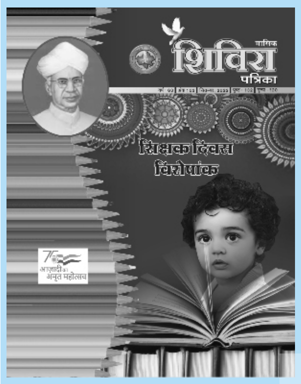

▼ चिन्तन

सत्यं च मे श्रद्धा च मे जगच्च मे धं च मे विश्वं च मे महश्व मे क्रीडा च मे मोदश्च मे जातं च मे जनिष्टामाणं च मे सूक्तं च मे सुकृतं च मे यज्ञेन कल्पन्ताम्।।

-यजुर्वेद 18/5

शुभ कर्म, सत्य एवं श्रद्धा की अभिवृद्धि हो। हमारे सभी लौकिक संसाधन-धन-संपदा क्रीड़ा, विनोद, प्रसन्नता, संतति एवं वचन लोक-मंगल के कार्यों में नियोजित हो।

पाठकों की बात

- सितम्बर माह के शिविरा पत्रिका का अंक ऑनलाइन हुआ। पत्रिका के मुखपृष्ठ पर आजादी की अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 1.23 करोड़ विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत गायन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज होना राजस्थान को गौरवान्वित करता है। माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में ऐसे आयोजन से शिक्षा विभाग का गौरव बढ़ा है। शिक्षक दिवस विशेषांक के अंतर्गत देश के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस 5 सितम्बर को शिक्षकों के सम्मान के रूप में मनाए जाने पर मुख्यमंत्री जी ने शिक्षकों की कार्य क्षमता के लिए आह्वान किया। अपनों से अपनी बात में माननीय शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला द्वारा दी गई जानकारी शिक्षकों के उत्साहवर्धन के लिए उपयोगी है। निदेशक माध्यमिक शिक्षा श्रीमान् गौरव अग्रवाल ने दिशाकल्प के अंतर्गत शिक्षकों के उल्लेखनीय कार्य की पहचान को कोई स्थान मिले। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन दर्शन पर ओमप्रकाश सारस्वत, लक्ष्मी शर्मा, देवेन्द्र राज सुथार के विचारों से शिक्षक की कर्मठता से पहचान, शिक्षक की गरिमा को अवगत कराते हैं। डॉ. भंवरलाल वैष्णव, डॉ. डी.डी. गौतम ने भी बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की प्राप्ति के आलेख के माध्यम से बालकों की सर्वांगीण विकास को आधार बनाते हुए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण कार्य करवाने की सीख प्रदान की। पूर्व अतिरिक्त निदेशक प्राथमिक शिक्षा नूतन बाला कपिला का आलेख गर्व से कहो हम शिक्षक हैं, शिक्षकों की अंतर आत्मा को प्रज्वलित करता है। शिविरा पत्रिका में विभिन्न आदेश परिपत्र तथा नवोदित लेखकों के आलेख, कविताएं, राजस्थानी भाषा में भी कहानियाँ प्रस्तुत की गई इससे पाठकों को पढ़ने का एवं अपने ज्ञान में वृद्धि करने का शुभ अवसर मिलता है। शिविरा पत्रिका के अंतिम पृष्ठ पर चित्र वीथिका आकर्षित एवं विद्यार्थियों के लिए रचनात्मक कार्य करने की क्षमता को बढ़ाने का अच्छा प्रयास है।

सालगराम परिहार, बाड़मेर

- माह सितम्बर की शिविरा शिक्षक दिवस विशेषांक प्राप्त हुआ। इस अंक का मुखावारण भारत रत्न एवं आदर्श शिक्षक श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र से सुसज्जित एवं आजादी के अमृत महोत्सव की कहानी बयां कर रहा था। हमारे मुख्यमंत्री महोदय का गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शैक्षिक नवाचारों के प्रति जागरूकता का आह्वान हमें अपने कर्त्तव्यों के प्रति दृढ़ संकल्पवान बनाता है। अपनो से अपनी बात में माननीय शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला का संदेश पढ़कर अपने शिक्षक होने पर गौरव का आभास हुआ और मन में संकल्प लिया कि पूर्ण मनोयोग से विद्यार्थियों को शिक्षा की असीम संभावनाओं के प्रति जागरूक करने का प्रयास करूँगा। मेरा संदेश एवं दिशाकल्प के माध्यम से सृजनशीलता का पर्याय शिक्षकों को बताना एवं उनके उत्कृष्ट कार्य की पहचान बहुत प्रेरणादायी था। डॉ. महेन्द्र कुमार चौधरी का आलेख : 'शिक्षक समाज के आदर्श' काफी ज्ञानवर्धक एवं शिक्षकों के कर्त्तव्यों से रूबरू करवाने वाला लगा। प्रारम्भिक शिक्षा की गुणवत्ता में मातृभाषा की उपादेयता-डॉ डी.डी. गौतम के आलेख में बच्चा मातृभाषा में शिक्षण कर अन्य भाषाओं को सीखने की ओर उन्मुख हो सकता है, पर प्रकाश डाला गया है जो शिक्षण कार्य में सहयोगी सिद्ध होगा। शिविरा का यह अंक राजस्थानी, हिन्दी व अंग्रेजी भाषाओं की रचनाओं की इन्द्रधनुषी छटा लिए हुए था। प्रेरक प्रसंग, कविताएँ, विचारपरक आलेख इस पत्रिका में चार चाँद लगा रहे थे। मेधावी विद्यार्थियों से हुई बातचीत के अंश अन्य विद्यार्थियों के मन में उत्कृष्ट परिणाम देने की ललक जगाएँगे। इसी तरह भामाशाह द्वारा विद्यालयों की काया पलट वाला पृष्ठ पढ़कर अत्यंत प्रसन्नता हुई और उनके अनुकरणीय प्रयासों को साधुवाद शिविरा के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना के साथ।

सुरेश कुमार भाटिया, बीकानेर

Rajasthan Education Department

मासिक
शिविरा पत्रिका

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते -श्रीमद्भगवद्गीता ४/३८

इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला निःसंदेह कुछ भी नहीं है।
In this world there is no purifier as great as knowledge.

वर्ष : 63 | अंक : 04 | आश्विन-कार्तिक २०७९ | अक्टूबर, 2022

प्रधान सम्पादक
गौरव अग्रवाल

वरिष्ठ सम्पादक
सुनीता चावला

सम्पादक
डॉ. संगीता पुरोहित

सह सम्पादक
सीताराम गोदारा

प्रकाशन सहायक
रमेश व्यास

मूल्य : ₹ 20

वार्षिक सदस्यता राशि व शर्तें

- शिक्षकों/लिपिकों के लिए ₹ 100
- राजकीय संस्थाओं/कार्यालयों/विद्यालयों के लिए ₹ 200
- गैर राजकीय संस्थाओं के लिए ₹ 300
- मनीऑर्डर/बैंक ड्रॉफ्ट/पोस्टलऑर्डर **निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर** के नाम देय हैं।
- चेक स्वीकार्य नहीं है।
- कृपया पूर्ण पता मय पिन कोड लिखें।
- नवीनीकरण हेतु चंदा राशि कृपया दो माह पूर्व भिजवाएँ।

पत्र व्यवहार हेतु पता
वरिष्ठ सम्पादक, शिविरा पत्रिका
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान
बीकानेर-334 011
दूरभाष : 0151-2528875
E-mail : shivira.dse@rajasthan.gov.in

शिविरा पत्रिका में व्यक्त विचार लेखकों के अपने विचार होते हैं। अभिव्यक्त विचारों से **शिक्षा विभाग राजस्थान** का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **-वरिष्ठ संपादक**

इस अंक में

अपनों से अपनी बात

- दृढ़ इच्छा, समर्पण एवं निष्ठा से आशानुरूप लक्ष्यार्जन संभव 3

मेरा संदेश

- मंजिल उसको प्राप्त, जो करता रहे प्रयास 4

दिशाकल्प : मेरा पृष्ठ

- राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम (RKSMBK) 5

विशेष रपट

- राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2022 8
  नीरज शर्मा

आलेख

- 9वीं राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता 12
  सुनीता चावला
- एक मुलाकात : सम्मानित शिक्षकों के साथ 14
  डॉ. संगीता पुरोहित
- दक्षता आधारित शिक्षण हेतु विभाग का अभिनव प्रयोग 17
  डॉ. तमन्ना तलरेजा
- वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में गाँधी विचारों का महत्त्व 21
  जुगराज राठौर
- ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण 22
  राजेश कुमार मीणा
- भारत रत्न : लाल बहादुर शास्त्री 35
  सुनीता चावला
- अधिकार बनाम कर्त्तव्य 36
  राहुल परमार
- लौह पुरुष : राजनीति का प्रकाश स्तम्भ 37
  राजीव गौतम
- कमाल के थे डॉक्टर कलाम 39
  पवन कुमार स्वामी
- प्रकृति से हम हैं हमसे प्रकृति नहीं 40
  मुकेश पोपली
- नेशनल रूरल आई.टी. क्विज 42
  दिलीप कुमार अग्रवाल
- अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस 43
  शिवशंकर चौधरी
- मातृभाषा आधारित शिक्षण 45
  नरेश पंवार
- Classsroom communication : Black board Activity 46
  Dr. Ram Gopal Sharma

स्तम्भ

- पाठकों की बात 6
- आदेश-परिपत्र : अक्टूबर, 2022 23-33
- शिविरा पञ्चाङ्ग 2022-23 27-30
- विद्यालय प्रसारण कार्यक्रम 33
- Telecast Schedules of PM e-vidya 34
- शाला प्रांगण से 50
- भामाशाहों ने बदली विद्यालय की तस्वीर 52
  गनीखान
- हमारे भामाशाह 53

पुस्तक समीक्षा 48

- पिघला हुआ मन
  लेखक : डॉ. ज्योति जोशी
  समीक्षक : **डॉ. संगीता पुरोहित**

Rajasthan Education Department

विभागीय वेबसाइट : **www.education.rajasthan.gov.in/secondary**

विशेष रपट

शिक्षक सम्मान

राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2022

❒ नीरज शर्मा

''शिक्षक देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत, ज्ञानवान एवं संस्कारवान पीढ़ी तैयार करें''- डॉ. बी.डी. कल्ला

महान दार्शनिक, चिंतक, शिक्षक एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्म दिवस को कृतज्ञ राष्ट्र शिक्षक दिवस के रूप में हर वर्ष मनाता आ रहा है। इस अवसर पर शिक्षा विभाग राजस्थान राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है। इस वर्ष राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितम्बर, 2022 एवं 4 सितम्बर, 2022 को सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में किया गया। 4 सितम्बर, 2022 को पुरस्कृत शिक्षकों के सम्मान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा राजस्थान श्री पवन कुमार गोयल उपस्थित हुए। राज्य परियोजना निदेशक श्री मोहन लाल यादव एवं निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर श्री गौरव अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। सरस्वती वंदना तथा अतिथि स्वागत के बाद चूरू संभाग के शिक्षकों ने गणपति वंदना की सुंदर प्रस्तुति दी। जयपुर संभाग के शिक्षकों ने 'महिषासुर मर्दिनी', 'केसरिया बालम', 'मयूर नृत्य' एवं 'आजादी का अमृत महोत्सव' की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की गाथा, आजादी की प्राप्ति एवं भारत के विकास की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। अजमेर संभाग से 'शुभ दिन आयो रे', भरतपुर संभाग से 'बृज की होरी' एवं बीकानेर संभाग से 'भांगड़ा नृत्य' की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गई।

5 सितम्बर, 2022 को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का शुभारंभ बिड़ला ऑडिटोरियम में प्रात: 11:00 बजे प्रारंभ हुआ।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय शिक्षा मंत्री महोदय डॉ. बुलाकी दास कल्ला तथा अध्यक्ष माननीया शिक्षा राज्यमंत्री महोदया श्रीमती जाहिदा खान थे। अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा राजस्थान श्री पवन कुमार गोयल, राज्य परियोजना निदेशक श्री मोहन लाल यादव एवं निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर श्री गौरव अग्रवाल भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। सभी मंचासीन अतिथियों डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया।

सर्वप्रथम श्री पवन कुमार गोयल, अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान द्वारा मंचासीन अतिथियों एवं पुरस्कृत शिक्षकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। श्री पवन कुमार गोयल ने कहा ''सम्मानित होने वाले शिक्षक हमारे विभाग के गौरव तो हैं ही, साथ ही दूसरे शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं'' इस वर्ष राज्य सरकार ने 57 नए ब्लॉक खोले हैं और इनमें भी प्रत्येक वर्ग से एक-एक शिक्षक अर्थात कुल 171 शिक्षकों को सम्मानित करने का निर्णय किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही माननीया शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती जाहिदा खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के मुबारक मौके पर आप सभी से मुखातिब होते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है, उन्होंने कहा कि-

''जिनके किरदार से आती हो सदाकत की महक
उनकी तदरीस से पत्थर भी पिघलता है''

उन्होंने इसी क्रम में आगे कहा कि आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय के मार्गदर्शन से हमारा विभाग बहुत अच्छा कार्य कर रहा है और यकीनन हमें मंजिल भी मिलेगी। हमें बेटियों के शिक्षा के मामले में और गंभीर प्रयास करने चाहिएँ और उससे भी पहले बेटियों को बचाने के लिए ईमानदारी से कोशिश करनी चाहिए। सरकार ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 450 बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं 397 बालिका माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक विद्यालयों में क्रमोन्नत कर शिक्षा को बालिकाओं के पास पहुँचाया है। बालिकाओं को प्रियदर्शनी एवं गार्गी आदि पुरस्कारों से नवाज कर उनकी पढ़ाई को जारी रखने की बेमिसाल कोशिश पिछले कई सालों से चल रही है, जो आज भी बदस्तूर जारी है।

Rajasthan Education Department

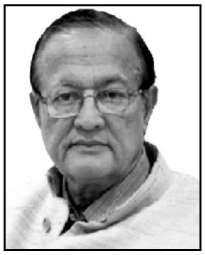

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय शिक्षा मंत्री महोदय डॉ. बी. डी. कल्ला ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम सम्मानित होने वाले शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता प्रकट की। माननीय शिक्षा मंत्री जी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी के कुशल नेतृत्व में हमारी नीतियाँ सिर्फ घोषणाएँ न रह कर व्यावहारिक धरातल पर क्रियान्वित हो रही हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने राज्य कर्मचारियों के लिए सेवानिवृति पश्चात् गरिमामयी जीवन को सुनिश्चित करने के लिए 'पुरानी पेंशन योजना' लागू की और हमें ख़ुशी है कि इस योजना से सर्वाधिक लाभार्थी शिक्षा विभाग के कार्मिक ही रहेंगें। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में शिक्षा विभाग के विभिन्न संवर्गों में 98,845 पदों पर सीधी भर्ती की गई, सेवा नियमों में संशोधन कर 12,421 उप प्राचार्य के पद स्वीकृत किए गए एवं 1,04,845 पदों पर भर्तियाँ प्रक्रियाधीन हैं। नेशनल अचीवमेंट सर्वे-2021 में राजस्थान के विद्यार्थियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार भले अच्छे स्कूलों का दावा करती है लेकिन राजस्थान को पूरे देश में अच्छी शिक्षण व्यवस्था की श्रेणी में प्रथम तीन राज्यों में शामिल करना गौरव की बात है। इंसपायर अवार्ड योजना में पिछले सत्र में राजस्थान के कुल 10,109 बाल वैज्ञानिकों का चयन हुआ जो कि देश में सर्वोच्च है।

आजादी के अमृत महोत्सव में 12 अगस्त, 2022 को लगभग 1 करोड़ 65 लाख विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान एवं राष्ट्रभक्ति गीतों का गायन कर वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा 'राजीव गाँधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों' का आयोजन करवाया गया जिसमें 30 लाख ग्रामीण खिलाड़ियों ने भाग लिया। इन सभी उपलब्धियों के लिए मैं समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ। समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के बालक-बालिकाओं को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने के सपने को साकार करने के लिए सरकार अब तक 1650 से अधिक महात्मा गाँधी अंग्रेजी माध्यम राजकीय विद्यालय खोल चुकी है। मेरा आप से आग्रह है कि शिक्षक की कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। शिक्षक विद्यार्थियों के सामने ऐसा आदर्श प्रस्तुत करें कि आनी वाली पीढ़ियाँ ज्ञानवान, संस्कारवान एवं देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत हो।

इस अवसर पर गरिमामय मंच पर माननीय शिक्षा मंत्री जी ने 'राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम' पर 'RKSMBK APP' लॉन्च किया। 'शिक्षक सम्मान पुस्तिका 2022' एवं 'शिविरा पत्रिका' के विशेषांक का विमोचन भी किया गया। शिक्षक सम्मान पुस्तिका में माननीय राज्यपाल महोदय एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदय सहित अन्य विशिष्ट जनों से प्राप्त संदेशों एवं सम्मानित शिक्षकों की उपलब्धियों का प्रकाशन किया गया।

गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी शिक्षकों के चयन में पूर्ण पारदर्शिता एवं गोपनीयता बरती गई। इस हेतु सभी शिक्षकों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए एवं निर्धारित मानदण्डानुसार शिक्षकों का चयन किया गया। राज्य स्तर पर चयनित करते हुए कुल 33 जिलों के 98 शिक्षकों एवं जिला रैंकिंग के 6 अधिकारियों सहित कुल 104 शिक्षकों-अधिकारियों को सम्मानित किया, जिनकी सूची निम्न प्रकार है:-

राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 05 सितम्बर, 2022 हेतु सम्मानित शिक्षकों की सूची

1. राम करण घासल, अध्यापक
   कमला देवी गीगालाल गोधा रा.बा.उ.प्रा. वि. झीरोता, अराई, अजमेर
2. लक्ष्मण सिंह, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक
   मेजर कमलेश रा.उ.मा.वि. केन्ट एरिया नसीराबाद, श्रीनगर, अजमेर
3. मोहम्मद अय्यूब अगवान, वरिष्ठ अध्यापक
   महात्मा गांधी रा. वि. खाटाऔली, नसीराबाद, श्रीनगर, अजमेर
4. विजय प्रकाश सैन, अध्यापक
   रा.उ.प्रा.वि. विजयनगर, मुण्ड़ावर, अलवर
5. मनोज कुमार, अध्यापक
   रा.उ.मा.वि. निभोर, बहरोड़, अलवर
6. कविता यादव, व्याख्याता
   रा.उ.मा.वि. ईन्दपुर, गोविन्दगढ़, अलवर
7. आनन्द शुक्ला, प्रबोधक
   रा.उ.मा.वि. सागेता, तलवाड़ा, बाँसवाड़ा
8. विपुल कुमार मेहता, अध्यापक
   रा.उ.मा.वि. तलवाड़ा, बाँसवाड़ा
9. मणिलाल शर्मा, व्याख्याता
   रा.उ.मा.वि. कूपड़ा, तलवाड़ा, बाँसवाड़ा
10. भुवनेश मालव, अध्यापक
    रा.प्रा.वि. हरिपुरा, किशनगंज, बारां
11. मोतीलाल कारपेन्टर, शारीरिक शिक्षक
    रा.उ.मा.वि, आटोन, अटरू, बारां
12. अश्वनी कुमार त्रिपाठी, व्याख्याता
    रा.उ.मा.वि. कोयला, बारां
13. बलवारी लाल कस्वां, अध्यापक
    रा.उ.प्रा.वि. बादु का बाड़ा, कल्याणपुरा, बाड़मेर
14. ठाकरा राम, प्रबोधक
    रा.उ.प्रा.वि. बोरड़ीनाड़ी, कुपावास, समदड़ी, बाड़मेर
15. भबुताराम चौधरी, व्याख्याता
    रा.उ.मा.वि. रनिया देशीपुरा, बाड़मेर
16. नन्द किशोर शर्मा, प्रबोधक
    रा.प्रा.वि मौरोदा. कुम्हेर, भरतपुर
17. ओमप्रकाश, वरिष्ठ अध्यापक
    रा.उ.मा.वि. ऐचैरा, नदबई, भरतपुर
18. कन्हैया लाल शर्मा, अध्यापक
    रा.प्रा.वि. मोड़ी का खेड़ा, बरसनी, आसीन्द, भीलवाड़ा
19. सुरेश चन्द्र, अध्यापक
    रा.उ.प्रा.वि. इन्द्रा कॉलोनी, गुलाबपुरा, हुरड़ा, भीलवाड़ा
20. हरीश कुमार पंवार, वरिष्ठ अध्यापक
    रा.उ.मा.वि. रीछडा, सुवाणा, भीलवाड़ा
21. सुरजीत सिंह, अध्यापक
    रा.उ.मा.वि. डेलवाँ, श्रीडूँगरगढ़, बीकानेर
22. हुकम चन्द चौधरी, अध्यापक
    रा.उ.प्रा.वि. बीएसएफ, बीकानेर
23. श्याम सुन्दर चौधरी, व्याख्याता
    रा.उ.मा.वि. बन्धड़ा, पाँचू, बीकानेर
24. मनीष कुमार मेवाड़ा, अध्यापक
    रा.प्रा.वि. बेवड़िया तालेड़ा, बूँदी

Rajasthan Education Department

25. धर्मेन्द्र कुमार, अध्यापक
रा.उ.मा.वि. माटून्दा, बूँदी
26. राम कैलाश मीना, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.मा.वि. बम्बोरी, बूँदी
27. वरदी सिंह मीणा, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. देवली, डूँगला, चित्तौड़गढ़
28. विकास कुमार आचार्य, अध्यापक
रा.उ.मा.वि. मुरोली, राशमी, चित्तौड़गढ़
29. अनिल कुमार शर्मा, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. आकोला, चित्तौड़गढ़
30. राजवीर सिंह, अध्यापक
रा.उ.मा.वि. ईयारा, वीदासर, चूरू
31. जगवीर सिंह, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. मघाउ, राजगढ़, चूरू
32. झिण्डूराम, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. सरायण, तारानगर, चूरू
33. रामकेश मीना, विशेष अध्यापक
रा.प्रा.वि. घाटाबालाजी, बाँदीकुई, दौसा
34. कमल सिंह गुर्जर, अध्यापक
रा.बा.उ.मा.वि. गाँधी चौक, दौसा
35. लोकेश कुमार शर्मा, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. केशरीसिंहपुरा, बसवा,दौसा
36. महाराज सिंह, व्याख्याता
महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय खेरली, राजाखेड़ा, धौलपुर
37. रमा शर्मा, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. नारायनपुरा, सरमथुरा, धौलपुर
38. नवीन कुमार, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. मलिकपुर, धौलपुर
39. दीपक पण्ड्या, अध्यापक
रा.प्रा.वि. भीलवटा सुरपुर, डूँगरपुर
40. राजेन्द्र सिंह चौहान, शारीरिक शिक्षक
रा.उ.प्रा.वि. डूँगराफला, डूँगरपुर
41. गौतम लाल डामोर, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.मा.वि. चरवाड़ा, झौंथरी, डूँगरपुर
42. राजीव कुमार, अध्यापक
रा.प्रा.वि. नं 1 पदमपुर, श्रीगंगानगर
43. सतेन्द्र जीत कौर, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.मा.वि. 25 एफ गुलाबेवाला, करणपुर, श्रीगंगानगर
44. रोहिताश कुमार शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.मा.वि. 9 टी.के. डब्ल्यू., सादूल शहर, श्रीगंगानगर
45. बजरंग लाल सुथार, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. 10 MZW रणजीतपुरा, हनुमानगढ़
46. राकेश कुमार, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि 11-12 एसएलडबल्यू टिब्बी, हनुमानगढ़
47. महेन्द्र कुमार, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. मुण्डा, हनुमानगढ़
48. भवानी सिंह शेखावत, अध्यापक
रा.प्रा.वि. नारी का बास, झोटवाड़ा, जयपुर
49. डॉ. विमलेश कुमार पारीक, वरिष्ठ अ.
रा.उ.मा.वि. मदरामपुरा, सांगानेर शहर, जयपुर
50. हरिओम मीणा, प्रधानाचार्य
रा.उ.मा.वि. साँभरिया, बस्सी, तूंगा, जयपुर
51. खेमचन्द, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. सदराऊ, जैसलमेर
52. नरेन्द्र कुमार, अध्यापक
रा.बा.उ.मा.वि. बोड़ाना, नाचना जैसलमेर
53. तने सिंह, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. किशनगढ़, जैसलमेर
54. अरविन्द कुमार जीनगर, प्रबोधक
रा.उ.मा.वि. खरल, जालोर
55. लादू राम विश्नोई, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. भूरा की ढाणी, कारोला, सांचोर, जालोर
56. हेमन्त विश्नोई, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. तवाव, जसवंतपुरा, जालोर
57. हेमराज कुम्हार, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. मुण्डेरी, झालरापाटन, झालावाड़
58. पवन कुमार भास्कर, शारीरिक शिक्षक
रा.उ.मा.वि. झीझनी, भवानीमंडी झालावाड़
59. ओमप्रकाश शर्मा, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. गंगधार, डग, झालावाड़
60. अनिल कुमार शर्मा, अध्यापक
श्रीकृष्ण परिषद्, रा.बा.उ.मा.वि. सूरजगढ़, झुंझुनूँ
61. महताब सिंह, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. बामनवास, सूरजगढ़, झुंझुनूं

Rajasthan Education Department

62. बलवान सिंह, प्रधानाचार्य
रा.उ.मा.वि. वनगोठडी, पिलानी, झुंझुनूं

63. दानाराम, प्रबोधक
रा.उ.प्रा.वि. तालों का बेरा, बावड़ी, जोधपुर

64. गोपाल लाल गुर्जर, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. चटालिया नाडा, उंटवालिया, देचूँ, जोधपुर

65. ओमप्रकाश, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.मा.वि. पल्ली, लोहावट, जोधपुर

66. सतीश चन्द गुप्ता, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. सुजानपुरा, टोड़ाभीम, करौली

67. भारती मीना, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. बिनेगा, श्री महावीरजी, करौली

68. अनिता कुमारी मीना, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. बरगमा, श्रीमहावीरजी, करौली

69. लाल सिंह शक्तावत, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. महावीर नगर, रामगंज मण्डी, खैराबाद, कोटा

70. रश्मि नामदेव, शारीरिक शिक्षक
रा.उ.प्रा.वि. खेड़ली बोरदा, इटावा, कोटा

71. तेजकरण सुमन, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. खोड़ावदा, इटावा, कोटा

72. सुरेन्द्र, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. ढींगसारा नं. 2, खींवसर, नागौर

73. बसन्ती, शारीरिक शिक्षक
महात्मा गाँधी रा.वि. कठौती, जायल, नागौर

74. घनराज खोजा, अध्यापक
सेठ किशनलाल कांकरिया रा.उ.मा.वि., नागौर

75. सूरसिंह राणावत, अध्यापक
रा.प्रा.वि. राईकों की ढाणी, खैरवा, पाली

76. छैलेन्द्र सिंह राठौड़, शारीरिक शिक्षक
रा.उ.प्रा.वि. पड़ासला कला, पाली

77. ओमप्रकाश कुमावत, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. सोनाई मांजी, पाली

78. अनिल कुमार पंचोली, अध्यापक
रा.प्रा.वि. बालोरिया, सुहागपुरा, प्रतापगढ़

79. गोविन्द नारायण शर्मा, प्रबोधक
रा.उ.प्रा.वि. चाचाखेड़ी, अरनोद, प्रतापगढ़

80. जाकिर हुसैन कागजी, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.मा.वि. प्रतापगढ़

81. पूनम यादव, अध्यापक
रा.प्रा.वि. चून्दी, देवगढ़, राजसमंद

82. दिनेश कुमार सनाढ्य, शारीरिक शिक्षक
रा.उ.प्रा.वि. सथाना, राजसमंद

83. राजेश्वर त्रिपाठी, वरिष्ठ अध्यापक
GKD हवेली नाथद्वारा, खमनौर, राजसमंद

84. सलाम खाँन, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. धनौली, सवाई माधोपुर

85. रामराज मीणा, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. जटवाड़ा कला, सवाई माधोपुर

86. भगवान लाल रैबारी, अध्यापक
रा.बा.उ.प्रा.वि., खेड़ा बाढ़ रामगढ़, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर

87. खालिद अख्तर, प्रबोधक
रा.प्रा.वि., सवाई लक्ष्मणपुरा, फतेहपुर, सीकर

88. अनिता चौधरी, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. माजीपुरा, धोद, सीकर

89. राकेश कुमार खारिया, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. नागवा, धोद, सीकर

90. अरविन्द कुमार, अध्यापक
रा.उ.मा.वि. गुन्दवाड़ा, रेवदर, सिरोही

91. देवेन्द्र कुमार पुरोहित, वरिष्ठ अध्यापक
महात्मा गाँधी रा.वि. पालड़ी-एम, शिवगंज, सिरोही

92. भरतसिंह, वरिष्ठ अध्यापक
रा.उ.मा.वि. पोसालिया, शिवगंज, सिरोही

93. टीकाराम राजवंशी, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि., जीवली, निवाई, टोंक

94. दिनकर विजयवर्गीय, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि. जयकिशनपुरा, पीपलू, टोंक

95. कुंभाराम चौधरी, प्रधानाचार्य
स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल वि. निवाई, टोंक

96. खेमराज कुम्हार, शारीरिक शिक्षक
रा.उ.प्रा.वि. ढाकरड़ा, सराड़ा उदयपुर

97. इन्द्रजीत सिंह राणा, व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. लोयरा, बडगांव, उदयपुर

98. दिनेश कुमार महर्षि, अध्यापक
रा.उ.प्रा.वि., कादमा, झल्लारा, उदयपुर

जिला परियोजना समन्वयक (सीडीईओ)

1-2 श्री सुभाष चन्द्र यादव, जयपुर

3-4 श्री संतोष कुमार महर्षि, चूरू

5-6 श्रीमती तेज कंवर, बूँदी

अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक (एडीपीसी)

1-2 श्री भंवर लाल जांगिड़, जयपुर

3-4 श्री निसार अहमद खान, चूरू

5-6 श्री रामसिंह मीना, बूँदी

पुरस्कृत शिक्षकों को प्रमाण-पत्र, ताम्र-पत्र, शॉल एवं 21000 रुपये की राशि नकद प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर 99 एवं ब्लॉक स्तर पर 1074 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

अन्त में श्री गौरव अग्रवाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान ने समारोह में पधारे माननीय शिक्षा मंत्री महोदय, माननीय शिक्षा राज्यमंत्री महोदया, अतिरिक्त मुख्य सचिव महोदय, राज्य परियोजना निदेशक महोदय, सम्मानित होने वाले शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, मीडिया कर्मियों, आयोजकों एवं अन्य सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। निदेशक महोदय द्वारा निदेशालय बीकानेर तथा कार्यालय संयुक्त निदेशक, जयपुर संभाग, जयपुर के स्तर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी संबंधित सदस्यों को सहयोग देने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रधानाचार्य
महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय चकवाड़ा,
फागी, जयपुर (राज.) **मो: 8233020010**

इंस्पायर अवार्ड

9वीं राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता

❒ सुनीता चावला

इंस्पायर अवॉर्ड्स की 9वीं राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी और परियोजना प्रतियोगिता (NLEPC)-Manak (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशंस एंड नॉलेज) का उद्घाटन 14 सितम्बर 2022 को ITPO, दिल्ली में किया गया, जहाँ देश भर की निजी और सरकारी स्कूलों के 556 विद्यार्थियों के नवाचार विज्ञान प्रोजेक्ट मॉडल की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शित नवाचारों ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की प्राप्ति को प्रतिबिंबित किया जैसे कि विकलांगों के लिए प्रौद्योगिकी, स्वच्छता और स्वच्छता के लिए, साथ ही स्थानीय और दिन-प्रतिदिन की आवश्यकताएँ जैसे-फल चुनना और बिना आँखों को नुकसान पहुँचाए प्याज काटना। उनमें से कुछ डिजिटल प्रौद्योगिकी से संबंधित नवाचार थे जो डिजिटल अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते थे।

यह प्रदर्शनी अपनी तरह की अनूठी है, क्योंकि यह नवाचारों की विविधता और भौगोलिक संतुलन का प्रतिनिधित्व करती है, इसे दो दिनों के लिए आयोजित किया गया अर्थात 14-15 सितम्बर 2022।

इंस्पायर अवार्ड- मानक योजना के अन्तर्गत समस्त राज्यों से राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (SLEPC) से चयनित विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (NLEPC) का आयोजन संयुक्त रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा की जाती है जो चयनित विद्यार्थियों को अपने आइडिया/प्रोजेक्ट/मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन के लिए एक महत्त्वपूर्ण प्लेटफार्म है।

वर्ष 2020-21 के दौरान देश के सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से कुल 6.53 लाख विचार और नवाचार प्राप्त हुए। इस NLEPC से सफलतापूर्वक शीर्ष 60 में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों को 16 सितम्बर 2022 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के माननीय केन्द्रीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया, जिसमें राजस्थान से 7 विद्यार्थी पुरस्कृत हुए होनहार युवा वैज्ञानिकों के नवाचारी साइंस प्रोजेक्ट मॉडल का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है-

विद्यार्थी का नाम : अभय प्रताप सिंह शेखावत

प्रोजेक्ट का नाम : Patient Freindly Bed with Adjustable Trath

विद्यालय का नाम : महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय मुरलीधर व्यास नगर, बीकानेर

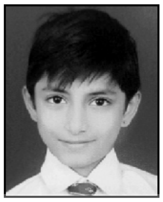

प्रोजेक्ट विवरण : अस्पताल में मरीजों को परिसर में एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाना पड़ सकता है, जैसे इलाज के दौरान कई जाँचों के लिए या एक वार्ड से दूसरे वार्ड। इस प्रक्रिया में मरीजों और उनके परिजनों को बहुत असुविधा होती है। खासकर अधिक वजन वाले, लकवाग्रस्त, बेहोश या गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए रोगी बिस्तर और ट्रॉली के मध्य बार-बार स्थानांतरित करने की प्रक्रिया काफी जटिल हो जाती है, विशेषकर कोरोना काल में तो बहुत ज्यादा। इस समस्या के हल के लिए यह इनोवेटिव साइंस प्रोजेक्ट बहुत ही उपयोगी है। इस पेशेंट बेड में एडजस्टेबल ट्रॉली लगी होती है जिसे आवश्यकतानुसार आसानी से बेड से अलग किया जा सकता है और पुनः बेड से जोड़ा जा सकता है। जिससे मरीज के आवागमन की प्रक्रिया आसान हो जाती है और इससे समय भी बचता है जोकि कई बार लाईफ सेविंग साबित होता है। इसके साथ ये बेड आरामदायक भी है और मरीज की जल्दी रिकवरी में सहायक सिद्ध होता है। यदि प्रत्येक अस्पताल में यह बेड लगा दिया जाए तो अस्पताल का बेड और ट्रॉली का अलग-अलग खर्चा कम हो जाएगा।

विद्यार्थी का नाम : छोटी

प्रोजेक्ट का नाम : Rural Case Rott (Chapati Basket)

विद्यालय का नाम : राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जसवंतपुरा, नागौर

प्रोजेक्ट विवरण : केस रोल प्रायः प्रत्येक घरों में रोटी/ चपातियों को गर्म रखने के काम आता है। केस रोल जो बाजार में मिलते हैं, उनके द्वारा चपाती तो गर्म रहती है परन्तु चपातियों की गर्म वाष्प के कारण ऊपर की कुछ चपातियाँ गीली भी हो जाती है और ये रेडीमेड केस रोल महंगे भी होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के रेडीमेड केस रोल के बजाए प्रायः बांस की टोकरी का प्रयोग किया जाता है जिसमें चपातियाँ ज्यादा देर तक गर्म नहीं रहती है। दो बांस की टोकरियों के मध्य गाँवों में मिलने वाली खरपतवार से ऊष्मारोधी परत बनाई। ढक्कन में अंदर की तरफ ढाल बनाकर भाप को इकट्ठा करने हेतु लगभग अंदर की सभी रोटियाँ गर्म रहती है और भाप भी ऊपर ढालदार ढक्कन में बने कप में इकट्ठी हो जाती है जिससे ऊपर की रोटियाँ गीली नहीं होती है।

विद्यार्थी का नाम : खुशवीर कौर

प्रोजेक्ट का नाम : Adjustable Stand for Cooler

विद्यालय का नाम : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ढोलनगर, हनुमानगढ़

प्रोजेक्ट विवरण : घरों में कूलर को कमरे की खिड़की के बाहर लगाया जाता है तो कई बार घरों में खिड़कियों की ऊँचाई अलग-अलग होने की स्थिति में एक ही कूलर स्टैण्ड अलग-अलग ऊँचाई वाली खिड़कियों में एडजेस्ट नहीं होता है। इसलिए अलग-अलग ऊँचाई वाली खिड़कियों में कूलर का उपयोग करने के लिए कूलर स्टैण्ड को एडजेस्टेबल अर्थात ऊँचाई को कम ज्यादा कर सकने वाला बनाने से उक्त समस्या का सरलता से स्थाई हल प्राप्त किया जा सकता है तथा अनावश्यक रूप से अतिरिक्त खर्चा एवं स्थान बदलने पर सामान्य स्टैण्ड की अनुपयोगिता से बचा जा सकता है।

विद्यार्थी का नाम : ममता चौधरी

प्रोजेक्ट का नाम : परिचलनात्मक स्वच्छता ट्रॉली

विद्यालय का नाम : पाटनी पब्लिक स्कूल चित्तौड़गढ़

प्रोजेक्ट विवरण : ग्रामीणों द्वारा पशुओं

का कचरा तथा स्वच्छता श्रमिकों द्वारा गंदगी को उठाने के कार्य में जीवाणुओं से संक्रमित होने का खतरा रहता है। इस कार्य को हाथों या शरीर के किसी भी अंग से बिना स्पर्श किए संपन्न करने हेतु एक परिचलनात्मक स्वच्छता ट्रॉली का निर्माण किया गया है।

इस ट्रॉली में जेसीबी मशीन जैसा एक पंजा होता है जो कि एक पुल रोप से बकेट साइड आर्म से जुड़ा होता है। बकेट साइड आर्म को पीछे खींचने पर पंजा ऊपर उठता है और गंदगी या पशु अपशिष्ट स्लाइडर पर गिर जाता है। स्लाइडर से जुड़े पुलिंग आर्म को ऊपर खींचकर इस गंदगी को बाहर फेंका जाता है। गंदगी की डम्पिंग के लिए ट्रॉली के तल को स्लाइडिंग बनाया जाता है। इस ट्रॉली के चार पहिए परिचालन को सुगम व कार्य योग्य बनाते हैं।

इस उपकरण से 50% पानी की बचत होती है जिसका उपयोग सफाई के बाद शारीरिक स्वच्छता के लिए किया जाता है। पारंपरिक विधियों से सफाई की तुलना में 40% समय की बचत होती है। गंदगी जनित रोगों के संक्रमण की संभावना नगण्य होती है। साथ ही परिवेशीय स्वच्छता के लिए यह प्रोजेक्ट उदासीनता में कमी कर लोगों को स्वच्छता के लिए प्रोत्साहित करेगा।

विद्यार्थी का नाम : मनीषा

प्रोजेक्ट का नाम : Cow Dung Collecting Machine

विद्यालय का नाम : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हसामंदी, झालावाड़

प्रोजेक्ट विवरण : यह गोबर इकट्ठा करने की आरामदायक मशीन है। इसी सहायता से आसानी से गोबर को उठाकर इकट्ठा किया जा सकता है। ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के लिए यह मंत्र काफी उपयोगी है। हमारे सफाई कार्मिकों को कम लागत में यह मंत्र उपलब्ध करवाया जा सकता है, जिससे वे गंदगी के सीधे संपर्क में नहीं आएंगे और संक्रमण का खतरा भी कम होगा। दोनों रूप में इसका उपयोग घर के सूखे व गीले कचरे को साफ भी किया जा सकता है।

विद्यार्थी का नाम : मनमोहन सिंह

प्रोजेक्ट का नाम : सार्वजनिक कचरा पात्र प्रणाली

विद्यालय का नाम : द आशियाना स्कूल भिवाड़ी

प्रोजेक्ट विवरण : प्रायः देखा जाता है कि सार्वजनिक स्थानों पर लगे कचरा पात्रों के ढक्कन संकरे होने के कारण गंदगी इसके आसपास एकत्र हो जाती है। कूड़ा पात्र पूर्ण भरे होने के बाद भी इसमें से कूड़ा बाहर गिरता रहता है एवं हवा के साथ बिखर जाता है। गंदगी में अर्ध अपघटित भोजन, जहरीले पदार्थ एवं रसायन मिट्टी में डालकर प्रदूषण करते है। इसके आसपास मच्छर, मक्खियों व कीड़ों का आश्रय स्थल बन जाता है व दुर्गंध फैलती है फलस्वरूप स्वच्छताकर्मियों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

कूड़े दानों के डिजाइन में आंशिक संशोधन जैसे इनके ढक्कन का मुँह चौड़ा कर तथा व वे फ्लैप या स्फिक्टर के साथ जोड़कर समस्या का समाधान किया जा सकता है। इस संशोधित डिजाइन से कचरा पात्र से बाहर नहीं गिरेगा तथा साथ ही यह पात्र के पूर्णतः भरा होने का संकेत भी देता है। इस प्रकार यह संशोधित प्रणाली कूड़ेदानों में कचरा उचित तरीके से डालने में सहायक होगी। श्रमिकों के लिए कचरा संग्रहण सुगम होगा। पानी का ठहराव नहीं होने से इसके आसपास दुर्गंध नहीं फैलेगी।

नाम : तनु सिंह

प्रोजेक्ट का नाम : घूमने वाला बिजूका

कक्षा : आठवी (2022-2023)

विद्यालय का नाम : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भवानीखेड़ा (नरवर), अजमेर

प्रोजेक्ट का सारांश : यह प्रोजेक्ट किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। यह घूमता हुआ बिजूका घूम-घूम कर खेतों में पक्षियों को भगाने का काम करता है। यह सौर ऊर्जा से संचालित होता है साथ ही इसमें एक मोशन सेंसर और बर्जर भी लगाया है। जब भी कोई गतिशील चीज इसके सामने आती है तो बर्जर बज जाता है। इस प्रकार पशु-पक्षी या अन्य कोई बाधा आने का किसानों को पता चल जाता है। इसकी ध्वनि के कारण छोटे-मोटे जीव-जंतु भाग जाते हैं और इससे खेतों में फसल की हानि नहीं होती है। यह बिना रुके लगातार काम कर सकता है। यह पर्यावरण को किसी भी प्रकार से हानि नहीं पहुंचाता है। भविष्य में इसे और उन्नत किया जा सकता है तथा इससे सिंचाई भी की जा सकती है। सिंचाई के लिए ऊंचाई पर एक पानी का टैंक बनाकर उससे एक पाइप लगाकर फव्वारा विधि का उपयोग किया जा सकता है। इसी तरह इससे कीटनाशक का छिड़काव भी किया जा सकता है। यह सौर ऊर्जा से संचालित उपकरण है। अतः इससे प्राप्त ऊर्जा को बैटरी में संचित करके रात के समय भी कार्य किया जा सकता है। रात के समय इसमें एलईडी लगाकर प्रकाश की व्यवस्था भी की जा सकती है। इस प्रकार यह उपकरण कई कार्य एक साथ कर सकता है। मेरे इस आइडिया को मूर्त रूप देने में मेरी विज्ञान अध्यापिका सुनीता जैन ने मेरी बहुत सहायता की है साथ ही मेरे माता पिता ने मुझे बहुत सपोर्ट किया है।

आईडिया कैसे आया : जब मैं दादा जी के खेत में गया तो मैंने देखा कि वहाँ मटकी का बिजूका बना हुआ था और उसी के ऊपर कौवे बैठे हुए थे तो मैंने दादा जी से कहा इस बिजूका का क्या फायदा है कितना अच्छा होता कि यह बिजूका घूम घूम कर कौवों को भगाता। यह बात मेरे दिमाग में चलती रही और इसके बारे में मैंने अपनी टीचर से चर्चा करी और उसके बाद हमने यह प्रोजेक्ट बनाया।

समाज के लिए कैसे लाभकारी है ?

यह चारों तरफ खेत में घूमता रहता है तो इससे पक्षी भाग जाते हैं साथ ही इसमें एक बर्जर और सेंसर लगा है तो जो भी गतिशील ऑब्जेक्ट्स इसके सामने आता है तो यह पहचान कर बरजर बजा देता है जिसकी आवाज से सभी पशु और पक्षी भाग जाते हैं। यह सौर ऊर्जा द्वारा संचालित है और पर्यावरण को भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाता है और यह किसानों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा।

प्रभारी अधिकारी
छात्रवृती एवं प्रोत्साहन प्रकोष्ठ
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर

शिक्षक दिवस सम्मान समारोह

एक मुलाकात : सम्मानित शिक्षकों के साथ

❒ डॉ. संगीता पुरोहित

व्यक्तिगत परिचय

नाम	:	श्री दुर्गाराम मुवाल
योग्यता	:	एम.ए., बी.एड., सी.आई.वाई
सरकारी सेवा में प्रथम नियुक्ति	:	05.03.2008
पद	:	अध्यापक
वर्तमान पदस्थापन स्थान	:	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पारगियापाडा, फलारिया, झाडोल, उदयपुर

कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता,
एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों।

दुष्यंत कुमार की इन पक्तियों को चरितार्थ करने वाली शख्सियत श्री दुर्गाराम मुवाल ने अपने दृढ़ संकल्प और मेहनत से असंभव से दिखने वाले कार्यों को संभव कर दिखाया है। आदिवासी इलाके में कार्यरत श्री दुर्गाराम मुवाल ने एक आर्दश शिक्षक के साथ एक जागरूक नागरिक के कर्त्तव्य का निर्वहन भी पूर्ण ईमानदारी से किया है। बाल श्रम एवं बाल तस्करी जैसे गम्भीर अपराधों को रोकने में इनका योगदान अविस्मरणीय है। इन कार्यों के दौरान कई बार इन्हें अपनी जान भी जोखिम में डालनी पड़ी परन्तु अदम्य साहस के धनी श्री दुर्गाराम मुवाल ने हार नहीं मानी और इन अपराधों को रोकने के लिए डटकर खड़े रहे। ड्रॉपआउट बच्चों को फिर से विद्यालय से जोड़ना हो या पिछड़े इलाके में जनजागृति द्वारा कोरोना वायरस टीकाकरण अभियान में 100 प्रतिशत टीकाकरण का कार्य हो, इन सभी कार्यों का निष्पादन सफलता पूर्वक किया। श्री दुर्गाराम मुवाल अपने वेतन से एक माह का वेतन प्रतिवर्ष विद्यालय के बच्चों पर खर्च करते हैं। ऐसे कर्मयोगी शिक्षक का व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणास्पद है। बाल मजदूरी व बाल तस्करी की रोकथाम व शैक्षिक नवाचारों के लिए इन्हें राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया है।

प्रश्न 1. ***राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2022 में चयन हेतु आपका आधार क्या रहा है?***

उत्तर शिक्षा एवं विद्यालयों में नवाचार के साथ बाल मजदूरी एवं बाल तस्करी को रोक कर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ना, बालिका शिक्षा को विशेष रूप से बढ़ावा, सामाजिक सरोकार के कार्यों आदि के कारण मुझे इस सम्मान के योग्य समझा गया।

प्रश्न 2. ***समाज के प्रति परम्परागत दृष्टिकोण को त्यागते हुए मासूमों को बाल श्रम से बचाने हेतु आपने क्या प्रयास किए?***

उत्तर इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए मैंने अपना एक मुखबिर तंत्र विकसित किया है जो इस तरह की जानकारी हमें उपलब्ध करवाता है। बाल मजदूरी एवं बाल तस्करी की जानकारी मिलते ही मैं तुरंत घटना स्थल पहुँच जाता हूँ और उन बच्चों को दलालों के चंगुल से मुक्त करवाकर उनके अभिभावकों को सौंपता हूँ। जिसके बाद हमारी टीम इन बच्चों पर निगरानी रखती है। जिसमें हमें पुलिस प्रशासन एवं चाइल्ड हेल्प लाइन का भी भरपूर सहयोग मिलता है।

प्रश्न 3. ***बालश्रम एवं बाल तस्करी जैसे अमानवीय कृत्य को रोकने का टर्निंग पॉइंट आपके जीवन मे कैसे व कब आया?***

उत्तर जब मैंने विद्यालय जॉइन किया उसके कुछ समय बाद एक बालिका जो एक वर्ष बाद बाल मजदूरी से वापस घर लौटी थी उसकी उम्र 12-13 वर्ष थी, जिसके आने पर गाँव में कौतूहल पैदा हो गया था। मैं उस बालिका से मिलने के लिए उसके घर गया तो उस बालिका को देखकर एवं उसके साथ घटित घटनाओं को सुनकर अचंभित रह गया। मैं पाँच दिन तक न तो ढंग से खाना खा पाया और न सो पाया। बार-बार मेरे मन में उस बालिका के साथ घटित यातनाओं को सोचकर परेशान रहा, तभी से मैंने अपना एक मिशन बना लिया कि अब मैं इस बाल मजदूरी और बाल तस्करी को रोकूंगा। किसी बच्चे के साथ ऐसी घटना नहीं होने दूँगा और यह मिशन आज भी जारी है।

प्रश्न 4. ***आप अपने मोबाइल नम्बर को हेल्प लाईन नम्बर के रूप में प्रयुक्त करते है यह सहायता आप अकेले करते है या अन्य किसी के सहयोग से?***

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

उत्तर मेरा मोबाइल नम्बर इस जनजातीय क्षेत्र के लड़कों एवं लड़कियों के लिए 24×7 चालू रहने वाली हेल्प लाइन है। एक फोन कॉल पर सम्बन्धित के पास सहायता पहुँचाने का प्रयास करते हैं। इस कार्य में स्थानीय पुलिस के साथ चाइल्ड हेल्प लाइन का भी भरपूर सहयोग मिलता है।

प्रश्न 5 ***अभी तक आपने कितने बालक-बालिकाओं को बालश्रम एवं बाल तस्करी से मुक्त करवाया?***

उत्तर 400 से ज्यादा बच्चों को बालश्रम एवं बाल तस्करी से मुक्त करवाया है जिनमें 250 से ज्यादा बालिकाएँ शामिल हैं।

प्रश्न 6 ***शिक्षा के क्षेत्र में आपके नवाचारों की जानकारी दीजिए एवं बालिका शिक्षा के क्षेत्र में आपका क्या योगदान है?***

उत्तर यहाँ इस जनजातीय इलाके में छोटे बच्चे पहाड़ पार करके विद्यालय आते हैं जिनके बस्ते का भार ज्यादा होने से पूरी किताबें लेकर नहीं आते जिसके लिए हमने अपने हिसाब से नोट बुक्स तैयार करवाई ताकि बस्ते का भार कम हो। प्रतिवर्ष पिकनिक पर लेकर जाना, प्रतिदिन योगा करवाना ताकि बच्चे मानसिक रूप से मजबूत हो तथा छोटे-छोटे बच्चों को एनिमेशन द्वारा पढ़ाना आदि अनेक प्रयास किए। शिक्षा के प्रति जागरूकता कम होने से बालिका शिक्षा और पिछड़ती जा रही थी। प्राथमिक कक्षाओं के बाद बालिकाओं को पढ़ाई छुड़वा दी जाती थी जिससे बहुत कम बालिकाएँ उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाती थी। हमें 300 से ज्यादा ऐसी बालिकाओं को वापस विद्यालय एवं उच्च कक्षाओं से जोड़ा जो पढ़ाई से कौसो दूर हो गई थी। जिन बालिकाओं ने आर्थिक कारणों से पढ़ाई छोड़ दी थी उनकी अगली कक्षा की पढ़ाई का खर्च भी मैं स्वयं वहन करता हूँ।

प्रश्न 7. ***बालिकाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने का विचार आपके मस्तिष्क में कब और क्यों आया?***

उत्तर बालिकाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं से बालिकाएँ स्वयं निपट सके एवं बालिकाओं को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने व अपनी आत्मरक्षा स्वयं करने का आत्मविश्वास पैदा करने हेतु प्रतिदिन बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देता हूँ।

प्रश्न 8. ***पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में आपकी क्या भूमिका है?***

उत्तर 12 वर्षों में हमने 11000 (ग्यारह हजार) से ज्यादा पौधे लगाए एवं उनका संरक्षण कर रहे हैं। पूरी पंचायत में हमने जंगल काटने पर पांबदी लगा रखी है, जिसकी सुबह 4 बजे जंगल में जाकर टीम द्वारा निगरानी की जाती है।

प्रश्न 9. ***किसी भी नवीन कार्य को करने में अनेक प्रकार की आलोचना/प्रत्यालोचना का सामना करना पड़ता है। क्या आपको भी इस प्रकार की परिस्थिति से कभी गुजरना पड़ा था?***

उत्तर जब भी मेरे कार्यों की आलोचना होती है तो मैं उस कार्य को ज्यादा सुव्यवस्थित एवं दुगुने जोश से करता हूँ। क्योंकि मेरा मानना है कि अगर हम किसी रास्ते पर जा रहे हैं और वहाँ कोई रुकावट नहीं हो तो वह रास्ता गलत है। जब भी मैं कोई नया काम करना चाहता हूँ तो उस समय लोग जब मेरे खिलाफ होते हैं या कोई साथ नहीं देता है तो मैं उस कार्य को जरूर करता हूँ।

प्रश्न 10. ***आप अपने साथी शिक्षकों को प्रेरणा स्वरूप क्या संदेश देना चाहेंगे?***

उत्तर मैं अपने शिक्षक साथियों से कहना चाहूँगा कि हम सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। लेकिन अगर हम हमारे शिक्षण के कार्यों को जनता से जोड़कर आनंदमय रूप से करें तो परिणाम काफी सकारात्मक होंगे। एक शिक्षक ही समाज का सच्चा मार्गदर्शन होता है जिसको हमेशा अपने कर्म के प्रति ईमानदार होना चाहिए तथा कर्म ऐसा करना चाहिए कि सारे उससे प्रेरणा ले सकें।

व्यक्तिगत परिचय

नाम	: **श्रीमती सुनीता**
योग्यता	: **एम.एस.सी. (रसायन विज्ञान), एम.ए. (इतिहास, भूगोल, अंग्रेजी) बी.एड. (स्पेशल और जनरल एज्युकेशन)**
सरकारी सेवा में प्रथम नियुक्ति	: **26.07.2005**
पद	: **वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान)**
वर्तमान पदस्थापन स्थान	: **राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बधिर, बीकानेर**

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित विज्ञान शिक्षिका श्रीमती सुनीता आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है। उनकी मेहनत व लग्न ही है जिसके कारण आज वो पूरे भारत वर्ष में पहचानी जा रही है। ये हमारे शिक्षा जगत के लिए अत्यंत गौरव की बात है। दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इन्होंने जो ई-कॉमर्स तैयार किया है वो उनके लिए वरदान साबित हो रहा है।

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

प्रश्न 1. ***आपके लिए दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ कार्य करने का प्रेरणा स्रोत क्या रहा?***

उत्तर नवम्बर 2017 को जब मेरा पदस्थापन रा.उ.मा.वि. बधिर बीकानेर में हुआ तो मेरे लिए वह एक अविस्मरणीय पल था। मुझे अपनी अभिशक्ति, अपनी भाव भंगिमाओ और साइन लैग्वेंज द्वारा उन बच्चों से संप्रेषण करना था जिनकी मुस्कुराहट शोर मचाती है, नजर स्नेह बिखेरती है जिनके साथ संप्रेषण आवाज से नहीं दिलो तक पहुँचे उनके एहसास से होता है। इन दिव्यांग विद्यार्थियों से मिलकर मुझे लगा कि सामान्य विद्यार्थियों के साथ तो अध्यापन करवाया ही है अब कुछ लीक से हटकर कार्य करें।

प्रश्न 2. ***आप एस.आर.जी. से कब से जुड़े हुए हैं?***

उत्तर सत्र 2012 से लगातार राज्य स्तरीय शिक्षण कार्यक्रम में कक्षा 1 से 5 अंग्रेजी, 6-8 विज्ञान व 9-10 विज्ञान विषय के दक्ष प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया। साथ ही साथ विशेष शिक्षा एस.आर.जी. के रूप में भी पिछले 2 सालों से कार्य किया है शिक्षण प्रशिक्षण हेतु मॉड्यूल निर्माण चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन दोनों में ही राज्य सरकार द्वारा सौंपे गए निर्माण कार्यों में अपना योगदान दिया है। विद्यालय प्रसारण मे विभिन्न वार्ताएँ दी है। निष्ठा प्रशिक्षण में भी एस.आर.जी. के रूप में कार्य किया है।

प्रश्न 3. ***आपने किस प्रकार इन दिव्यांग विद्यार्थियों की आवाज को ध्वनित किया?***

उत्तर मूक बधिर बच्चों को राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रतियोगिता व इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। उनके लिए कोरोना काल में शिक्षण हेतु कठिन बिंदुओं पर यूट्यूब वीडियो बनाए। उनको विज्ञान लैब के निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही साथ कलात्मक सृजानात्मक व रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए उन्हें विभिन्न सांस्कृतिक व शिक्षा विभाग व अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया।

आरएससीईआरटी द्वारा दृष्टि बाधित विशेष योग्यजन बच्चों के लिए किए गए नवाचारों में ऑडियो हूक निर्माण में कक्षा 1-5 में अग्रेजी विषय के पाठों के व्याख्यान में अपनी ध्वनि प्रस्तुति दी।

प्रश्न 4. ***दीक्षा पोर्टल से आप किस रूप में जुड़ी हुई हैं?***

उत्तर दीक्षा पोर्टल पर कक्षा 5 का गणित विषय के कॅनटेंट क्रिएटर के रूप में शिक्षण प्रशिक्षण मॉड्यूल जो आरएससीईआरटी द्वारा बनवाए जा रहे है उनमें भी कॅनटेंट क्रिएटर के रूप में व शिक्षा दर्शन में कॅनटेंट रिव्यूअर के रूप में विभाग द्वारा सौपें कार्यो को किया है।

प्रश्न 5. ***इन दिव्यांग बच्चों के साथ संप्रेषण आप किस तरह करती है। यह आरम्भ कैसे किया?***

उत्तर मूक बधिर बच्चों के साथ संप्रेषण हेतु मैं साईन लैग्वेंज का प्रयोग करती हूँ साथ ही कम्प्यूटर की मदद से पीपीटी प्रजेनटेंशन विडियों और प्रयोगात्मक द्वारा, उन्हें विज्ञान विषय के कठिन बिंदुओं को समझाती हूँ।

प्रश्न 6. ***विज्ञान शिक्षण के क्षेत्र में आप दिव्यांग बच्चों के साथ किस प्रकार कार्य कर रही हैं?***

उत्तर दिव्यांग बच्चों को विज्ञान के विभिन्न कठिन बिदुओं को प्रयोग द्वारा, चित्रों द्वारा पीपीटी द्वारा, वीडियो द्वारा व स्वयं करके सीखने की पद्धति द्वारा मॉड्यूल्स बनाकर शिक्षण कार्य करवाती हूँ। साथ ही जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली विज्ञान प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु उन्हें प्रोत्साहित करती हूँ। उनके द्वारा निर्मित विज्ञान कक्ष इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिणाम है। उन्होंने सत्र 2017 से आज तक लगातार राज्य स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता में 35 जिलास्तरीय व 15 राज्यस्तरीय पदक प्राप्त किए हैं। साथ ही साथ इंस्पायर अवार्ड में भी जिला स्तरीय मनोनीत हुए, उन्हें भारत सरकार द्वारा 10-10 हजार की राशि प्रदान की गई है।

प्रश्न 7. ***विज्ञान द्वारा आरकेबीएसएमके पर कार्य किया जा रहा है उसमें आपका क्या योगदान है?***

उत्तर राजस्थान के शिक्षा के बढ़ते कदम राज्य सरकार द्वारा किया गया बेहद सार्थक नवाचार है। इसके अंतर्गत हम भी राज्य सरकार द्वारा गए नियमों के तहत वर्कबुक पर कार्य कर रहे हैं। शिक्षण के साथ-साथ उसका assessment भी कर रहे हैं।

प्रश्न 8. ***दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ कार्य करते हुए आपके लिए गौरवान्वित महसूस करने वाला पल कौनसा था?***

उत्तर सत्र 2019-20 की छात्रा वेदिका शर्मा ने इस विद्यालय में प्रवेश लिया। उस वक्त विद्यालय में कोई छात्रा नहीं थी। इस छात्रा के साथ एक अध्यापिका के साथ एक माँ के रूप में मैंने उसे अपनी अभिव्यक्ति को निखारने का अवसर दिया। उसके माता-पिता और गुरुओं के मार्गदर्शन में उसने ओलम्पियाड में रजत पदक प्राप्त किया और सबसे पहले मुझे वीडियो कॉल कर इसकी जानकारी दी। वो पल मेरे लिए बहुत गौरवान्वित करने वाला पल था।

सम्पादक
शिविरा प्रकाशन,
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,
बीकानेर
मो: 9950956577

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम

दक्षता आधारित शिक्षण हेतु विभाग का अभिनव प्रयोग

❒ डॉ. तमन्ना तलरेजा

शिक्षा किसी भी देश के सामाजिक-आर्थिक तंत्र के संतुलन में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रो. अमृत्य सेन के शब्दों में कहें तो शिक्षा इंटर्जेनरेशनल-फाइनेंसियल-मोबिलिटी को बढ़ाती है तथा देश के सभी बालक-बालिकाओं को अपने टैलेंट के हिसाब से उड़ान भरने के लिए एक खुला आकाश देती है। माता-पिता की आर्थिक स्थिति, किसी भी बालक-बालिका को अच्छी शिक्षा उपलब्ध होने के अवसर के लिए बाधक नहीं होनी चाहिए। परंतु वास्तविक स्थिति में आज भी उच्च या मध्यम आय वर्ग के बालक-बालिकाओं को उनके माता-पिता की समृद्धता के बल पर अच्छे निजी विद्यालयों में दाखिला मिलता है और निम्न आय के अभिभावकों के बालक-बालिकाओं को सरकारी विद्यालयों में। जिससे अपने देश में 'एक्सीडेंट ऑफ बर्थ' काफी हद तक बालक-बालिका के आगामी जीवन का निर्धारण कर देती है।

शिक्षा व शिक्षण स्तर का भौतिक मूल्यांकन करना संभव नहीं हो पाता क्योंकि शिक्षा कोई मूर्त वस्तु नहीं अपितु अमूर्त ज्ञान है, जिसका आकलन विभिन्न सर्वे रिपोर्ट द्वारा किया जाता है। कोविड काल से पूर्व भी हम अखबारों में पढ़ते थे कि, **''सरकारी विद्यालयों के कक्षा 5 के 50% बच्चे-बच्चियाँ भी कक्षा 2 के सामान्य टेक्स्ट को भी नहीं पढ़ पाते'', ''सरकारी विद्यालय के पाँचवी के इतने प्रतिशत बच्चों/बच्चियों को कक्षा दो की गणित भी नहीं आती है।''** विगत दो सत्रों की कोविड परिस्थितियों में इन लर्निंग लेवल की गिरावट पर और अधिक असर दिखाया। यानि कुल मिलाकर वर्तमान परिपेक्ष्य में भी, हमारे बच्चों का लर्निंग लेवल संतोषजनक तो नहीं है साथ ही प्रो. अमृत्य सेन के कथन को आज भी विभिन्न सर्वे रिपोर्ट प्रमाणित कर देती हैं कि सरकारी विद्यालय में शिक्षण स्तर सुधार के लिए प्रयास किए जाने आवश्यक है ताकि वास्तविक अर्थों में शिक्षा समानता का अवसर प्रदान करें।

ऐसा नहीं है कि राज्य शिक्षा के विकास के लिए कार्य नहीं करते हैं। कार्य होता हैं, परंतु इन कार्यों का फोकस होता है- मूर्त विकास पर, जैसे:- विद्यालय इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, शिक्षक भर्ती आदि पर। विद्यार्थियों के लर्निंग लेवल पर होने वाले अमूर्त कार्यों पर बहुत ही कम ध्यान जा पाया हैं।

वर्तमान में राज्य की विचारशील, संवेदनशील और लर्नेड़ लीडरशिप के अमूल्य सहयोग से राजस्थान शिक्षा विभाग निदेशालय एक ऐसा कार्यक्रम प्रारंभ कर पाया है जिसका ध्येय सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लर्निंग लेवल में सुधार करना है। एक प्रबल इच्छा शक्ति से, अत्यधिक बड़े स्तर पर समस्त सरकारी विद्यालयों की प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को केंद्रित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा बजट घोषणा 6 (III) द्वारा प्रारंभिक शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स आरंभ किए जाने की घोषणा की गई, जिसके क्रम में स्वयं उन्हीं के कर-कमलों से 11 जुलाई 2022 को 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम कार्यक्रम' का लाँच किया गया।

'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रम का फोकस: वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2022-23 के प्रारम्भ से राजस्थान के सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा 3 से 8 तक के बालक-बालिकाओं के लिए यह कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

इसकी मूल अवधारणा यह है कि कक्षा-कक्ष में शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने की बजाए प्रत्येक विद्यार्थी को उसके लर्निंग लेवल के अनुसार कंपिटेंसी बेस्ड टीच करके उसे अपने क्लास लेवल तक लाने में मदद करे। उदारहण के लिए वर्तमान में कोई विद्यार्थी आठवीं कक्षा में है तो भले ही उसको तीसरी की गणित न आए, उसको आठवीं की ही गणित पढ़ाई जाती हैं क्योंकि शिक्षक को तो पाठ्यक्रम पूरा करना होता हैं। किंतु इस कार्यक्रम में उसको पहले चौथी, पाँचवी या सातवीं जिस भी कक्षा की जो कंपिटेंसी नहीं आती, उन्हें पहले पढ़ाया जाकर कक्षा स्तर तक लाने में सहायता की जाएगी। **'राजस्थान (RKSMBK) के शिक्षा में बढ़ते कदम कार्यक्रम'** के सफल क्रियान्वयन के लिए मुख्य फोकस निम्नांकित बिंदुओं पर हैं-

1. सभी विद्यार्थियों को उनके दक्षता स्तर के आधार पर शिक्षण करवाना।
2. शिक्षण के क्षेत्र की चेंज मैनेजमेंट की धुरी- 'शिक्षक' की सहायता व मार्गदर्शन करना।
3. सर्वे रिपोर्ट्स व अन्य रिपोर्ट्स का लक्ष्य शिक्षण स्तर का सुधार रखना गवर्नेंस नहीं।

सभी विद्यार्थियों को उनके दक्षता स्तर के आधार पर शिक्षण करवाना- पूर्व के सत्रों की भाँति कक्षा के सभी विद्यार्थियों के लिए एकल व समरूप शिक्षण शैली के स्थान पर विद्यार्थी को पढ़ाई जाने वाली वर्कबुक्स में ही विगत कक्षा की कांपिटेंसीज़ को सम्मिलित कर, तथा कक्षा कक्ष के ब्लैकबोर्ड आधारित शिक्षण को गतिविधि आधारित शिक्षण आनंददायी शिक्षण से परिवर्तित कर परंपरागत शिक्षण प्रणाली में सुधार किया गया हैं। इस हेतु-

(i) बिहाइंड ग्रेड दक्षता आधरित वर्कबुक्स तथा ABL किट का उपयोग:

- गत कक्षा की छूट गई एवं विस्मृत हुई दक्षताओं की सहज प्राप्ति के लिए कक्षा 3 से 8 के लिए हिंदी, गणित, अंग्रेजी विषय की एट ग्रेड के साथ-साथ बिहाइन्ड ग्रेड की दक्षताओं को सम्मिलित कर कांपिटेंसी बेस्ड वर्कबुक्स तैयार कर सभी 75 लाख विद्यार्थियों को नि:शुल्क वितरित की गई, जो रटने की बजाए कांसेप्ट समझने पर फोकस है।
- नियमित अध्ययन के साथ-साथ उक्त वर्कबुक्स के प्रयोग से विद्यार्थी द्वारा सीखी गई दक्षताओं की ट्रेकिंग की जानी है, जिसके आधार पर विद्यार्थियों को

Rajasthan Education Department

रेमिडिएशन देकर एट ग्रेड स्तर पर लाना है।

- विभाग द्वारा लर्निंग लॉस को समाप्त करने हेतु आरएससीईआरटी द्वारा कक्षा 1 से 8 के लिए लर्निंग लेवल आधारित 18 कलस्टर वर्कबुक्स विकसित की गई हैं। ब्रिज- रेमेडिएशन कार्यक्रम के दौरान कक्षा 1 से 8 तक के समस्त विद्यार्थियों द्वारा निम्न वर्कबुक्स का उपयोग किया जा रहा हैं:-

वर्कबुक का नाम	कक्षा	सीखने का स्तर
प्रथम	कक्षा 1	एट-ग्रेड - लेवल 1
पल्लव	कक्षा 2	एट-ग्रेड - लेवल 2
पहल	कक्षा 3	बिहाइंड ग्रेड -लेवल 1,2
प्रयास	कक्षा 4-5	बिहाइंड ग्रेड - लेवल 2, 3, 4
प्रवाह	कक्षा 6-7	बिहाइंड ग्रेड - लेवल 3,4,5
प्रखर	कक्षा 8	बिहाइंड ग्रेड - लेवल 5,6,7

- इन वर्कबुक्स से शिक्षण भी केवल किताब आधारित न होकर किन वर्कशीट्स के लिए किन गतिविधियों का प्रयोग किया जाना हैं, यह भी विभिन्न वीडियो बाइट्स, वेबीनार सेशन्स द्वारा बताया जा रहा है। वर्कबुक्स प्रयोग के संबंध में वीडियो लिंक: https://www.youtube.com/watch?v=ow1xhbzJGn0
- एबीएल किट को सभी विद्यालयों तक पहुँचाया गया है साथ ही इसके उपयोग के सही तरीके को दक्ष शिक्षकों ने वीडियो कंटेंट द्वारा स्पष्ट किया है। एबीएल किट उपयोग संबंधी वीडियो लिंक: https://youtu.be/0uuqGKVvuqg

(ii) बेसलाइन असेसमेंट और ग्रुपिंग:

- कक्षा 3 से 8 के विद्यार्थियों को वर्कबुक के प्रारंभ में दिए गए बेसलाइन एसेसमेंट करवाकर उसकी एंट्री शाला दर्पण पर करवाई गई जिससे प्रत्येक विद्यार्थी के प्रारंभिक लर्निंग लेवल का पता लग पाए।
- इन लर्निंग लेवल्स के आधार पर विद्यार्थी की कक्षा में ग्रुपिंग की गई। ग्रुपिंग को समझने के लिए वीडियो लिंक : https://www.youtube.com/watch?v=tBIIoAb32IQ
- बेसलाइन एसेसमेंट में जिन विद्यार्थियों ने 60% से अधिक प्रश्न सही किए उन्हें समूह 1 में तथा जिन्होंने 60% से कम प्रश्न ठीक किए उन्हें समूह 2 में रखा गया।
- समूहीकरण का आधार किसी भी विद्यार्थी के ज्ञान का आकलन करना नहीं बल्कि इन लर्निंग लेवल्स के आधार पर उनकी क्लास में ग्रुपिंग होगी ताकि प्रत्येक ग्रुप को उसके लर्निंग लेवल के हिसाब से वर्कबुक से पढ़ाया जाए और उनकी पियर लर्निंग भी हो सके।
- संस्थाप्रधान को विद्यार्थी की प्रगति के आधार पर विद्यार्थी समूह को बदलने के लिए अधिकृत किया गया, साथ ही समूहीकरण से विद्यार्थी में हीन भावना नहीं आए इस बात का पूरा ध्यान रखा जाने का दायित्व भी संस्थाप्रधान को दिया गया।
- समूहों का नाम स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर, फूलों के नाम पर, रंगों के नामों पर रखा जाए, किसी भी प्रकार का भेदभाव कक्षा में परिलक्षित न हो।

(iii) रेमेडिएशन हेतु कालांश निर्धारण:

- कार्यक्रम के प्रथम चरण में सितंबर अंत तक प्रथम 4 कालांश एवं द्वितीय चरण में अक्टूबर से अप्रैल तक प्रथम 2 कालांश वर्कबुक आधारित शिक्षण कार्य अर्थात् रेमेडियल शिक्षण के लिए निर्धारित किए गए हैं।
- इन निर्धारित कालांशों में केवल ग्रुपिंग बेस्ड लर्निंग होगी, क्लास का नॉर्मल सिलेबस नही कराया जाएगा।
- प्रत्येक वर्कशीट में फन बेस्ड एंड कांसेप्ट बेस्ड लर्निंग के प्रश्न है, जिनकी शिक्षकों को प्रति सप्ताह ग्रेडिंग करनी हैं।

(iv) दक्षता आधारित असेसमेंट तथा बोर्ड परीक्षाएँ

- ''राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम'' कार्यक्रम में प्रत्येक सप्ताह पढ़ाई गई विषयवस्तु का फॉर्मेटिव असेसमेंट ऑफलाइन (विद्यालय में वर्कबुक में) अथवा जिन विद्यार्थियों के पास घर पर मोबाइल फोन या लैपटॉप है, वे ऑफलाइन की जगह इस लिंक को क्लिक करके ऑनलाइन कर सकते हैं।
- इसका फायदा यह है कि विद्यार्थियों की प्रगति का पता प्रत्येक सप्ताह डिजिटली चल सकता है और उसके आधार पर आगामी समय में शिक्षण में सुधार किया जा सकता है।
- चैटबोट के माध्यम से साप्ताहिक फॉर्मेटिव असेसमेंट अभ्यास का लिंक : https://web.convegenius.ai/?botId=RJN
- क्वार्टरली, हॉफ इयरली और एनुअल एग्जाम सिलेबस, क्लास और रटने पर आधारित न होकर कॉम्पिटेंसी आधारित होंगे। साथ ही त्रैमासिक दक्षता आधारित सम्मेटिव असेसमेंट होंगे।
- यानी सातवीं के बच्चे से सिर्फ सातवीं के सिलेबस से ही नही बल्कि चौथी और पाँचवी की कॉम्पिटेंसी के सवाल भी पूछे जाएंगे।
- इसके लिए कॉम्पिटेंसी बेस्ड सवालों की प्रश्न बैंक बनाई जाएगी जिसमें से प्रश्न पेपर सेट हो सकें।
- पाँचवी व आठवीं बोर्ड परीक्षा प्रश्न पत्रों को भी अधिक दक्षता आधारित बनाने का कार्य आरएससीईआरटी के असेसमेंट सेल द्वारा किया जा रहा हैं।

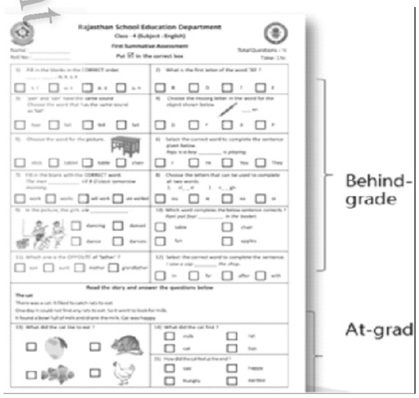

- **शिक्षण के क्षेत्र की चेंज मैनेजमेंट की धुरी- 'शिक्षक' की सहायता व मार्गदर्शन करना।**

(i) टीचिंग तथा लर्निंग एड एप:

- शिक्षकों की सहायता के लिए विभाग द्वारा एक टीचिंग एड एप **'RKSMBK शिक्षक एप'** बनाया गया हैं जिसे माननीय शिक्षामंत्री महोदय द्वारा 5 सितंबर 2022 को शिक्षक दिवस के सुअवसर पर कक्षा 3-8 के शिक्षकों के लिए लाँच किया गया।

Rajasthan Education Department

- एप को लिंक https://play.google.com/store/apps/details?id=com.SKBK से भी डाउनलोड किया जा सकता हैं।
- एप के जरिए टीचर्स को प्रोग्राम के हर स्टेज पर नजेस मिलते रहेंगे जो उनको बच्चों का लर्निंग लेवल सुधारने में मदद कर सके।
- जिसमें टीचर्स गैमिफाइड तरीके से सोशल शेयरिंग करते करते कदम दर कदम इस कार्यक्रम का प्रत्येक स्टेप कर सकेंगे और असेसमेंट रेडी बन सकेंगे। 'RKSMBK शिक्षक एप' शिक्षको के लिए कैसे उपयोगी हैं समझने के लिए देखे: https://youtu.be/eL4GgL8tasE
- 'आरकेएसएमबीके शिक्षक एप' के माध्यम से शिक्षकों को उनकी कक्षा के लिए पर्सोनेलाइज्ड विद्यार्थी समूहीकरण, गतिविधि आधारित शिक्षण के सुझाव, शिक्षण सामग्री के वीडियो, आकलन आंसर शीट स्कैनर आदि प्राप्त होंगें। इससे शिक्षकों का विश्लेषण में लगने वाला समय बचेगा और वह पूरी तरह से अपना ध्यान पठन-पाठन की गतिविधियों पर लगा पाएंगे। ऐप का वॉकथ्रयू वीडियो लिंक: https://youtu.be/q1SHvqR6Ge0
- इस एप संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए FAQ लिंक: https://bit.ly/RKSMBKFAQDoc
- इस एप के उपयोग एवं एप संबंधी शंका समाधान के सुचारू व्यवस्था-तंत्र के लिए प्रत्येक ब्लॉक से डिजिटल रूप से दक्ष 10 शिक्षकों को भी 'App Mentors' के रूप में चयनित कर ट्रेनिंग दी गई हैं।
- साथ ही विद्यार्थियों की सहायता व कंपीटेंसी आधारित वीडियो उपलब्ध करवाने के लिए चैटबॉट आधारित लर्निंग एड एप का भी निर्माण किया जा रहा हैं।

(ii) शिक्षकों का कार्यभार कम करना :

- इस पूरे कार्यक्रम में शिक्षकों का वर्कलोड कम करना प्रायिकता है। अभी शिक्षकों को प्रत्येक विद्यार्थी की प्रत्येक कॉपी जाँचनी पड़ती है, फिर उनके नंबर्स को जोड़कर प्रत्येक विद्यार्थी की डिटेल्स के साथ शाला दर्पण सॉफ्टवेयर में एंट्री कर मैनुअली रिपोर्ट कार्ड भरना पड़ता है।
- विभाग की मंशा हैं कि हमारे शिक्षकों का फोकस सिर्फ पढ़ाने में हो इसीलिए एप में मॉडर्न टेक्नोलॉजी व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से कॉपीज जाँचने और डाटा एंट्री करने का कार्यभार से टीचर्स मुक्त हो जाएँगे।
- शिक्षकों को केवल विद्यार्थी की आंसरशीट की मोबाइल से फोटो खींच कर अपलोड करनी होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से कॉपी जाँच का कार्य स्वयं हो जाएगा तथा शाला दर्पण सॉफ्टवेयर में एंट्री भी बैकएंड पर स्वत: हो जाएगी।

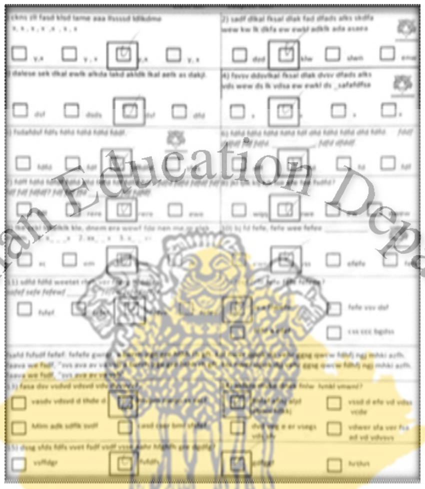

(iii) IEC: ट्रेनिंग, वेबिनार, यूट्यूब वीडियो, फील्ड मॉनिटरिंग

(a) शिक्षक प्रशिक्षण: विद्यार्थी के लिए मुख्य चेंज एजेंट हमारे विभाग के शिक्षकों को प्रोत्साहित करने व कार्यक्रम से जोड़ने के लिये शिक्षकों/फील्ड़ अधिकारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण तथा ओरियंटेशन दिया जा रहा है। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर के साथ मिलकर 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रम में निर्धारित ब्रिज रेमेडिएशन शिक्षण प्रशिक्षण संपूर्ण सत्र में 3 प्रशिक्षण करवाए जाने निर्धारित थे। जिसमें से 1 प्रशिक्षण जुलाई में पूर्ण करवाया जा चुका हैं तथा अन्य 2 प्रशिक्षण आगामी माह से प्रारम्भ किए जाएँगे।

- सभी टीचर्स की इस प्रोग्राम में ट्रेनिंग्स ऑर्गनाइज कराई जा रही हैं तथा उनको गैमिफाइड तरीके से प्रोग्राम के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

(b) वीडियो सामग्री: कॉम्पिटेंसी बेस्ड तथा गतिविधि आधारित आनंददायी शिक्षण सिद्धांत पर आधारित छोटे-छोटे वीडियोज बनाए जाने के लिए विभाग द्वारा 'डिजिटल दक्ष शिक्षक' कार्यक्रम का आरंभ किया गया है। जिसके तहत शिक्षक अपने-अपने मिनट का वीडियो का लिंक बनाकर शाला दर्पण के माध्यम से विभाग को उपलब्ध करवाएँगे।

- क्लासरूम टीचिंग को सप्लीमेंट करने के लिए एप में डिजिटल दक्ष शिक्षकों के चयनित कॉम्पिटेंसी बेस्ड छोटे-छोटे वीडियोज अपलोड किए जाएँगे, जिनसे टीचर्स और बच्चे कांसेप्ट को समझ सकें।

(c) वेबिनार तथा शिक्षक साथी सीरीज: प्रत्येक गुरुवार को 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' वेबिनार सीरीज विभाग के यू-ट्यूब चैनल पर प्रसारित की जाती हैं।

- शिक्षकों को कार्यक्रम के संचालन में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए प्रति सप्ताह 'शिक्षक साथी सीरीज' रीलिज़ की जाती हैं।

(d) बेस्ट प्रेक्टिसेज शेयरिंग : राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम कार्यक्रम का

Rajasthan Education Department

गुणवत्तापूर्वक संचालन करने वाले शिक्षकों के कार्यों व फील्ड की बेस्ट प्रेक्टिसेज को विभाग के सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जाता हैं।

- 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रम के लिए साप्ताहिक प्राथमिकताएँ का निर्धारण कर पोस्टर पब्लिश किया जाता है।

(e) विभाग के सोशल मीडिया हैंडल्स: राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम कार्यक्रम से जुड़े रहने के लिए विभाग के ट्विटर, फेसबुक और यूट्यूब चैनल से जुड़े–

https://twitter.com/rajeduofficial/status/1564891166893813765?t=3ebdrXJV2F0H6Wjwf9CPg&s=08
https://m.facebook.com/10006667018009/
https://youtube.com/channel/UCjFYzazXRYuLzuJDoz15P5g

(f) टेक्सटबुक्स रिव्यु:

- कक्षा 1 से 5 की पाठ्यपुस्तकों में निरंतरता, क्रमबद्धता तथा समरूपता लाने व पाठ्यपुस्तकों को अधिक दक्षता आधारित बनाने के लिए आरएससीईआरटी, समसा के साथ मिलकर टेक्सटबुक्स रिव्यु का कार्य भी किया जा रहा हैं।

(g) कॉपी चेकिंग में AI का प्रयोग

- एप में टीचर्स का यूजर एक्सपीरियंस खराब न हो इसीलिए सर्वर्स को ऑटो स्कैलेबल क्लाउड पर होस्ट किया जाएगा तथा माइक्रोसर्विस बेस्ड इवेंट ड्रिवन आर्किटेक्चर होगा।
- एप का डिजाइन एकदम यूजर फ्रेंडली, लाइवली तथा माइक्रो इंटरेक्शंस युक्त है ताकि टीचर्स उसको आसानी से यूज कर पाएं और उनको एप उसे करके अच्छा लगे, कोई लोड न लगे।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कॉपीज की जांच होते ही डिजिटली जेनरेटेड कॉम्पिटेंसी बेस्ड रिपोर्ट कार्ड्स जनरेट होंगे जो पिक्टोग्राफिक होंगे ताकि कम शिक्षित पेरेंट्स भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस को समझ सकें।
- **<u>सर्वे रिपोट्स व अन्य रिपोर्ट्स का लक्ष्य शिक्षण स्तर का सुधार रखना गवर्नेंस नहीं।</u>**

(i) रिपोर्ट का आधार सुचारु शिक्षण गवर्नेंस नहीं:

- कॉम्पिटेंसी बेस्ड एग्जाम की रिपोर्ट से आगे की ग्रुपिंग और किस ग्रुप को कौनसी वर्कशीट करानी है यह तय होगा तथा ग्रुप्स रिशफल होंगे। यह नहीं कि इतने विद्यार्थी प्रथम श्रेणी आए और इतने विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी।

(ii) सरलीकृत सम्बलन एप

- शाला संबलन एप को भी 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' कार्यक्रम के अनुरूप बनाया गया है।
- पूर्व की अपेक्षा संबलन अधिकारियों के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

(iii पेरेंट्स को विद्यालय के साथ जोड़ना।

- कॉम्पिटेंसी बेस्ड रिपोर्ट कार्ड के साथ साल में 3 बार पैरेंट टीचर मीटिंग की जाएँगी।
- पेरेंट्स को बच्चों की शिक्षा में निरंतर इन्वॉल्व रखने के लिए उनको व्हाट्सएप एपीआई के जरिए बताया जाएगा की इस हते आपके बच्चों को यह पढ़ाया जाएगा तथा उनसे फीडबैक लिया जाएगा कि क्या बच्चों को इस हते वह पढ़ाया गया क्या या उनकी वर्कबुक चेक हुई क्या इत्यादि।

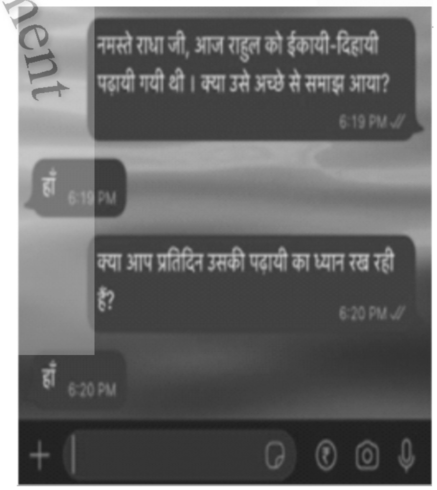

इस प्रकार से विभाग के इस लैगशिप कार्यक्रम 'राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम' के जरिए व राज्य के सैल्फ मोटिवेटेड़ शिक्षक साथियों के सम्मिलित प्रयासों से राज्य में विद्यार्थियों के लर्निंग लेवल में अभूतपूर्व सुधार आएगा और इस नोबेल ऑब्जेक्टिव में हमारा विभाग सफल रहेगा।

अनुसंधान अधिकारी
गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण अनुभाग
माध्यमिक शिक्षा निदेशालय राजस्थान, बीकानेर
मो: 8094370519

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में गाँधी विचारों का महत्त्व

❒ जुगराज राठौर

आधुनिक भारत के निर्माण में महात्मा गाँधी का महत्ती योगदान रहा है। आज भी आपके विचार संपूर्ण मानव जाति के प्रेरणा स्रोत है। आपने कभी भी अपने सिद्धान्तों से समझौता नहीं किया। गाँधीवादी विचार व्यापक रूप से प्राचीन भारतीय दर्शन से प्रेरणा पाते हैं। यह विचारधारा आदर्शवाद पर नहीं वरन व्यावहारिक आदर्शवाद पर बल देती है। इसलिए इन विचारों की प्रासंगिकता अभी भी बरकरार है।

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्सटीन ने गाँधी जी के बारे में कहा था कि- ''भविष्य की पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करने में मुश्किल होगी कि हाड़-माँस से बना कोई ऐसा व्यक्ति भी धरती पर आया था।''

गाँधी जी के विचारों ने दुनियाभर के लोगों को न केवल प्रेरित किया बल्कि करुणा, सहिष्णुता और शान्ति के दृष्टिकोण से भारत और विश्व को बदलने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गाँधी जी के विचारों का वैश्विक महत्त्व निरन्तर बढ़ रहा है। यही कारण है कि पूरा विश्व उन्हें श्रद्धा से याद करता है। उनके प्रमुख विचारों का आज भी वैश्विक महत्त्व है।

1. सत्य और अहिंसा- गाँधीजी मानते थे कि 'मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है और अहिंसा उसे पाने का साधन। मै असत्य को सत्य से जीत और असत्य का विरोध करते हुए सभी कष्टों को सह सकूं। गाँधी दर्शन में सत्य की उपलब्धि में कहा गया है कि अहिंसक व्यक्ति ही सत्य के दर्शन कर सकता है। हिंसा से सत्य दूर रहता है। हिंसा और सत्य कभी एक साथ नहीं बैठ सकते हैं। इसी प्रकार अहिंसा पालन के बिना कोई व्यक्ति प्राणी हित की बात अपने विचारों में प्रकट नही कर सकता है। गाँधी जी के अनुसार मन, कर्म और वचन से सृष्टि के सभी प्राणियों को कोई हानि न पहुँचाना ही अहिंसा है। जैसे आग, आग से नहीं वरन पानी से शांत होती है वैसे ही हिंसा भी।

गाँधी जी ईश्वर को सत्य के रूप में तथा वास्तविकता का द्योतक मानते हैं तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ने ही अहिंसा को सत्यार्थ किया है। इसमें डरने का कोई स्थान नहीं होता है। जहाँ हिंसा सदैव अशान्ति, अभाव, बुराई, कलह और विग्रह के आश्रय में रहती है, वहीं अहिंसा स्वयं एक शान्ति है। इसमें क्षमता है, प्रेम, दया और आत्मानुभूति का सुख भी है। यह कायर का कवच नहीं है अपितु यह बहादुरी का उच्चतम गुण है। अहिंसा कुछ देर के लिए तो असफल हो सकती है लेकिन स्थायी रूप से नहीं।

सत्य और अहिंसा भारत को स्वतंत्रता दिलाने एवं विश्व को शोषण एवं अत्याचार से निपटने का एक हथियार रहा है। आज के विश्व में प्रतिशोध के नाम पर लालच, हत्या, व्यापक हिंसा का समुचित समाधान भी है।

2. सर्वोदय- गाँधीजी जी ने रस्किन की पुस्तक 'अंटू दिस लास्ट' से इस सिद्धान्त को लिया। जिसमें विनोबा जी के भूदान आन्दोलन का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है, जिसका अर्थ सार्वभौमिक उत्थान या सभी की प्रगति से है। सर्वोदय ऐसे वर्गविहीन, जाति विहीन और मुक्त समाज की स्थापना करना चाहता है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति और समूह को अपने सर्वांगीण विकास का साधन और अवसर मिले अर्थात ऐसे समाज की रचना चाहता है, जिसमें वर्ण, वर्ग, धर्म, जाति, भाषा आदि के आधार पर किसी भी समुदाय का संहार व बहिष्कार न हो। यह साम्यवाद या पूंजीवाद से भिन्न है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं अपने पीछे कोई पंथ या सम्प्रदाय नहीं छोड़ना चाहता हूँ।

यही कारण है कि सर्वोदय आज एक समर्थ जीवन, समग्र जीवन और सम्पूर्ण जीवन का पर्याय बन चुका है। आज के दौर में पूरा विश्व एक ऐसे समाज की खोज में है जहाँ शोषण, वर्ग, जाति आदि का कोई स्थान न हो। इसी प्रकार लोक कल्याणकारी राज्य की भूमिका सर्वोदय सिद्धान्त से ही प्रभावित है।

3 . सत्याग्रह- गाँधीजी ने अहिंसा के सिद्धान्त को व्यावहारिक रूप देने के लिए सत्याग्रह का सिद्धान्त प्रतिपादित किया, जिसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने सभी प्रकार के अन्याय, उत्पीड़न और शोषण के विरुद्ध शुद्धतम आत्मबल का प्रयोग करना सिखाया। उनके अनुसार निष्क्रिय प्रतिरोध कठोर से कठोर हृदय को पिघला सकता है। सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो, असहयोग आन्दोलन तथा दांडी आदि ऐसे प्रमुख उदाहरण हैं, जिनमें उन्होंने आत्मबल को सत्याग्रह के हथियार के रूप में प्रयोग किया।

आज राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी नीतियों, आदेशों में मतभेद की स्थिति में विरोध हेतु सत्याग्रह का प्रयोग कहीं श्रेयस्कर है। युद्ध और अशांति, आतंकवाद, मानवाधिकार, सतत विकास एवं जलवायु परिवर्तन सम्बन्धित समकालीन चुनौतियों के निराकरण में भी उपयोगी है।

4. स्वराज- 'स्वराज' स्वशासन और मानव जीवन के सभी क्षेत्रों को समाहित करता है। इस सिद्धान्त द्वारा आत्मनिर्भर स्वायत ग्राम पंचायतों की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण समाज के अन्तिम छोर पर मौजूद व्यक्ति के शासन की पहुँच सुनिश्चित करना था। आज भी विश्व के अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में यह सिद्धान्त शासन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

5. स्वदेशी- गाँधी जी ने इसका अर्थ आत्मनिर्भरता के रूप में लिया है। उनकी प्रबल मान्यता थी इससे स्वतंत्रता (स्वराज) को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि भारत पर ब्रिटिश नियंत्रण उनके स्वदेशी उद्योगों के नियंत्रण में निहित है। गाँधीजी आर्थिक विकेन्द्रीकृत के माध्यम से लघु, सूक्ष्म एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना पर जोर देते थे। उनके मत से भारी उद्योगों की स्थापना से श्रमिक वर्ग का शोषण होगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण के साथ-साथ शहरीकरण एवं ग्रामीण बेरोजगारी को बढ़ावा मिलेगा।

वर्तमान में पर्यावरण प्रदूषण तो सम्पूर्ण मानवता को लीलने को मानो तैयार ही बैठा है तथा भारी उद्योगों की स्थापना से वर्ग-विभेद व ग्रामीण बेरोजगारी में भी भारी इजाफा हुआ है।

6. अन्य- गाँधी जी ने छूआछूत

Rajasthan Education Department

उन्मूलन, हिन्दू–मुस्लिम एकता, स्वच्छता, धर्म एवं नैतिकता में अटूट विश्वास रखने, ट्रस्टीशिप परम्परागत चिकित्सीय ज्ञान के उपयोग एवं बुनियादी शिक्षा की अवधारणा पर भी अत्यन्त विशेष बल दिया, जो आज भी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं। अतः मानव जाति के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

यह गाँधीवादी विचारधारा का ही प्रभाव रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग जूनियर दक्षिणी अफ्रीका में नेल्सन मण्डेला और म्यांमार में आंग सान सू की जैसे व्यक्तियों ने उत्पीड़ित समाज को न्याय दिलाने पर भागीदारी निभाई है। नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा है– ''गाँधी के जीवन से मुझे सिखाया और प्रेरित किया है।''

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि– ''महात्मा गाँधी जीवन भर उनके प्रेरणा स्रोत बने रहे हैं। उनका सन्देश मुझे निरन्तर इस बात की याद दिलाता रहा है कि जब सामान्य लोग असामान्य कार्य करने के लिए एकजुट होते हैं, तो विश्व में युगान्तकारी बदलाव संभव है।'' ऐसे युगान्तकारी बदलाव के प्रेरक रहे हैं, हमारे गाँधीजी। संयुक्त राष्ट्र संघ ने महात्मा गाँधी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित कर उनके सिद्धान्तों के प्रति समूचे विश्व की आस्था को अभिव्यक्त किया।

इस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से ग्रस्त है। यहाँ भी गाँधी जी के पर्यावरण संरक्षण स्वच्छता, आत्मनिर्भरता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अपनाने की आवश्यकता अनुभव कर रहा है।

आजकल कुछ संगठन एवं दिग्भ्रमित लोग अपनी संकीर्ण और सीमित सोच के चलते अपनी नफरत को सही दर्शाने के लिए झूठे और अधकचरे तथ्यों का सहारा लेते हैं तथा सोशल मीडिया के माध्यम से गाँधी को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास भी करते रहते हैं। ईश्वर उन्हें सद्बुद्धि दे। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि गाँधी एक कालजयी व्यक्तित्व है। इनके विचार आज भी विश्व को एक नई दिशा देने की सामर्थ्य रखते हैं।

पूर्व ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी
2–क–42, टीचर्स कॉलोनी, केशवपुरा, कोटा
(राज.)–324009 **मो: 9414393031**

ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण

❒ राजेश कुमार मीणा

शिक्षा और समाज में प्राचीनकाल से गहरा संबंध रहा है। शिक्षा मनुष्य की प्राचीन कालीन धरोहरों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ियों में प्रवाहित करती है जो संस्कृति को निरंतर बनाए रखने में सहायक होती है। शिक्षा संस्कृति के प्रति परिवर्तन का माध्यम बनती है।

ऐतिहासिक धरोहर में हम उन स्थलों या विरासत स्थल को शामिल कर सकते हैं जो आधिकारिक स्थान हैं जहाँ राजनीतिक, सैन्य, सांस्कृतिक और सामाजिक इतिहास के टुकड़े उनके सांस्कृतिक विरासत मूल्य के कारण संरक्षित किए गए हैं। ऐतिहासिक विरासतों को कानून द्वारा संरक्षित किया जाता है।

सांस्कृतिक धरोहर से तात्पर्य– हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति सभ्यता तथा प्राचीन परंपराओं से जो आदर्श हमें प्राप्त हुए हैं जिनको आज भी हम उन्हीं रूपों में थोड़े बहुत परिवर्तन के साथ अपनाते चले आ रहे हैं जैसे– भारतीय संस्कृति की प्राचीनकाल से यह परंपरा रही है कि अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। नमस्कार चरण स्पर्श करना चाहिए। यह भारतीय संस्कृति की धरोहर आज भी प्रचलित है और अनवरत रूप से आगे बढ़ती जा रही है।

सांस्कृतिक धरोहर का शिक्षा से संबंध– शिक्षा तथा संस्कृति का अटूट संबंध है हमारी संस्कृति तथा उसकी विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने तथा उसका संरक्षण करने का कार्य शिक्षा के द्वारा ही किया जाता रहा है। हमारे शिक्षा के केन्द्र अर्थात विद्यालय स्वयं सांस्कृतिक धरोहर का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। यद्यपि आधुनिकता के कारण तथा पाश्चात्य प्रभाव के कारण हमने अपने शिक्षा केन्द्रों को प्राचीनतम स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन कर लिया है तथापि शिक्षा की प्रक्रिया के महत्त्वपूर्ण अंग के रूप में आज भी गुरु तथा शिष्य की उपस्थिति अनिवार्य बनी हुई है। सांस्कृतिक धरोहर तथा शिक्षा के संबंध को हम निम्न बिंदुओं के माध्यम से समझ सकते हैं–

1. शिक्षा हमारी सांस्कृतिक धरोहर को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित करती है।
2. हमारी सांस्कृतिक धरोहरों का प्रभाव व्यक्तित्व निर्माण पर पड़ सकता है।
3. शिक्षा द्वारा हम आज भी अपनी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों को अक्षुण्ण बनाए हुए हैं।
4. शिक्षा हमारी प्राचीन संस्कृति की मूल धारणा के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं करके उसको और अधिक समृद्धि प्रदान करती है।
5. अनादि काल से आज तक विभिन्न विषयों का जो ज्ञान हमने अर्जित किया है वह हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों का ही अंग है।
6. गुरु–शिष्य परंपरा, अतिथि सत्कार, संयुक्त परिवार, संयम तथा त्याग, विश्व बंधुत्व की भावना के महत्त्व को हम प्राचीन काल से आज तक पढ़ाते चले आ रहे हैं।

सांस्कृतिक धरोहर में मूर्त संस्कृति जैसे भवन, स्मारक, परिदृश्य, किताबें कला के काम और कलाकृतियाँ अमूर्त संस्कृति जैसे लोकगीत परंपरा भाषा और ज्ञान आदि को प्राकृतिक विरासत में शामिल कर सकते हैं।

विद्यालयों में ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण के प्रति जागरूकता के अंतर्गत ऐतिहासिक, भवन, इमारत कला सभी को शामिल कर सकते हैं। हमारे करौली जिले की ऐतिहासिक धरोहर की बात करें तो करौली में स्थित राजमहल जिसका निर्माण कार्य रियासत काल में हुआ, हर सुख विलास उद्यान जो कि 1833 में बनाया गया, मदन मोहन जी का मंदिर, गोपाल जी की छतरी, अंजनी माता मंदिर, तिमनगढ़ का किला, करौली शहर का परकोटा, किंग एडवर्ड मेमोरियल स्कूल वर्तमान डाइट परिसर को शामिल किया जा सकता है। इन सबसे हमें प्राचीनकालीन सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन, कलात्मकता, शिल्प कला की उन्नति का पता लगता है।

विद्यालयों में हमें विद्यार्थियों को इन ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी प्रार्थना स्थल पर देनी चाहिए। उनका महत्त्व उनसे मिलने वाली जानकारी के बारे में बताना चाहिए। इसी प्रकार हमारी सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के बारे में भी प्रार्थना स्थल पर बताना चाहिए।

वरिष्ठ अध्यापक
स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल
ब्लॉक करौली (राज.) **मो: 9929224005**

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

आदेश-परिपत्र : अक्टूबर, 2022

1. **विभिन्न प्रकार की पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु सत्र 2022-23 के लिए शालादर्पण पोर्टल पर नई ऑटो प्रणाली प्रक्रिया के तहत पूर्व मैट्रिक प्रभारी द्वारा छात्रवृत्ति आवेदन अग्रेषित करने के संबंध में निर्देश।**
2. **कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (SC-ST) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति।**
3. **कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति।**
4. **कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित)**
5. **कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित)**
6. **कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अन्य पिछड़ा संवर्ग (ओ.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित)**
7. **कक्षा 6 से 10 में अध्ययनरत अति पिछड़ा वर्ग (एम.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति।**
8. **प्री-कारगिल एवं पोस्ट कारगिल युद्धों तथा विभिन्न इन्सरजेन्सी काउन्टरों में शहीद/स्थायी रूप से दिव्यांग सैनिकों के आश्रितों को देय छात्रवृत्ति।**
9. **भूतपूर्व सैनिकों की कक्षा 11 व 12 में नियमित अध्ययनरत प्रतिभावान पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति।**
10. **सफाई से जुड़े और स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के बच्चों को देय पूर्व मैट्रिक (Unclean) छात्रवृत्ति।**

1. विभिन्न प्रकार की पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु सत्र 2022-23 के लिए शालादर्पण पोर्टल पर नई ऑटो प्रणाली प्रक्रिया के तहत पूर्व मैट्रिक प्रभारी द्वारा छात्रवृत्ति आवेदन अग्रेषित करने के संबंध में निर्देश।

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर ●क्रमांक-शिविरा- माध्य / छाप्रोप्र / ए / शालादर्पण / 2022-23 / 74-87 दिनांक: 21.09.2002 ● समस्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक / प्रारम्भिक मुख्यालय ●विषय : विभिन्न प्रकार की पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु सत्र 2022-23 के लिए शालादर्पण पोर्टल पर नई ऑटो प्रणाली प्रकिया के तहत पूर्व मैट्रिक प्रभारी द्वारा छात्रवृत्ति आवेदन अग्रेषित करने के सम्बन्ध में निर्देश।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत सत्र 2022-23 में पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु राजस्थान राज्य के समस्त राजकीय विद्यालयों में अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक अध्ययनरत विद्यार्थियों से सम्पूर्ण औपचारिकताएँ पूर्ण करते हुए नई ऑटो प्रणाली के तहत विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति योजनाओं हेतु आवेदन प्राप्त नहीं किए जाने है अपितु प्रस्ताव शाला दर्पण पोर्टल के स्टेट स्कूल स्कॉलरशिप मॉड्यूल के माध्यम से संस्थाप्रधान द्वारा ऑनलाइन अग्रेषित किए जाने है जिसकी तिथि निम्नानुसार है :

क्र.सं.	विवरण	अंतिम तिथि
(अ)	संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपडेट पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

समस्त छात्रवृत्ति योजनाओं के ऑनलाइन ऑटो प्रोसेस हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता एवं शर्ते, छात्रवृत्ति की दरें तथा आवश्यक दस्तावेजों का विवरण शिक्षा विभाग की वेबसाइट education.rajasthan.gov.in/secondary के Scholarship Tab एवं शाला दर्पण पोर्टल के स्टेट स्कूल स्कॉलरशिप मॉड्यूल पर उपलब्ध है। अतः आप अपने अधीनस्थ समस्त संस्थाप्रधानों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाला दर्पण पोर्टल पर ऑनलाइन नई ऑटो प्रणाली की प्रक्रिया पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर ऑटो प्रोसेस प्रक्रिया पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें।

- कार्मिक टैब में वर्क इंचार्ज के अन्दर प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति इंचार्ज बनाया जाना है।
- संस्थाप्रधान को शालादर्पण में विद्यार्थी टेब के अन्तर्गत को योजना की आवश्यकता अनुसार पूर्ण किया जाना है। लाभकारी योजनाओं के लिए अनिवार्य छात्र सूचना।
- यदि विद्यालय छात्रवृत्ति प्रभारी ने किसी छात्र को किसी भी योजना के लिए स्वीकार नहीं किया और उसे अस्वीकार भी नहीं किया तो किसी भी योजना के लिए पात्र होने पर सिस्टम उस छात्र को अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद उस योजना हेतु स्वतः पात्र कर देगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी संस्थाप्रधान की होगी।
- यदि आवेदकों को स्कूल से लॉक होने के बाद दी गई समयावधि में डीईओ द्वारा अनुमोदित/सत्यापित नहीं किया जाता है, तो इन आवेदकों को सिस्टम द्वारा स्वतः अनुमोदित किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी की रहेगी।

इस हेतु प्रत्येक विद्यालय में राजकीय विद्यालयों के अतिरिक्त राज्य

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों को प्राप्त छात्रवृत्ति आवेदन पत्र संबंधित राजकीय नोडल विद्यालय द्वारा जाँच पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक मुख्यालय कार्यालय में प्रस्तुत किए जाएँगे। समस्त संस्थाप्रधान यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित ना रहे। यदि कोई भी पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित रहता है तो सम्बन्धित संस्थाप्रधान का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा।

● संलग्न विभिन्न पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्तियों हेतु दिशानिर्देश व युजर मैन्यूल

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांकः शिविरा-माध्य/छाप्रोप/ए/शालादर्पण/2022-23 दिनांक : 21.09.2022 ● दिशा निर्देश।

सत्र 2022-23 में पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु राजस्थान राज्य के समस्त राजकीय विद्यालयों में एवं राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक अध्ययनरत विद्यार्थियों से नई ऑटो प्रणाली के तहत शाला दर्पण पोर्टल के स्टेट स्कूल स्कॉलरशिप मॉड्यूल के माध्यम से प्रस्ताव लिए जाने हैं। इस हेतु शालादर्पण पोर्टल पर स्टूडेंट टैब के अंतर्गत 'लाभकारी योजनाओं के लिए अनिवार्य छात्र सूचना' को संस्थाप्रधान द्वारा अपडेट करना अनिवार्य होगा।

क्र.सं. छात्रवृत्ति योजना का नाम

1. पूर्व मैट्रिक अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति कक्षा 06 से 08
2. पूर्व मैट्रिक अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति कक्षा 06 से 08
3. पूर्व मैट्रिक अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति कक्षा 06 से 08
4. केन्द्र प्रवर्तित पूर्व मैट्रिक अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति कक्षा 09 से 10
5. केन्द्र प्रवर्तित पूर्व मैट्रिक अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति कक्षा 09 से 10
6. केन्द्र प्रवर्तित पूर्व मैट्रिक अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति कक्षा 09 से 10
7. पूर्व मैट्रिक अति पिछड़ा वर्ग (एम.बी.सी.) छात्रवृत्ति कक्षा 06 से 10
8. केन्द्र प्रवर्तित सफाई से जुड़े और स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के बच्चों के लिए पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 01 से 10
9. प्री-कारगिल युद्धों में अर्थात 01.04.1999 से पूर्व युद्धों में शहीद/स्थाई विकलांग सैनिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति (कक्षा 01 से 12)
10. पोस्ट कारगिल युद्ध में अर्थात 01.04.1999 एवं इसके पश्चात युद्धों में शहीद/स्थाई विकलांग सैनिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति कक्षा 01 से 12
11. भूतपूर्व सैनिकों की कक्षा 11 व 12 में नियमित अध्ययनरत प्रतिभावान पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथिः-

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

उपर्युक्त समस्त छात्रवृत्ति योजनाओं के ऑनलाइन आवेदन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता एवं शर्तें, छात्रवृत्ति की दरें तथा संलग्न किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों का विवरण शिक्षा विभाग की वेबसाइट https:education.rajasthan.gov.in/content/raj/education/secondary एवं शाला दर्पण के पोर्टल के स्कूल स्कॉलरशिप मॉड्यूल पर उपलब्ध है।

उक्त छात्रवृत्ति योजनाओं हेतु विद्यार्थियों से आवेदन पत्र नहीं लिया जाना है अपितु प्रस्ताव शाला दर्पण पोर्टल के स्टेट स्कूल स्कॉलरशिप मॉड्यूल के माध्यम से संस्थाप्रधान द्वारा ऑनलाइन अग्रेषित किए जाने है।

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

2. कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (SC-ST) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति।

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांकः शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/शालादर्पण/2022-23 दिनांक : ● विषयः कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (SC-ST) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति। ● विस्तृत दिशा-निर्देश वर्ष 2022-23

1. पात्रता एवं शर्तेः-

1. छात्र/छात्रा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का ही हो।
2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत हो।
3. छात्र/छात्रा के माता-पिता या उनके संरक्षक (माता-पिता जीवित न होने पर) आयकर दाता न हो।
4. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।
5. छात्र/छात्रा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित छात्रावास में नहीं रह रहा हो।
6. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
7. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा-6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समान यह छात्रवृत्ति देय है।

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है :

क्र.सं.	वर्ग	कक्षा	दरें (अधिकतम 10 माह हेतु)
1.	छात्र	6 से 8	75/- प्र. माह (SC व ST दोनों के लिए)
2.	छात्रा	6 से 8	125/- प्र.माह (SC व ST दोनों के लिए)

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथिः-

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.,** निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

3. कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति।

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांकः शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/शालादर्पण/2022-23 दिनांक : ● विषयः कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति। ● विस्तृत दिशा-निर्देश वर्ष 2022-23

1. पात्रता एवं शर्तेः-

1. छात्र/छात्रा अन्य पिछड़ा वर्ग का ही हो।
2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत हो।
3. छात्र/छात्रा के माता-पिता या उनके संरक्षक (माता-पिता जीवित न होने पर) की वार्षिक आय 2.50 से अधिक नहीं हो। आय प्रमाण-पत्र सक्षम स्तर से जारी हो।
4. छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी का कक्षोन्नति प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
5. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।
6. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
7. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा-6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समान यह छात्रवृत्ति देय है।

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है :

विवरण	(अधिकतम 10 माह हेतु)	
	डेस्कॉलर	हॉस्टलर
छात्रवृत्ति/माह	100 रुपये	500 रुपये

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथिः-

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.,** निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

4. कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित)

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांकः शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/शालादर्पण/2022-23 दिनांक : ● विषयः कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित) ● विस्तृत दिशा-निर्देश वर्ष 2022-23

1. पात्रता एवं शर्तेः-

1. छात्र/छात्रा अनसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का ही हो।
2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 09 व 10 में अध्ययनरत हो।
3. छात्र/छात्रा के माता-पिता या उनके संरक्षक (माता-पिता जीवित न होने पर) की वार्षिक आय 2.50 से अधिक नहीं हो। आय प्रमाण-पत्र सक्षम स्तर से जारी हो।
4. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।
5. छात्र/छात्रा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित छात्रावास में नहीं रह रहा हो।
6. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
7. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा-6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

समान यह छात्रवृत्ति देय है।

8. केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत आधार ऑथेन्टिकेशन अनिवार्य होगा एवं छात्रवृत्ति राशि का भुगतान आधार से सीडेड बैंक खाते में डीबीटी द्वारा किया जाएगा।

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है : (अनुसूचित जाति कक्षा 9 व 10)

कक्षा	विवरण	दरें	
		डेस्कॉलर	हॉस्टलर
9 व 10	छात्रवृत्ति (वार्षिक)	3500	7000

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथिः–

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

● **(गौरव अग्रवाल) आइ.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

5. कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित)

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांकः शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/ST (CSS)/2022–23 दिनांक : ● विषयः कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित) ● विस्तृत दिशा–निर्देश वर्ष 2022–23

1. पात्रता एवं शर्तेः–

1. छात्र/छात्रा अनसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का ही हो।
2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 09 व 10 में अध्ययनरत हो।
3. छात्र/छात्रा के माता–पिता या उनके संरक्षक (माता–पिता जीवित न होने पर) की वार्षिक आय 2.50 से अधिक नहीं हो। आय प्रमाण–पत्र सक्षम स्तर से जारी हो।
4. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।
5. छात्र/छात्रा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित छात्रावास में नहीं रह रहा हो।
6. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए दी जाएगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
7. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा–6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समान यह छात्रवृत्ति देय है।
8. केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत आधार ऑथेन्टिकेशन अनिवार्य होगा एवं छात्रवृत्ति राशि का भुगतान आधार से सीडेड बैंक खाते में डीबीटी द्वारा किया जाएगा।

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है : (अनुसूचित जाति कक्षा 9 व 10)

कक्षा	विवरण	दरें	
		डेस्कॉलर	हॉस्टलर
9 व 10	छात्रवृत्ति/माह (अधिकतम 10 माह के लिए)	225 रुपये	525 रुपये
9 व 10	पुस्तकें ए एडहॉक ग्राण्ट प्रति वर्ष (एक मुश्त)	750 रुपये	1000 रुपये

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथिः–

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

6. कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अन्य पिछड़ा संवर्ग (ओ.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित)

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांकः शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/शालादर्पण/2022–23 दिनांक : ● विषयः कक्षा 9 से 10 में अध्ययनरत अन्य पिछड़ा संवर्ग (ओ.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति (केन्द्र प्रवर्तित) ● विस्तृत दिशा–निर्देश वर्ष 2022–23

1. पात्रता एवं शर्तेः–

1. छात्र/छात्रा अन्य पिछड़ा वर्ग का ही हो।
2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 09 व 10 में अध्ययनरत हो।
3. छात्र/छात्रा के माता–पिता या उनके संरक्षक (माता–पिता जीवित न होने पर) की वार्षिक आय 2.50 से अधिक नहीं हो। आय प्रमाण–पत्र सक्षम स्तर से जारी हो।
4. छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को कक्षोन्नति प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
5. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

शिक्षा विभाग, राजस्थान

पञ्चाङ्ग 2022-23

राजस्थान के प्रारम्भिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा के अधीन समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों/आवासीय विद्यालयों/विशेष प्रशिक्षण शिविरों एवं शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों के लिए सत्र 2022-2023 का यह शिविरा पंचांग प्रस्तुत है। इसके अनुसार ही सत्रपर्यन्त विद्यालयी कार्यक्रम, अवकाश, परीक्षा, खेलकूद प्रतियोगिता आदि का आयोजन अनिवार्य है। किसी विशेष अवसर अथवा कार्यक्रम पर यदि किसी संस्थाप्रधान को कोई परिवर्तन करने की आवश्यकता हो, तो वह परिवर्तन सम्बन्धी निवेदन अपने क्षेत्र के जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय)-प्रारम्भिक/माध्यमिक को प्रस्तुत करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी(मुख्यालय)-प्रारम्भिक/माध्यमिक मांग के औचित्य की जांच करेंगे तथा उनकी अनुशंषा पर निदेशक, प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर की स्वीकृति के बाद ही संस्थाप्रधान द्वारा परिवर्तन किया जा सकेगा।

सामान्य निर्देश : 1. शिक्षण सत्र: 2022-2023 दिनाक 24 जून, 2022 से आरम्भ होगा तथा सामान्य प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ होगी। प्रवेशोत्सव दो चरणों में चलाया जाएगा। प्रथम चरण 24 जून 2022 से प्रारम्भ होगा। नियमित कक्षा शिक्षण 01 जुलाई, 2022 से प्रारम्भ होगा। 2. प्रवेश की अंतिम तिथि 15 जुलाई, 2022 अथवा परीक्षा परिणाम घोषित होने के 10 दिन बाद तक रहेगी। (माध्यमिक कक्षाओं हेतु)। 3. व्यावसायिक शिक्षा संचालित विद्यालयों में योजना का प्रचार-प्रसार एवं नवीन विद्यार्थियों के लिए प्रवेश हेतु काउंसलिंग कार्य 21 से 30 जून, 2022 तक किया जाए। 4. मध्यावधि अवकाश 19 से 31 अक्टूबर, 2022 तक रहेगा। 5. शीतकालीन अवकाश 25 दिसम्बर, 2022 से 5 जनवरी, 2023 तक रहेगा। 6. ग्रीष्मावकाश 17 मई, 2023 से 23 जून, 2023 तक रहेगा। 7. वार्षिक परीक्षा/बोर्ड परीक्षा में अंतिम परीक्षा के उपरान्त विद्यार्थियों को आगामी कक्षा में अस्थाई प्रवेश दिया जाए। आगामी नवीन सत्र 01 मई 2023 से प्रारम्भ होगा तथा 01 मई से 16 मई, 2023 तक प्रवेशोत्सव का प्रथम चरण का आयोजन होगा। 8. संस्थाप्रधान द्वारा समस्त स्टाफ से नवीन समय विभाग चक्र के अनुरूप सम्पूर्ण शैक्षिक सत्र के लिए कक्षा शिक्षण हेतु विषय योजना का निर्माण करवाया जाकर योजना का परिवीक्षण किया जाएगा। उक्त अवधि में विद्यार्थियों को टी.सी./नव प्रवेशित विद्यार्थियों का एस.आर. रजिस्टर में पंजीयन सम्बन्धी कार्यों का समुचित निष्पादन किया जाएगा। 9. केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा समस्त राष्ट्र के लिए रेडियो/दूरदर्शन/समाचार पत्रों में/लिखित आदेश द्वारा घोषित अवकाश विद्यालयों में भी मान्य होंगे। 10. यदि किसी क्षेत्र विशेष अथवा वर्ग विशेष/कारण विशेष को आधार बनाकर या किसी विशेष दिन का सेक्शनल/रीजनल अवकाश/स्थानीय अवकाश राज्य सरकार द्वारा घोषित किया जाए तो वह अवकाश सम्बन्धित वर्ग के विद्यालयों/उन विशिष्ट क्षेत्रों पर ही लागू होगा, अन्य वर्ग के विद्यालयों पर उक्त अवकाश लागू नहीं रहेंगे। 11. शिविरा पंचांग एवं राजस्थान सरकार के पंचांग में उल्लिखित अवकाश की तिथि में कोई विसंगति हो, तो ऐसी स्थिति में राजस्थान सरकार के पंचांग की तिथि को सही मानते हुए इस पंचांग में वैसा ही संशोधन माना जाए। 12. सत्रारम्भ एवं सत्रान्त की संस्थाप्रधान वाक्पीठ का आयोजन शिविरा पंचांग में निर्धारित अवधि में ही करवाया जाना आवश्यक होगा। उक्त आयोजन में किसी भी प्रकार का परिवर्तन निदेशक, प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा की अनुमति बिना नहीं किया जा सकेगा। 13. बाल सभाओं में वृहद् और सामुदायिक बाल सभाओं में बाल संरक्षण के तहत बाल अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाए एवं बाल विवाह के दुष्परिणाम व बाल विवाह निषेध अधिनियम तथा सड़क सुरक्षा की जानकारी दी जाए। इसी प्रकार पीटीएम व एसडीएमसी की बैठकों में भी जन समुदाय के साथ उक्त बाबत् चर्चा की जाए। 14. बाल-सभा/पीटीएम/एसएमसी/एसडीएमसी की बैठकों में तम्बाकू निषेध क्षेत्र, तम्बाकू मुक्त विद्यालय की गाइड लाईन तथा COTPA ACT 2003 की जानकारी दी जाए ताकि विद्यालय व उसके आसपास के क्षेत्र को तम्बाकू मुक्त रखे जाने के प्रावधान की समुचित पालना हो सके। 15. प्रत्येक सोमवार को कक्षा 1 से 5 तक के छात्र-छात्राओं को आयरन की पिंक गोली तथा कक्षा 6 से 12 के छात्र-छात्राओं को आयरन फोलिक एसिड की नीली गोली मध्यान्ह भोजन उपरान्त दी जाए। 16. शिक्षक मुल्यांकन प्रपत्र (TAF) की प्रथम छ:माही डेटा प्रविष्टि जुलाई से अगस्त-2022 तथा द्वितीय छ:माही डेटा प्रविष्टि जनवरी से फरवरी-2023 (संभावित समय)। 17 शाला-सिद्धि हेतु स्व मूल्यांकन के लिए संभावित समयावधि- जुलाई से अक्टूर-2022 तथा बाह्य मूल्यांकन हेतु संभावित समयावधि-अगस्त से दिसम्बर-2022। 18. CCE/SIQE/FLN हेतु रचनात्मक आकलन सतत् रूप से सत्र पर्यन्त किया जाएगा।

प्रवेश : 1. कक्षा-1 में प्रवेश के समय राज्य सरकार द्वारा संशोधित प्रावधानानुसार विद्यार्थियों की आयु 5 वर्ष या उससे अधिक परन्तु 7 वर्ष से कम वर्ष निर्धारित की गई है। 2. राज्य सरकार प्रवेश प्रक्रिया हेतु कोई निश्चित तिथि का निर्धारण कर सकती है। फिर भी आर.टी.ई. अधिनियम-2009 के अनुसार बालक-बालिकाओं का विद्यालय में प्रवेश वर्ष पर्यन्त हो सकेगा। 3. राज्य कर्मचारी/माता-पिता/अभिभावक के स्थान परिवर्तन की स्थिति में स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र के आधार पर विद्यार्थी को मध्य सत्र में प्रवेश दिया जा सकेगा। 4. यदि परिस्थितिवश बोर्ड द्वारा रोके गए परीक्षा परिणाम विलम्ब से घोषित किए जाते हैं, तो विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम की घोषणा के सात दिवस के भीतर प्रवेश दिया जाए। प्रवेश के समय ही विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए। 5. हाउस होल्ड सर्वे में आउट ऑफ स्कूल (OoSc) के रूप में चिन्हित बालक-बालिकाओं की मेनस्ट्रीमिंग हेतु अनामांकित बालक-बालिकाओं के माता-पिता/अभिभावकों से सम्पर्क कर उनका आयु अनुरूप कक्षा में प्रवेश कराना, उनके विशेष शिक्षण की आवश्यकता का आकलन करना एवं आवश्यकतानुसार संघनित पाठ्यक्रम के माध्यम से विशेष शिक्षण की व्यवस्था करना सुनिश्चित किया जाए। 6. ड्रॉपआउट एवं अनामांकित विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं को उनकी आयु के अनुरूप कक्षा में नामांकन पश्चात, विद्यालय में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं का फंक्शनल असेसमेन्ट करवाया जाकर, पात्र बच्चों को समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नि:शुल्क अंग-उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे एवं होमबेस्ड एज्युकेशन से जोड़े गये बच्चों को उनकी आयु के अनुरूप कक्षा में प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। 7. कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं मेवात बालिका आवासीय तथा वैकल्पिक शिक्षा प्रकोष्ठ के अन्तर्गत संचालित आवासीय विद्यालयों में अनामांकित एवं ड्रॉपआउट बालिकाओं को प्रवेश दिलवाया जाएगा। पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारियों (PEEO) की बैठक में चर्चा कर उनके सहयोग से परिक्षेत्र की पात्र बालिकाओं का उक्त विद्यालयों में प्रवेश करवाया जाए। 8. कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय हेतु राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद कार्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विद्यालय की कुल सीटों की 5 प्रतिशत सीटों पर विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं को प्रवेशित किए जाने हेतु विशिष्ट प्रयास किए जाएं।

प्रार्थना सभा : प्रार्थना सभा कार्यक्रम हेतु 25 मिनट का समय निर्धारित है, जिसमें की जाने वाली गतिविधियां-राष्ट्रगीत, प्रार्थना, योगाभ्यास, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, समाचार वाचन, प्रतिज्ञा, राष्ट्रगान आदि है। प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को प्रार्थना सभा में समस्त कार्मिक एवं विद्यार्थी तम्बाकू का उपयोग नहीं करने की शपथ लेंगे।

विद्यालय प्रबन्धन : विद्यालय की व्यवस्था एवं प्रबन्धन, विद्यालय प्रबन्धन समिति/विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति (SMC/SDMC) के सदस्यों के समुचित सहयोग एवं भागीदारी की सुनिश्चितता की जाए। विद्यालय के सुचारु संचालन के लिए समग्र शिक्षा अभियान द्वारा निम्न सुविधाएं प्रदान की जाएगी :- 1. राज्य के समस्त राजकीय विद्यालयों में सामान्य शैक्षिक, सह-शैक्षिक भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति एवं पूराने उपकरणों के प्रतिस्थापन तथा विद्यालय स्वच्छता एक्शन प्लान हेतु कम्पोजिट स्कूल ग्रान्ट दिए जाने का प्रावधान है। इस सम्बन्ध में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् के कम्पोजिट स्कूल ग्रांट दिशा-निर्देश पत्रांक : रास्कूशिपा/जय/वै.शि./3S-1/CSG दिशा-निर्देश/2021-22/9081 दिनांक : 26.09.2021 के अनुसार विद्यार्थी संख्या के आधार पर किए गए वित्तीय प्रावधानों के अनुसार इस राशि में से 10 प्रतिशत राशि स्वच्छता एक्शन प्लान हेतु निर्धारित की गई है। उपर्युक्त आदेश के तहत शौचालय/मूत्रालयों की साफ-सफाई, पेयजल सुविधा के रख-रखाव तथा मध्याह्न भोजन से पूर्व साबुन से हाथ धोने की व्यवस्था एवं स्वच्छता हेतु स्वच्छता अनुदान राशि का उपयोग किया जाए। 2. प्रत्येक विद्यार्थी की वर्ष में दो बार (अगस्त व जनवरी माह में) शाला स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य जाँच की जाए तथा रिकॉर्ड संधारित किया जाए। 3. अक्टूबर-2022 से दिसम्बर-2022 तक आयोज्य SMC/SDMC प्रशिक्षण में समिति सदस्यों को सक्रिय भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

कालांशवार विभाजन : ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन अवधि में विद्यालय संचालन समयानुरूप अग्रांकित विवरणानुसार कालांशवार 8 कालांश हेतु रहेगा।

समय सारिणी : एक पारी विद्यालयों हेतु समय सारिणी निम्नानुसार होगी :

क्र. सं.	विवरण	ग्रीष्मकाल में विद्यालय संचालन हेतु कालांश विभाजन	शीतकाल में विद्यालय संचालन हेतु कालांश विभाजन
1	समयावधि	01 अप्रेल से 30 सितम्बर	01 अक्टूबर से 31 मार्च
2	विद्यालय समय	07:30 बजे से 01:00 बजे तक (कुल 5:30 घंटे) (प्रत्येक कालांश 35 मिनट)	10:00 बजे से 4:00 बजे तक (कुल 6:00 घंटे) (1 से 6 कालांश 40 मिनट तथा 7 से 8 कालांश 35 मिनट)

नोट : 1. शैक्षिक गुणवत्ता एवं मनोविज्ञान के मद्देनजर कालांशों में विषय आवंटन काठिन्य स्तर के आधार पर इस प्रकार किया जाए कि अपेक्षाकृत कठिन विषय के बाद सरल विषय का कालांश हो। यथासंभव मुख्य विषयों का शिक्षण प्रथम छ: कालांश में किया जाए। जहाँ तक संभव हो, समस्त विद्यालय एक पारी में चलाए जाएंगे। जो विद्यालय वर्तमान में दो पारी में चल रहे हैं तथा विद्यालय की परिस्थितिवश आगामी सत्र में भी दो पारी/आंशिक दो पारी में संचालन आवश्यक है, उनके संस्था प्रधान औचित्यपूर्ण प्रस्ताव संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय)-प्रारम्भिक/ माध्यमिक को प्रस्तुत करेंगे तथा जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय)- प्रारम्भिक/माध्यमिक परीक्षणोपरांत स्पष्ट अनुशंसा सहित जिले के समेकित प्रस्ताव सम्भागीय संयुक्त निदेशक को 15 जुलाई, 2022 तक प्रस्तुत करेंगे तथा सम्भागीय संयुक्त निदेशक सम्पूर्ण परिक्षेत्र के प्राप्त प्रस्तावों पर विभागीय निर्देशों के अनुरूप गुणावगुण के आधार पर 31 जुलाई, 2022 तक सकारण आदेश जारी कर निदेशालय (प्रारम्भिक/माध्यमिक) को अवगति प्रदान करेंगे। प्रतिदिन 08 कालांश हेतु समक्ष विभाग चक्र तैयार किया जाएगा। प्रार्थना सभा (मय योगाभ्यास) तथा मध्यान्तर प्रत्येक 25 मिनट के होंगे। मध्यान्तर चौथे कालांश के पश्चात होगा।

2. दो पारी में संचालित विद्यालयों का समय :-

क्र.सं.	अवधि	विद्यालय संचालन का समय
1.	1 अप्रेल से 30 सितम्बर तक	प्रात: 7:00 से सायं 6:00 बजे तक (प्रत्येक पारी 5:30 घंटे) (प्रत्येक कालांश 35 मिनट)
2.	1 अक्टूबर से 31 मार्च तक	प्रात: 7:30 से सायं 5:30 बजे तक (प्रत्येक पारी 5:00 घंटे) (1 से 5 वा कालांश 35 मिनट शेष सभी कालांश 30 मिनट)

3. दो पारी विद्यालयों का कक्षा स्तर अनुसार संचालन निम्नांकित पारी क्रम में किया जाए :-

क्र.सं.	विद्यालय का प्रकार	पारी	पारी क्रम
1.	उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 12)	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 9 से 12 द्वितीय पारी कक्षा 1 से 8
2.	उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 6 से 12)	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 9 से 12 द्वितीय पारी कक्षा 6 से 8
3.	उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 9 से 12)	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 11 से 12 द्वितीय पारी कक्षा 9 से 10
4.	माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 10)	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 6 से 10 द्वितीय पारी कक्षा 1 से 5
5.	माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 6 से 10)	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 9 से 10 द्वितीय पारी कक्षा 6 से 8

शिविरा पञ्चाङ्ग 2022-23

जुलाई-2022

रवि	31	3	10	17	24
सोम		4	11	18	25
मंगल		5	12	19	26
बुध		6	13	20	27
गुरु		7	14	21	28
शुक्र	1	8	15	22	29
शनि	2	9	16	23	30

जुलाई 2022 ● कार्य दिवस-26, रविवार-05, अवकाश-01, उत्सव-03 ● **01 से 06 जुलाई** : कक्षा-9 एवं 11 (सत्र : 2021-22) की पूरक परीक्षा का आयोजन। **09 जुलाई** : पूरक परीक्षा परिणाम (सत्र : 2021-22) की घोषणा एवं प्रगति-पत्र का वितरण। वृहद सामुदायिक बाल सभा का आयोजन-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर आयोज्य एवं PTM-I का आयोजन। **10 जुलाई** : ईदउल जुहा (अवकाश चन्द्र दर्शनानुसार)। **11 जुलाई** : विश्व जनसंख्या दिवस (उत्सव)। **13 जुलाई** : गुरु पूर्णिमा (उत्सव)। **15 जुलाई** : SDMC की कार्यकारिणी समिति में अनुमोदित कार्ययोजना के अनुरूप विद्यार्थी कोष/विकास कोष के माध्यम से सत्र पर्यन्त किए जाने वाले कार्यों हेतु आवश्यक लेखांकन प्रक्रिया पूर्ण करवाना। **23 जुलाई** : लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जयन्ती (उत्सव)/सामुदायिक बाल सभा-विद्यालय स्तर पर। **24 से 26 जुलाई** : सत्र पर्यन्त प्रशिक्षण केन्द्र/खेल छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया। **जुलाई के चतुर्थ सप्ताह में माध्यमिक विद्यालय का आयोजन**: नोट : विद्यालयों द्वारा वर्षा आरम्भ होते ही वृक्षारोपण का कार्य करना। सत्रारम्भ की संस्था प्रधान वाक्पीठ (दो दिवस) (प्रा./उ.प्रा./मा./उ.मा.विद्यालय) का आयोजन। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार- विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। ● सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● SIQE/CCE के तहत किए जाने वाला मुल्यांकन 01 से 05 जुलाई के मध्य अथवा विद्यार्थी के प्रवेश लेने के आगामी दिवस को लिया जाए। ● DAG & DCG की प्रथम बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है। ● बोर्ड पूरक परीक्षा-2022 हेतु आवेदन प्रक्रिया-जुलाई माह में (मा.शि.बोर्ड, अजमेर)।

अगस्त-2022

रवि		7	14	21	28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3	10	17	24	31
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

अगस्त 2022 ● कार्य दिवस-23, रविवार-04, अवकाश-04, उत्सव-03 ● **08 अगस्त** : कृमि मुक्ति दिवस-समस्त विद्यार्थियों को डिवर्मिंग दवा (एल्बेंडाजॉल) खिलाना। **09 अगस्त** : विश्व आदिवासी दिवस (अवकाश), मोहर्रम (अवकाश-चन्द्र दर्शनानुसार)। **11 अगस्त** : रक्षा बन्धन (अवकाश)। **12 अगस्त** : संस्कृत दिवस (उत्सव)। **13 अगस्त** : सामुदायिक बाल सभा आयोजन (विद्यालय परिसर में)। **15 अगस्त** : स्वतंत्रता दिवस (अवकाश-उत्सव अनिवार्य)। **16 अगस्त** : SDMC की कार्यकारिणी समिति में अनुमोदित कार्ययोजना के अनुरूप विद्यार्थी कोष/विकास कोष के माध्यम से सत्र पर्यन्त किए जाने वाले कार्यों हेतु आवश्यक निविदा कार्यवाही सम्पन्न करना। **17 अगस्त से पूर्व** : विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताएं आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु विद्यालयों में विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय समूह की विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का अनिवार्य रूप से आयोजन। **18 अगस्त** : मॉप अप दिवस-कृमि मुक्ति दिवस (08 अगस्त-2022) को वंचित रहे विद्यार्थियों को डिवर्मिंग दवा (एल्बेंडाजॉल) खिलवाना। **19 अगस्त** : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (अवकाश-उत्सव)। **20 अगस्त** : सद्भावना दिवस-राजीव गांधी जयन्ती। **22-24 अगस्त** : प्रथम परख का आयोजन। **26 से 30 अगस्त** : आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु प्रथम समूह/प्रथम चरण की जिला स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05 दिन)। **27 अगस्त** : सामुदायिक बाल सभा का आयोजन-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर आयोज्य, प्रथम परख की प्रगति से अभिभावकों को अवगति करवाना। **31 अगस्त से 04 सितम्बर** : आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु द्वितीय समूह/जिला स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05दिन)। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। ● सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● बोर्ड पूरक परीक्षा-2022 का आयोजन-अगस्त माह में (मा.शि.बोर्ड, अजमेर) ● मा.शि.बो.राज., अजमेर द्वारा आयोजित की जाने वाली बोर्ड परीक्षा-2023 हेतु माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, प्रवेशिका, वरि.उपाध्याय के नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षा आवेदन पत्र ऑनलाईन भरने की प्रक्रिया माह-अगस्त, सितम्बर-22 (मा.शि.बोर्ड, अजमेर) ● जिला स्तरीय कला उत्सव (विद्यार्थियों के लिए)-अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह में (समग्र शिक्षा) ● विद्यालयों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य करना। (द्वितीय चरण)

सितम्बर-2022

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12	19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध		7	14	21	28
गुरु	1	8	15	22	29
शुक्र	2	9	16	23	30
शनि	3	10	17	24	

सितम्बर 2022 ● कार्य दिवस-24, रविवार-04, अवकाश-02, उत्सव-04 ● **31 अगस्त से 04 सितम्बर** : आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु द्वितीय समूह/जिला स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05दिन)। **3 सितम्बर** : सामुदायिक बाल सभा का आयोजन-विद्यालय स्तर पर आयोज्य। **5 सितम्बर** : रामदेव जयन्ती /तेजा दशमी एवं खेजडली शहीद दिवस (अवकाश-उत्सव), शिक्षक दिवस (उत्सव)-राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन, राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान के अन्तर्गत शिक्षक दिवस पर झण्डियों की बिक्री का शुभारम्भ। **6 से 11 सितम्बर** : आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु प्रथम समूह की राज्य स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05दिन)। **7 से 10 सितम्बर** : प्राथमिक विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता (ब्लॉक स्तरीय)। **8 सितम्बर** : विश्व साक्षरता दिवस (उत्सव)। **12 सितम्बर** : रोल प्ले एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता विद्यालय स्तर (RSCERT)। **13 से 18 सितम्बर** : आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु द्वितीय समूह की राज्य स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05दिन)। **14 से 18 सितम्बर** : प्राथमिक विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता (जिला स्तरीय)। **14 सितम्बर** : हिन्दी दिवस (उत्सव), सामुदायिक बाल सभा आयोजन (विद्यालय परिसर में)। **17 सितम्बर** : सामुदायिक बाल सभा का आयोजन-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर आयोज्य। **19 से 20 सितम्बर** : तहसील स्तरीय शिक्षक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन। **23 से 24 सितम्बर** : जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन। **26 सितम्बर** : नवरात्र स्थापना (अवकाश)। **27 सितम्बर से 01 अक्टूबर** : आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु तृतीय समूह की जिला स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05 दिन)। **30 सितम्बर** : 1. राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान के अन्तर्गत झंडियों की बिक्री से प्राप्त राशि का बैंक ड्राट सचिव, राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर के नाम से बनाकर प्रेषित करना। 2. SDMC की कार्यकारिणी समिति में अनुमोदित कार्ययोजना के अनुरूप विद्यार्थी कोष/विकास कोष के माध्यम से किए जाने वाले कार्य/क्रय कार्यवाही पूर्ण करना। **सितम्बर-2022 :** मा.शि.बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतियोगिता का ब्लॉक स्तर पर आयोजन। **नोट :** 1. प्रथम योगात्मक आकलन का आयोजन-CCE/SIQE संचालित विद्यालयों में (माह के अन्तिम सप्ताह में)। 2. 24 सितम्बर-राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस (जिन विद्यालयों में यह योजना संचालित है)। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● DAG की द्वितीय बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है। ● मा.शि.बो.राज.,अजमेर द्वारा आयोजित की जाने वाली बोर्ड परीक्षा-2023 हेतु माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, प्रवेशिका, वरिष्ठ उपाध्याय के नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षा आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया माह- अगस्त, सितम्बर-22 (मा.शि.बोर्ड, अजमेर) ● माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की पूरक परीक्षा-2022 में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के बोर्ड आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया माह-सितम्बर, अक्टूबर-22 में (मा.शि.बोर्ड, अजमेर) ● विद्यालय स्तरीय कला उत्सव (विद्यार्थियों के लिए)-सितम्बर के द्वितीय सप्ताह में (समग्र शिक्षा)

अक्टूबर-2022

रवि	30	2	9	16	23
सोम	31	3	10	17	24
मंगल		4	11	18	25
बुध		5	12	19	26
गुरु		6	13	20	27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29

अक्टूबर 2022 ● कार्य दिवस-13, रविवार-05, अवकाश-17, उत्सव-03 ● **27 सितम्बर से 01 अक्टूबर** : आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु तृतीय समूह की जिला स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05दिन) **1 अक्टूबर** : विद्यालय समय परिवर्तन- 1. एक पारी विद्यालय-प्रात: 10:00 से 04:00 बजे तक। 2. दो पारी विद्यालय-प्रात: 07:30 से सायं 05:30 बजे तक (प्रत्येक पारी 5:00 घंटे)। **2 अक्टूबर महात्मा** : गांधी जयंती (अवकाश-उत्सव) व लाल बहादुर शास्त्री जयंती (उत्सव) **3 अक्टूबर** : दुर्गाष्टमी (अवकाश) **4 से 5 अक्टूबर** : जिला स्तरीय विज्ञान मेला (RSCERT) **5 अक्टूबर** : विजयदशमी (अवकाश) **6 अक्टूबर** : सामुदायिक बाल सभा-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर आयोजित। **7 से 8 अक्टूबर** : जिला स्तरीय शिक्षक खेलकूद प्रतियोगिता। **9 अक्टूबर** : बारावफात (अवकाश-चन्द्र दर्शनानुसार), सामुदायिक बाल सभा आयोजन (विद्यालय परिसर में)। **10 अक्टूबर** : विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (समग्र शिक्षा)। **10 से 12 अक्टूबर** : द्वितीय परख। **13 अक्टूबर** : विश्व दृष्टि दिवस (समग्र शिक्षा)। **13 से 18 अक्टूबर**: विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताएं आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु तृतीय समूह की राज्य स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05दिन)। **15 अक्टूबर** : सामुदायिक बाल सभा-विद्यालय स्तर पर आयोजित। **19 से 31 अक्टूबर** : मध्यावधि अवकाश। **24 अक्टूबर** : दीपावली (अवकाश)। **25 अक्टूबर**: गोवर्धन पूजा (अवकाश)। **26 अक्टूबर** : भैया दूज (अवकाश)। **31 अक्टूबर** : सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती (राष्ट्रीय एकता दिवस) इन्दिरा गांधी पुण्य तिथि (संकल्प दिवस-उत्सव)। **अक्टूबर-2022** : मा.शि.बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल एवं उन्नयन प्रतियोगिता का जिला स्तर पर आयोजन। **नोट** : माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल एवं उन्नयन प्रतियोगिता का जिला स्तर पर आयोजन। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5)(समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● DCG की द्वितीय बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है। ● माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की पूरक परीक्षा-2022 में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के बोर्ड आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया माह-सितम्बर, अक्टूबर-22 में (मा.शि.बोर्ड, अजमेर) ● जिला स्तरीय कला उत्सव (विद्यार्थियों के लिए)-सितम्बर के द्वितीय सप्ताह में (समग्र शिक्षा)।

नवम्बर-2022

रवि		6	13	20	27
सोम		7	14	21	28
मंगल	1	8	15	22	29
बुध	2	9	16	23	30
गुरु	3	10	17	24	
शुक्र	4	11	18	25	
शनि	5	12	19	26	

नवम्बर 2022 ● कार्य दिवस-25, रविवार-04, अवकाश-01, उत्सव-05 ● **03 से 04 नवम्बर** : रोल प्ले एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता जिला स्तर (RSCERT)। **05 नवम्बर** : कालिदास जयन्ती, सामुदायिक बाल सभा-गांव की चौपाल पर। **8 नवम्बर** : गुरु नानक जयन्ती (अवकाश-उत्सव)। **11 नवम्बर** : राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (उत्सव)। **14 नवम्बर** : बाल दिवस (पं. जवाहर लाल नेहरु जयन्ती)-(उत्सव), बाल समारोह का आयोजन (समग्र शिक्षा)। **17 नवम्बर** : नेशनल मिन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा (RSCERT) **19 नवम्बर** : श्रीमती इन्दिरा गांधी जयन्ती (उत्सव) सामुदायिक बाल सभा आयोजन (विद्यालय परिसर में), PTM-II (माँ-शिक्षक बैठक-MTM का आयोजन। **19 से 25 नवम्बर :** कौमी एकता सप्ताह का आयोजन। **22 से 25 नवम्बर :** राज्य स्तरीय विज्ञान मेला (RSCERT) **25 से 26 नवम्बर :** राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन। **26 नवम्बर** : संविधान दिवस (उत्सव)। **नवम्बर-2022 :** मा.शि.बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन यथा:-(1) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा। (2) राज्य प्रतिभा खोज परीक्षा। (3) राज्य विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा। **नोट :** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं यथा-(अ) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, (ब) राज्य प्रतिभा खोज परीक्षा, (स) राज्य विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● DAG की तृतीय बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है। ● जिला स्तरीय रंगोत्सव (शिक्षकों के लिए)नवम्बर के प्रथम सप्ताह में (समग्र शिक्षा) ● राज्य स्तरीय कला उत्सव(विद्यार्थियों के लिए)-नवम्बर के द्वितीय/तृतीय सप्ताह में (समग्र शिक्षा) ● राज्य स्तरीय रंगोत्सव (शिक्षकों के लिए)नवम्बर के अन्तिम सप्ताह मे(समग्र शिक्षा)

दिसम्बर-2022

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12	19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध		7	14	21	28
गुरु	1	8	15	22	29
शुक्र	2	9	16	23	30
शनि	3	10	17	24	31

दिसम्बर 2022 ● कार्य दिवस-21, रविवार-04, अवकाश-07, उत्सव-04 ● **01 दिसम्बर** : विश्व एकता दिवस (उत्सव), विश्व एड्स दिवस(उत्सव)। **03 दिसम्बर** : विश्व विशेष योग्यजन दिवस (समग्र शिक्षा)। **05-06 दिसम्बर** : मंत्रालयिक कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता हेतु जिला स्तर पर चयन। **10 दिसम्बर** : मानव अधिकार दिवस (उत्सव)। **10-23 दिसम्बर** : अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का आयोजन। **16 से 17 दिसम्बर** : मंत्रालयिक कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता हेतु मण्डल स्तर पर चयन व दल गठन। **18-21 दिसम्बर** : मंत्रालयिक कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता हेतु मण्डल स्तर पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन। **24 दिसम्बर** : सामुदायिक बाल सभा का आयोजन-विद्यालय परिसर में। **25 दिसम्बर** : क्रिसमस डे (अवकाश)। **25 दिसम्बर से 31 दिसम्बर** : (05 जनवरी तक जारी) शीतकालीन अवकाश (विभाग के समस्त आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा राज्य कर्मचारियों के हितकारी निधि के वार्षिक अंशदान हेतु माह दिसम्बर के वेतन से निर्धारित दर पर कटौती की कार्यवाही सुनिश्चित करना)। **26 से 27 दिसम्बर** : राज्य स्तरीय शिक्षक खेलकूद प्रतियोगिता हेतु पूर्व प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन। **27 से 30 दिसम्बर** : मंत्रालयिक कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का राज्य स्तर पर आयोजन। **29 दिसम्बर** : गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती (अवकाश-उत्सव)। **30 से 31 दिसम्बर** : राज्य स्तरीय शिक्षक खेलकूद प्रतियोगिता। **दिसम्बर-2022** : मा.शि.बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, उन्नयन एवं कौशल शिविर का आयोजन। **नोट** : जिन विद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई संचालित है, उन विद्यालयों में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन शीतकालीन अवकाश के दौरान ही किया जाए। ● माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व उन्नयन एवं कौशल शिविर का आयोजन। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● व्यावसायिक शिक्षा में कक्षा-11 व 12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु ऑन जॉब ट्रेनिंग शीतकालीन अवकाश में (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें।

जनवरी-2023

रवि	1	8	15	22	29
सोम	2	9	16	23	30
मंगल	3	10	17	24	31
बुध	4	11	18	25	
गुरु	5	12	19	26	
शुक्र	6	13	20	27	
शनि	7	14	21	28	

जनवरी 2023 ● कार्य दिवस-21, रविवार-05, अवकाश-06, उत्सव-05 ● **01 से 05 जनवरी** : शीतकालीन अवकाश जारी। **04 जनवरी** : विश्व ब्रेल दिवस (समग्र शिक्षा)। **07 जनवरी** : PTM-III का आयोजन सामुदायिक बाल सभा का आयोजन-(विद्यालय परिसर में) अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामों को अभिभावकों को प्रदर्शित करना। **09 से 11 जनवरी** : रोल प्ले एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता राज्य स्तर (RSCERT)। **12 जनवरी** : स्वामी विवेकानन्द जयन्ती (राष्ट्रीय युवा दिवस-उत्सव), केरियर डे। **14 जनवरी** : मकर सक्रान्ति (उत्सव)। **21 जनवरी** : सामुदायिक वृहद बाल सभा आयोजन-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर। **23 जनवरी** : सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती, देश प्रेम दिवस (उत्सव)। **26 जनवरी** : गणतंत्र दिवस (अवकाश-उत्सव अनिवार्य), बसन्त पंचमी/सरस्वती जयन्ती (उत्सव), गार्गी पुरस्कार समारोह, बालिका दिवस आयोजन। **30 जनवरी** : शहीद दिवस (प्रात: 11.00 बजे दो मिनट का मौन)(महात्मा गांधी पुण्य तिथि)। **जनवरी-2023** : मा.शि. बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल, उन्नयन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन एवं विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतियोगिता का जिला स्तर पर आयोजन। **नोट** : 1. द्वितीय योगात्मक आकलन का आयोजन-CCE/SIQE संचालित विद्यालयों में (माह के अन्तिम सप्ताह में)। 2. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल उन्नयन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन एवं विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतियोगिता का जिला स्तर पर आयोजन। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● DAG की चतुर्थ बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है व DCG की तृतीय बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है। ● राष्ट्रीय स्तरीय कला उत्सव (विद्यार्थियों के लिए)जनवरी के प्रथम सप्ताह में (समग्र शिक्षा)

फरवरी-2023

रवि		5	12	19	26
सोम		6	13	20	27
मंगल		7	14	21	28
बुध	1	8	15	22	
गुरु	2	9	16	23	
शुक्र	3	10	17	24	
शनि	4	11	18	25	

फरवरी 2023 ● कार्य दिवस-23, रविवार-04, अवकाश-01, उत्सव-03 ● **07 फरवरी** : सेफर इन्टरनेट डे (Safer Internet Day) का आयोजन (RSERT)। **10 फरवरी** : कृमि मुक्ति दिवस-समस्त विद्यार्थियों को डिवर्मिंग दवा (एल्बेंडाजॉल) खिलाएं। **11 फरवरी** : सामुदायिक बाल सभा आयोजन (विद्यालय परिसर में)। **14 फरवरी** : मॉप अप दिवस-राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (10 फरवरी-2023) को वंचित रहे विद्यार्थियों को डिवर्मिंग दवा (एल्बेंडाजॉल) खिलाएं। **15 फरवरी** : स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती (उत्सव)। **फरवरी के द्वितीय सप्ताह में** : सत्रान्त की संस्थाप्रधान वाक्पीठ (प्रावि/उप्रावि/मावि/उमावि) का आयोजन (13 से 17 फरवरी की अवधि में) (दो दिवस)। **18 फरवरी** : महा शिवरात्रि (अवकाश-उत्सव)। **20 से 22 फरवरी** : तृतीय परख का आयोजन। **25 फरवरी** : सामुदायिक वृहद बाल सभा का आयोजन-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर, तृतीय परख की प्रगति से अवगत करवाया जाना। **28 फरवरी** : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (उत्सव)। फरवरी-2023 : मा.शि.बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा आयोज्य कक्षा 10 से 12 की परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले विद्यार्थियों हेतु 14 दिवस का परीक्षा पूर्व तैयारी अवकाश रहेगा। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें।

मार्च-2023

रवि		5	12	19	26
सोम		6	13	20	27
मंगल		7	14	21	28
बुध	1	8	15	22	29
गुरु	2	9	16	23	30
शुक्र	3	10	17	24	31
शनि	4	11	18	25	

मार्च 2023 ● कार्य दिवस-23, रविवार-04, अवकाश-04, उत्सव-04 ● **03 मार्च** : विश्व श्रवण दिवस (समग्र शिक्षा)। **06 मार्च** : होलिका दहन (अवकाश)। **07 मार्च** : धुलण्डी (अवकाश)। **15 मार्च** : विश्व उपभोक्ता दिवस (उत्सव)। **23 मार्च** : चेटीचण्ड (अवकाश-उत्सव)। **30 मार्च** : रामनवमी (अवकाश-उत्सव), राजस्थान दिवस (उत्सव)। **मार्च-2023** : (1) मा.शि.बोर्ड राजस्थान, अजमेर की माध्यमिक/प्रवेशिका एवं उच्च माध्यमिक/वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षाओं का आयोजन। (2) बोर्ड परीक्षा आयोजन के कारण सामुदायिक बाल सभा का आयोजन स्थगित रखा गया है। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● DAG की पंचम बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है।

अप्रेल-2023

रवि	30	2	9	16	23
सोम		3	10	17	24
मंगल		4	11	18	25
बुध		5	12	19	26
गुरु		6	13	20	27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29

अप्रेल 2023 ● कार्य दिवस-21, रविवार-05, अवकाश-04, उत्सव-02 ● **01 अप्रेल** : विद्यालय समय परिवर्तन-1. एक पारी विद्यालय-प्रात: 07:30 से दोपहर 01:00 बजे तक। 2. दो पारी विद्यालय-प्रात: 07:00 से सायं 06:00 बजे तक (प्रत्येक पारी 5:30 घंटे) **02 अप्रेल** : विश्व ऑटिज्म जगारूकता दिवस का आयोजन (समग्र शिक्षा)। **04 अप्रेल** : श्री महावीर जयन्ती (अवकाश-उत्सव)। **07 अप्रेल** : गुड-फ्राइडे (अवकाश)। **06 से 25 अप्रेल** : वार्षिक परीक्षा का आयोजन। **14 अप्रेल** : डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयन्ती-ज्ञान दिवस (अवकाश-उत्सव)। **22 अप्रेल** : ईदुल फितर (अवकाश-चन्द्र दर्शनानुसार), परशुराम जयन्ती (अवकाश)। **27 अप्रेल** : विद्यालय में आगामी सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया का आरम्भ एवं नामांकन हेतु विद्यार्थियों के चिह्नीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ। **30 अप्रेल** : वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा तथा परीक्षा परिणामों की प्रति संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी को समीक्षा हेतु प्रेषित करना। सामुदायिक बाल सभा का आयोजन-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर। संस्था प्रधान द्वारा स्टाफ की बैठक लेकर सत्रपर्यन्त हुए कार्यो की समीक्षा करना एवं आगामी सत्र की विद्यालय योजना हेतु विचार-विमर्श कर निर्णय लेना तथा योजना संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी को प्रेषित करना। अभिभावक-अध्यापक बैठक (PTM-IV) एवं SDMC/SMC की साधारण सभा का संयुक्त रूप से आयोजन एवं करणीय कार्यो के संबंध में प्रस्ताव पारित करना। **नोट** : SIQE संचालित विद्यालयों में कक्षा 5 हेतु सम्बन्धित जिले की तृतीय योगात्मक आकलन के स्थान पर प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन किया जाएगा, जिसकी तिथियां पृथक् से घोषित की जाएगी। कक्षा-1 से 4 में तृतीय योगात्मक आकलन का आयोजन उक्त मूल्यांकन से पूर्व किया जाएगा। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● DAG की पंचम बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है।

मई-2023

रवि		7	14	21	28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3	10	17	24	31
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

मई 2023 ● कार्य दिवस-14, रविवार-04, अवकाश-15, उत्सव-02 ● **01 मई** : नवीन सत्र : 2023-24 प्रारम्भ (परीक्षा परिणाम के आधार पर विद्यार्थियों का चिन्हीकरण कर उपचारात्मक शिक्षण प्रारम्भ)। **01 से 16 मई** : प्रवेशोत्सव-प्रथम चरण का आयोजन। **07 मई** : रवीन्द्र नाथ टैगोर जयन्ती (उत्सव)। **08 से 15 मई** : पूरक परीक्षा का आयोजन (कक्षा - 09 व 11 हेतु)। **13 मई** : सामुदायिक बाल सभा का आयोजन-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर। **16 मई** : पूरक परीक्षा परिणाम की घोषणा एवं प्रगति-पत्र का वितरण। **17 मई से 31 मई** : ग्रीष्मावकाश। **22 मई** : महाराणा प्रताप जयन्ती (अवकाश-उत्सव)। **नोट** : संस्था प्रधान ग्रीष्मावकाश में मुख्यालय से बाहर हों, तो वह विद्यार्थियों को टी.सी. जारी करने हेतु मुख्यालय पर रहने वाले वरिष्ठतम शिक्षक को टी.सी. पर हस्ताक्षर करने हेतु अधिकृत करावें तथा इसका अनुमोदन संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी से कराकर संबंधित को पाबन्द करें, ताकि विद्यार्थियों को टी.सी. प्राप्त करने में कोई असुविधा न हों। **मई-2023** : मा.शि. बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, उन्नयन एवं कौशल शिविर का आयोजन। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● DAG की पंचम बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है।

जून-2023

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12	19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध		7	14	21	28
गुरु	1	8	15	22	29
शुक्र	2	9	16	23	30
शनि	3	10	17	24	

जून 2023 ● कार्य दिवस-05, रविवार-04, अवकाश-24, उत्सव-02 ● **01 से 23 जून** : ग्रीष्मकालीन अवकाश जारी। **21 जून** : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (अवकाश- उत्सव) : समस्त विद्यालयों में प्रात: 7 से 8 बजे तक उत्सव आयोजन। **24 जून** : SDMC की कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन एवं सत्र पर्यन्त कार्य योजना का अनुमोदन। **24 से 30 जून** : प्रवेशोत्सव-द्वितीय चरण का आयोजन। इस अवधि में संस्था प्रधान एवं शिक्षकगण हाउस होल्ड सर्वे के आधार पर अब तक प्रवेश से वंचित/हार्ड कोर समूह के बच्चों का प्रवेश विद्यालय/आंगनबाड़ी में करवाए जाने हेतु विशिष्ट कार्य योजना के तहत नामांकन वृद्धि अभियान संचालित करेंगे। संस्था प्रधान द्वारा समस्त स्टाफ से नवीन समय विभाग चक्र के अनुरूप सम्पूर्ण शैक्षिक सत्र के लिए कक्षा शिक्षण हेतु विषय योजना का निर्माण करवाया जाकर योजना का परिवीक्षण किया जाएगा। उक्त अवधि में विद्यार्थियों को टी.सी./नव प्रवेशित विद्यार्थियों का एस.आर. रजिस्टर में पंजीयन सम्बन्धी कार्यो का समुचित निष्पादन किया जाएगा। **28 जून** : भामाशाह जयन्ती (उत्सव) राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन। **29 जून** : ईदउल जुहा (अवकाश चन्द्र दर्शनानुसार)। **30 जून** : SDMC की कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित कार्य योजना को अन्तिम रूप दिया जाना। **जून-2023** : मा.शि. बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतियोगिता का राज्य स्तर पर आयोजन। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5) (समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें।

© सर्वाधिकार निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर के पास सुरक्षित हैं।

2. दो पारी विद्यालय (माध्यमिक/उच्च माध्यमिक) के संस्थाप्रधान का समय प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक रहेगा तद्नुसार विद्यालय कार्यालय का समय भी उक्तानुसार ही रहेगा। वे अपने स्तर पर स्वेच्छा से इसमें कोई भी परिवर्तन नहीं करेंगे। 3. राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर के शैक्षिक प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान, अजमेर द्वारा आकाशवाणी के सहयोग से विद्यालय प्रसारण कार्यक्रम के तहत कक्षा-3 से 12 तक के लिए चयनित विषयों के पाठ्यक्रम आधारित चयनित पाठ, गैर पाठ्यक्रम आधारित पाठ तथा बोर्ड कक्षाओं के विभिन्न विषयों पर परीक्षामालाओं का प्रसारण आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा करवाया जाता है। समस्त संस्थाप्रधान छात्र/छात्राओं को शिक्षण का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से स्वयं के विद्यालय में रेडियो की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए विद्यालय प्रसारण कार्यक्रम के तहत किए जा रहे प्रसारण को अनिवार्यतः सुनवाने की व्यवस्था करेंगे। यह कार्यक्रम 1 जुलाई, 2022 से स्थानीय वार्षिक परीक्षा आरम्भ होने के पूर्व तक दोपहर 12:35 बजे से 12:55 बजे तक कार्यक्रमानुसार प्रत्येक विद्यालयी कार्य दिवस को प्रसारित किया जाएगा। 4. राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर तथा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा प्रत्येक कक्षा हेतु पुस्तकालय कालांश का निर्धारण किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाए की प्रत्येक विद्यार्थी पुस्तकालय की सुविधा से लाभान्वित हो, अतः रोटेशन के आधार पर प्रति सप्ताह प्रत्येक कक्षा हेतु पुस्तकालय कालांश का निर्धारण किया जाए।

यदि एक ही शाला परिसर में दो विद्यालय संचालित हों तथा दो पारी में संचालन की स्वीकृति प्राप्त हो, तो माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रथम पारी में तथा प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालय द्वितीय पारी में संचालित होंगे। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय)- प्रारम्भिक/माध्यमिक अपने स्तर पर इस व्यवस्था में कोई परिवर्तन नहीं करेंगे। समन्वित विद्यालय, जो दो या दो से अधिक परिसर में संचालित हैं, में समान स्तर की समस्त कक्षाएं एक ही समय में (समान पारी में) संचालित की जाएगी।

सहशैक्षिक गतिविधियाँ : 1. समस्त सहशैक्षिक गतिविधियों का आयोजन विभागीय निर्देशों के अनुरूप किया जाए। 2. सभी राजकीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में चाईल्ड राईट्स क्लब, वन एवं पर्यावरण क्लब, विज्ञान क्लब, रोड सेफ्टी क्लब एवं टूरिज्म क्लब व निदेशालय द्वारा समय-समय पर जारी क्लब गठन संबंधी निर्देशों के अनुरूप क्लब की स्थापना अनिवार्य रूप से की जाए तथा इनसे संबंधित गतिविधियों का संचालन आवश्यक रूप से किया जाए। तम्बाकू नियंत्रण हेतु TOBACO MONITOR विभागीय निर्देशानुसार बनाए जाएं। 3. समस्त विद्यालयों में वार्षिक उत्सव एवं सखा संगम (एल्यूमिनी मीट) का आयोजन समग्र शिक्षा द्वारा घोषित कार्यक्रम अनुसार किया जाएगा। समस्त विद्यालयों में समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (SUPW) एवं समाज सेवा शिविर अनिवार्यतः 30 नवम्बर से पूर्व आयोजित कर लिए जाए। इन शिविरों के दौरान गांधी जी द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छता सम्बन्धी गतिविधियों को सहज प्रवृत्ति एवं दैनिक वृत्ति के रूप में अंगीकार करने की सीख के विशेष संदर्भ में दैनिक जीवन में स्वच्छता एवं साफ-सफाई की अनिवार्यता विषयक उद्‌बोधन तथा सामूहिक श्रमदान द्वारा विद्यालय परिसर के सौंदर्यकरण एवं वृक्षारोपण सम्बन्धी गतिविधियां अनिवार्य रूप से सम्मिलित की जाए। 4. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा संचालित विद्यालय आधारित मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत कक्षा 9 एवं 10 के लिए विद्यालय में संचालित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रवृत्तियों में से एक प्रवृत्ति में प्रत्येक विद्यार्थी को भाग लेना अनिवार्य होगा तथा स्वास्थ्य एवं शारीरिक विकास हेतु सुविधानुसार आयोजित प्रवृत्तियों में से प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम दो प्रवृत्तियों में भाग लेना अनिवार्य होगा। 5. समस्त विद्यालयों में विद्यालय प्रबन्धन समिति (एसएमसी) एवं विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति (एसडीएमसी) की कार्यकारिणी समिति की बैठक प्रतिमाह अमावस्या के दिन ही आयोजित की जाएगी। "समग्र शिक्षा अभियान सामुदायिक गतिशीलता प्रकोष्ठ" के प्लान के अनुसार विद्यालय प्रबन्धन समिति (एसएमसी) एवं विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति (एसडीएमसी) की उक्त बैठकों को समुदाय जागृति दिवस के रूप में मनाया जाए। यदि अमावस्या के दिन विद्यालय में अवकाश हो तो, इनका आयोजन अगले कार्य दिवस पर किया जाए। विद्यालय प्रबन्धन समिति (एसएमसी) एवं विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति (एसडीएमसी) हेतु गैर आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप करवाया जाएगा।

प्रबोधन एवं प्रबन्धन : 1. एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (यू-डाईस) के अन्तर्गत 30 सितम्बर के आधार पर जिले के समस्त राजकीय/केन्द्रीय विद्यालय/गैर-राजकीय समस्त विद्यालयों, जिनमें कक्षा 1-12 तक के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, शैक्षिक नियोजन की दृष्टि से उनकी विभिन्न सूचनाएं, यथा विद्यार्थियों/शिक्षकों/विद्यालयों की श्रेणीवार संख्या आदि संकलित की जाए। सभी शिक्षक/संस्था प्रधान यू-डाईस सूचना संकलन प्रपत्र की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करें। 2. कल्प कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब का रख-रखाव विद्यालय को समग्र शिक्षा अभियान से उपलब्ध कराई जा रही स्कूल फेसिलिटी ग्राण्ट/मैन्टीनेन्स ग्राण्ट से विद्यालय द्वारा करवाया जाए एवं लैब को सुरक्षित रखते हुए विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों हेतु प्रति सप्ताह अधिकतम दो-दो कालांश प्रति कक्षा लगवाए जाएं एवं विद्यालय में उपलब्ध ई-कन्टेन्ट (विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी) द्वारा सम्बलन प्रदान किया जाए।

उत्सव एवं अवकाश : 1. प्रत्येक माह हेतु माहवार पंचांग में अंकित उत्सव अनिवार्यतः मनाए जाएं। 2. प्रत्येक सप्ताह में आने वाले उत्सवों को उसी सप्ताह के शनिवार (No bag day) के अन्य कार्यक्रम के साथ मनाया जाए। 3. 15 अगस्त, 26 जनवरी एवं 02 अक्टूबर को पूर्ण अवकाश होने पर भी उसी दिवस को उत्सव मनाया जाना अनिवार्य है। शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की स्वयं के विद्यालय में उपस्थिति अनिवार्य है। 4. 02 अक्टूबर को विद्यार्थियों द्वारा महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित नाटक, कविता, अभिनय आदि गतिविधियां/क्रियाकलाप करवाए जाएं। गांधीजी के जीवन तथा गांधी दर्शन से सम्बन्धित डॉक्यूमेंट्री, फीचर फिल्में अथवा अन्य संदर्भ साहित्य से सम्बन्धित दृश्य सामग्री का प्रदर्शन विद्यार्थियों द्वारा गांधीजी के जीवन चरित्र एवं मूल्यों से प्रेरणा ग्रहण करने के उद्देश्य से करवाया जाए। 5. मध्यावधि अवकाश, शीतकालीन अवकाश तथा ग्रीष्मावकाश में विद्यालयों के मंत्रालयिक एवं चतुर्थश्रेणी कर्मचारी केवल राजपत्रित अवकाश का ही उपभोग करेंगे। 6. प्रत्येक संस्थाप्रधान इस पंचांग में निर्दिष्ट अवकाशों के अतिरिक्त सत्र में दो दिवसों का अवकाश घोषित कर सकते हैं, जिनमें से एक मध्यावधि अवकाश से पहले एवं दूसरा मध्यावधि अवकाश के बाद किया जाए। संस्थाप्रधान इसकी पूर्व सूचना 31 जुलाई, 2022 से पूर्व नियन्त्रण अधिकारी को भेजें। अवकाश हेतु दिवसों का चयन करते समय यह ध्यान रखा जावे कि महत्त्वपूर्ण विद्यालयी कार्यक्रम अप्रभावित रहें। 7. जिला कलक्टर द्वारा घोषित अवकाश सम्बन्धित जिले के विद्यालय में मान्य होंगे।

मूल्यांकन एवं परीक्षा : 1. कक्षा-6 से 12 की परख, अर्द्धवार्षिक, वार्षिक परीक्षा एवं पूरक परीक्षाएं (कक्षा-8 की प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण-पत्र परीक्षा तथा कक्षा-5 की प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय एवं कक्षा-10 एवं 12 में वार्षिक परीक्षा के स्थान पर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा परीक्षा ली जाएगी) इस पंचांग के अनुसार सम्पन्न की जाए तथा परीक्षा परिणामों की घोषणा तथा विद्यार्थियों को प्रगति पत्रों का वितरण 30 अप्रेल, 2023 को अनिवार्य रूप से कर दिया जाए। 2. कक्षा-1 से 5 में SIQE के अन्तर्गत CCE के तहत तीन योगात्मक आकलन अग्रांकित विवरणानुसार सम्पादित किए जाएंगे :-

टर्म	पाठ्यक्रम विभाजन	योगात्मक आकलन आयोजन माह
प्रथम	लगभग 45%	सितम्बर - 2022
द्वितीय	लगभग 40%	जनवरी - 2023
तृतीय	लगभग 15%	बोर्ड परीक्षा से पूर्व

कक्षा-5 हेतु तृतीय योगात्मक आकलन के स्थान पर प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए तिथियां पृथक से निर्धारित की जाएगी। 3. परख अवधि में शाला समय से पूर्व विद्यार्थियों को अगले दिवस परख की तैयारी हेतु छोड़ा जा सकता है, लेकिन कर्मचारी पूरे समय तक उपस्थित रहेंगे। 4. सभी स्तर के विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षा के लिए क्रमशः एक तथा दो दिवसों का परीक्षा तैयारी अवकाश रहेगा। इन दिनों में विद्यालय खुलेंगे और अध्यापक एवं मंत्रालयिक कर्मचारी परीक्षा के अभिलेख तथा व्यवस्था संबंधित कार्य पूर्ण करेंगे। इस प्रकार का अवकाश रविवार एवं अन्य राजपत्रित अवकाश छोड़कर किया जाएगा। 5. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा आयोज्य कक्षा 10 एवं 12 की परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले विद्यार्थियों हेतु 14 दिवस का परीक्षा पूर्व तैयारी अवकाश रहेगा। उक्त अवधि में विद्यार्थियों हेतु आवश्यकतानुसार विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जाए। 6. एस.आई.क्यू.ई./सी.सी.ई. संचालित समस्त विद्यालयों में पारम्परिक प्रक्रिया से मूल्यांकन न होकर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया से ही मूल्यांकन किया जाएगा। 7. विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं की नियमित मूल्यांकन प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग, प्रारंभिक शिक्षा (आयोजना) अनुभाग के परिपत्र क्रमांक : प.14 (3) प्राशि/आयो/2014, जयपुर, दिनांक: 27.10.2014 की पालना की जाए।

पूरक परीक्षा : माध्यमिक शिक्षा के अधीन कक्षा 9 एवं 11 की पूरक परीक्षाओं का आयोजन 08 से 15 मई, 2023 तक किया जाए। परीक्षा परिणाम 16 मई, 2023 को घोषित कर प्रगति पत्र वितरित कर दिए जाएं।

No Bag Day : 1. माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा 20 फरवरी, 2020 को राज्य विधानसभा में बजट भाषण के दौरान शिक्षा विभाग से सम्बन्धित घोषणाओं (बिन्दु संख्या-97) के अन्तर्गत समस्त सरकारी विद्यालयों में शनिवार के दिन No Bag Day रखे जाने और उस दिन कोई अध्यापन कार्य नहीं किए जाने बाबत निर्णय की घोषणा की गई थी। उक्तानुरूप सत्र 2022-23 में प्रत्येक सप्ताह में शनिवार को बस्ता मुक्त दिवस मनाया जाएगा। 2. No Bag Day का उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं अन्तर्निहित क्षमताओं को पहचान कर अध्ययन-अध्यापन के पारम्परिक तरीकों से इतर सहगामी क्रियाओं के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को आनंददायी बनाना है। 3. इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थी स्कूल बैग के बिना विद्यालय आएंगे। 4. प्रत्येक शनिवार को कक्षा स्तर के अनुसार थीम आधारित निम्नलिखित गतिविधियां करवाई जाएगी :-

क्र.सं.	शनिवार क्रमांक	थीम
1	माह का प्रथम शनिवार	राजस्थान को पहचानो
2	माह का द्वितीय शनिवार	भाषा कौशल विकास
3	माह का तृतीय शनिवार	खेलेगा राजस्थान-बढ़ेगा राजस्थान
4	माह का चतुर्थ शनिवार	मैं वैज्ञानिक बनूंगा
5	माह का पंचम शनिवार	बाल-सभा मेरे अपनों के साथ

5. No Bag Day के दिन आनंददायी तरीके से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया कक्षावार न होकर निम्नलिखितानुसार कक्षा समूहवार होगी।

क्र.सं.	समूह का नाम	कक्षा वर्ग	क्र.सं.	समूह का नाम	कक्षा वर्ग
1	अंकुर	कक्षा 1 से 2	4	क्षितिज	कक्षा 9 से 10
2	प्रवेश	कक्षा 3 से 5	5	उन्नति	कक्षा 11 से 12
3	दिशा	कक्षा 6 से 8			

6. 15 अगस्त, 26 जनवरी व 2 अक्टूबर के अतिरिक्त शिविरा पंचांग में दर्शाए गए/मनाए जाने वाले समस्त उत्सव जयन्तियां सम्मिलित है। प्रत्येक शनिवार को बस्ता मुक्त दिवस के रूप में आयोजन करने हेतु शिविरा पंचांग में सम्मिलित गतिविधियों/कार्यक्रमों/क्रियाकलापों के आयोजन No Bag Day हेतु निर्धारित समय सारिणी में से 40 मिनट का समय निकालकर विद्यालय संचालन के अंतिम समय में आयोजित किए जाएंगे। 7. सम्पूर्ण सप्ताह (सोमवार से रविवार) के दौरान पड़ने वाले उत्सवों/जयंतियों का विधिवत आयोजन सप्ताह में बस्ता मुक्त दिवस (शनिवार) को समारोहपूर्वक किया जाए, जिसके लिए रूप रेखा का निर्माण एवं पूर्व तैयारी सम्बन्धित शिक्षकों एवं आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले विद्यार्थियों द्वारा उक्त शनिवार से पूर्व की जाए। 8. बस्ता मुक्त दिवस मनाए जाने के कारण समस्त बाल सभाएं, मासिक स्टाफ बैठक, अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) SDMC/SMC की कार्यकारिणी समिति की मासिक बैठक (वर्तमान में प्रतिमाह अमावस्या को आयोज्य), मीना-राजू/ गार्गी मंच की बैठक इत्यादि कार्यक्रम भी बस्ता मुक्त दिवस (शनिवार) के अवसर पर आयोजित किए जाएं। माह के अंतिम शनिवार को उत्सव/जयन्ती/बाल सभा आयोजित करने के उपरान्त समस्त राजकीय विद्यालयों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा 40 मिनट स्वैच्छिक श्रमदान किया जाएगा। 9. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर तथा राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (RSCERT), उदयपुर तथा विभिन्न अभिकरणों एवं विभाग द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियो में सृजनात्मक कौशल विकास तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति एवं अभिरूचि विकास के उद्देश्य से आयोजित की जाने वाली समस्त प्रतियोगिताएं विद्यालय स्तर पर शनिवार को ही आयोजित करवाई जाएं। 10. बस्ता मुक्त दिवस (शनिवार) के अवसर पर आयोजित होने वाले उत्सवों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सहशैक्षिक गतिविधियां यथा-खेलकूद, वाद-विवाद प्रतियोगिता, भाषण, निबन्ध-लेखन इत्यादि के आयोजन पर विशेष ध्यान दिया जाए। 11. प्रतिमाह एक बाल सभा में गांधीजी द्वारा प्रतिपादित बुनियादी शिक्षा की अवधारणा का ज्ञान विद्यार्थियों को देते हुए पारम्परिक घरेलू कुटीर उद्योग का व्यावहारिक प्रदर्शन करवाया जाए, जैसे मिट्टी के बर्तन या खिलौने बनाना, तकली कातना, चरखे का उपयोग इत्यादि। इस हेतु विद्यालय के आस-पास से आर्टिजन को विद्यालय में आमंत्रित किया जाकर प्रत्यक्ष प्रदर्शन करवाने का प्रयास किया जाए। 12. विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं को सहशैक्षिक गतिविधियों में सम्मिलित किया जाए। 13. जेण्डर इक्विटी गतिविधि अन्तर्गत बालिका सशक्तिकरण हेतु समग्र शिक्षा द्वारा संचालित निम्नांकित दूरगामी और नियमित गतिविधियों (शनिवारीय/गैर शनिवारीय गतिविधियों) को निम्नानुसार संचालित किया जाए।

पार्ट-1		
गतिविधि	**लाभान्वित वर्ग**	**समय-सीमा**
किशोरी सशक्तीकरण की गतिविधियां मीना राजू मंच एवं गार्गी मंच का संचालन	कक्षा 6 से 12 तक के समस्त विद्यार्थी	प्रति सप्ताह एक कालांश
सुरक्षित विद्यालय वातावरण निर्माण एवं बाल सुरक्षा संरक्षा	कक्षा 1 से 12 तक के समस्त विद्यार्थी	प्रति सप्ताह एक कालांश
साइबर सुरक्षा एवं जिम्मेदार नेटीजन	कक्षा 6 से 12 तक की समस्त बालिकाएं	प्रति सप्ताह एक कालांश
पार्ट-2		
रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण	कक्षा 6 से 12 तक की समस्त बालिकाएं	प्रति सत्र 45 दिवस (प्रतिमाह 15 दिवस अनवरत तीन माह)

उपरोक्त गतिविधियां नो-बैग-डे दिवस को आवश्यकतानुसार आयोजित करवाया जाना सुनिश्चित करावें।

अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।

6. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
7. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा-6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समान यह छात्रवृत्ति देय है।
8. केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत आधार ऑथेन्टिकेशन अनिवार्य होगा एवं छात्रवृत्ति राशि का भुगतान आधार से सीडेड बैंक खाते में डीबीटी द्वारा किया जाएगा।

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है : (अनुसूचित जाति कक्षा 9 व 10)

विवरण	दर (वार्षिक)
छात्रवृत्ति राशि	4000/-

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथि:-

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

7. कक्षा 6 से 10 में अध्ययनरत अति पिछड़ा वर्ग (एम.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति।

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांक: शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/शालादर्पण/2022-23 दिनांक : ● विषय: कक्षा 6 से 10 में अध्ययनरत अति पिछड़ा वर्ग (एम.बी.सी.) के छात्र/छात्राओं को देय पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति। ● विस्तृत दिशा-निर्देश वर्ष 2022-23

1. पात्रता एवं शर्तें:-

1. छात्र/छात्रा अति पिछड़ा वर्ग का ही हो। (एम.बी.सी. में 1. बंजारा, बालदिया, लबाना, 2. गाडिया-लोहार, गाडोलिया 3. गूजर, गुर्जर, 4. राईका, रैबारी (देवासी) तथा 5. गडरिया (गाडरी), गायरी जातियाँ शामिल है)
2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 09 व 10 में अध्ययनरत हो।
3. छात्र/छात्रा के माता-पिता या उनके संरक्षक (माता-पिता जीवित न होने पर) की वार्षिक आय 2.00 से अधिक नहीं हो। आय प्रमाण-पत्र सक्षम स्तर से जारी हो।
4. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।
5. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
6. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा-6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समान यह छात्रवृत्ति देय है।

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है :

क्र.सं.	वर्ग	कक्षा	दरें (10 माह हेतु)
1.	छात्र	6 से 8	50/- प्र. माह
2.	छात्रा	6 से 8	100/- प्र. माह
3.	छात्र	9 से 10	60/- प्र. माह
4.	छात्रा	9 से 10	120/- प्र. माह

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथि:-

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

8. प्री-कारगिल एवं पोस्ट कारगिल युद्धों तथा विभिन्न इन्सरजेन्सी काउन्टरों में शहीद/स्थायी रूप से दिव्यांग सैनिकों के आश्रितों को देय छात्रवृत्ति।

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांक: शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/शालादर्पण/2022-23 दिनांक : ● विषय: प्री-कारगिल एवं पोस्ट कारगिल युद्धों तथा विभिन्न इन्सरजेन्सी काउन्टरों में शहीद/स्थायी रूप से विकलांग सैनिकों के आश्रितों को देय छात्रवृत्ति। ● विस्तृत दिशा-निर्देश वर्ष 2022-23

1. पात्रता एवं शर्तें:-

1. छात्र/छात्रा प्री-करगिल एवं पोस्ट कारगिल युद्धों तथा विभिन्न इन्सरजेन्सी काउन्टरों में शहीद/स्थायी रूप से विकलांग सैनिकों का आश्रित हो। इस हेतु सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य है।

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 01 से 12 में अध्ययनरत हो।
3. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।
4. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
5. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा-6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समान यह छात्रवृत्ति देय है।

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है :

क्र.सं.	कक्षा	दरें (अधिकतम 10 माह हेतु)
1.	1 से 12	180/- प्र. माह

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथिः-

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

9. भूतपूर्व सैनिकों की कक्षा 11 व 12 में नियमित अध्ययनरत प्रतिभावान पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति।

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांकः शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/शालादर्पण/2022-23 दिनांक : ● विषयः भूतपूर्व सैनिकों की कक्षा 11 व 12 में नियमित अध्ययनरत प्रतिभावान पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति। ●विस्तृत दिशा-निर्देश वर्ष 2022-23

1. पात्रता एवं शर्तेः-

1. छात्रा भूतपूर्व सैनिकों की प्रतिभावान पुत्री हो। इस हेतु सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य है।
2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 11 व 12 में अध्ययनरत हो व गत कक्षा में 55% अंक प्राप्त किए हो।
3. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।
4. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
5. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा-6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समान यह छात्रवृत्ति देय है।

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है :

क्र.सं.	कक्षा	दरें (अधिकतम 10 माह हेतु)
1.	कक्षा 11 एवं 12	100/- प्र. माह

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथिः-

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

● **(गौरव अग्रवाल) आई.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

10. सफाई से जुड़े और स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के बच्चों को देय पूर्व मैट्रिक (Unclean) छात्रवृत्ति।

● कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर ● क्रमांकः शिविरा/माध्य/छाप्रोप्र/ए/शालादर्पण/2022-23 दिनांक : ● विषयः सफाई से जुड़े और स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के बच्चों को देय पूर्व मैट्रिक (Unclean) छात्रवृत्ति। ● विस्तृत दिशा-निर्देश वर्ष 2022-23

1. पात्रता एवं शर्तेः-

1. छात्र/छात्रा सफाई से जुड़े और स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के परिवार का ही हो। इस हेतु स्थानीय निकाय/सक्षम स्तर से जारी प्रमाण-पत्र अनिवार्य होगा।
2. छात्र/छात्रा राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नियमित एवं पूर्णकालिक विद्यार्थी के रूप में कक्षा 01 से 10 में अध्ययनरत हो।
3. छात्र/छात्रा जिसे केन्द्रीय, राजकीय/सार्वजनिक, धार्मिक स्रोत से अध्ययनरत हेतु किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति या भत्ता नहीं मिल रहा हो।
4. किसी भी कक्षा में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति केवल एक वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। यदि कोई विद्यार्थी अगले वर्ष में भी किसी कारण से उसी कक्षा में अध्ययन करता है तो उसे दूसरे वर्ष (अथवा बाद के

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

वर्ष के लिए) उसी कक्षा के लिए छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

5. राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.3 (29)शिक्षा-6/2014 दिनांक 18.12.2014 के अनुसार राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों के विद्यार्थियों को राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समान यह छात्रवृत्ति देय है।
6. केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत आधार ऑथेन्टिकेशन अनिवार्य होगा एवं छात्रवृत्ति राशि का भुगतान आधार से सीडेड बैंक खाते में डीबीटी द्वारा किया जाएगा।

2. छात्रवृत्ति की दरें इस प्रकार है :

DAYSCHOLARS

कक्षा छात्र/छात्रा	वार्षिक अनुदान
1 से 10	3500

HOSTLARS (छात्रावासी)

कक्षा छात्र/छात्रा	वार्षिक अनुदान
3 से 10	8000

छात्रवृत्ति प्रस्ताव प्रेषण हेतु तिथिः-

विवरण	अंतिम तिथि
संस्थाप्रधान द्वारा शालादर्पण पोर्टल पर वांछित सूचनाएँ ऑनलाइन अपलोड पश्चात सबमिट/लॉक करने की अंतिम तिथि	10.10.2022

• **(गौरव अग्रवाल) आइ.ए.एस.**, निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।

प्रपत्र-4 'क'

(प्री-कारगिल (1.4.99 से पूर्व) एवं पोस्ट-कारगिल (1.4.99 के पश्चात) युद्धों तथा अन्य विभिन्न इन्सरेन्सीज काउंटरों में शहीद/स्थायी रूप से दिव्यांग सैनिकों के आश्रितों हेतु छात्रवृत्ति आवेदन पत्र)

1. शहीद/स्थायी दिव्यांग सैनिक का नाम.........................
2. शहीद/स्थायी दिव्यांग होने की तारीख.........................
3. रैंक/यूनिट नम्बर..
4. शहीद/स्थायी दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र संलग्न करें।
   ....
5. उत्तराधिकारी (फौज के अभिलेख अनुसार) प्रतिलिपि संलग्न करें। उत्तराधिकारी के निवास स्थान का पूर्ण पता भी लिखा जावें।
   ....
6. शिक्षार्थी का नाम व शहीद के साथ संबंध (आवश्यक प्रमाण पत्र संलग्न किया जावें।)..
7. कक्षा जिसमें अध्ययनरत है......................................
8. विद्यालय का नाम एवं पूर्ण पता..................................

प्रति हस्ताक्षर (जिला सैनिक कल्याण अधिकारी)   हस्ताक्षर विद्यार्थी   हस्ताक्षर अभिभावक

भूतपूर्व सैनिकों की कक्षा 11 व 12 में नियमित अध्ययनरत छात्रा के रूप में प्रतिभावान पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति योजना

(सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र-ख)

क्रमांक :   दिनांकः..............

प्रमाणित किया जाता है कि श्री..............पद................ संख्या................भूतपूर्व सैनिक तथा इनकी पुत्री नाम............. कक्षा...............में अध्ययनरत है राजस्थान स्थित ग्राम............ तहसील............जिला ....के मूल निवासी है।

दिनांक :

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी
हस्ताक्षर मय मोहर

माह : अक्टूबर, 2022	**विद्यालय प्रसारण कार्यक्रम**	प्रसारण समय : दोपहर 12.40 से 1.00 बजे तक

दिनांक	वार	आकाशवाणी केन्द्र	कक्षा	विषय	पाठ का नाम	आलेखनकर्ता का नाम
01.10.2022	शनिवार	जयपुर	No Bag Day		गैरपाठ्यक्रम	
04.10.2022	मंगलवार	जोधपुर	12	अर्थशास्त्र	बाजार संतुलन	श्रवण कुमार मालवीय
06.10.2022	गुरुवार	उदयपुर	6	विज्ञान	भोजन के घटक	वीणा व्यास
07.10.2022	शुक्रवार	बीकानेर	9	सामाजिक विज्ञान	पालमपुर गाँव की कहानी	श्याम सुन्दर शर्मा
08.10.2022	शनिवार	जयपुर	No Bag Day		गैरपाठ्यक्रम	
13.10.2022	गुरुवार	उदयपुर	12	हिन्दी साहित्य	श्री जयशंकर प्रसाद	डॉ. बिन्नु कंवर शेखावत
14.10.2022	शुक्रवार	बीकानेर	10	संस्कृत	शिशुलाल्नम	शिवांगी
15.10.2022	शनिवार	जयपुर	No Bag Day		गैरपाठ्यक्रम	
17.10.2022	सोमवार	जयपुर	12	जीव विज्ञान	जैव प्रौद्योगिकी एवं उसके उपयोग	सुजीत कुमार
18.10.2022	मंगलवार	जोधपुर	8	हिन्दी	क्या निराश हुआ जाए	डॉ. मीना जाँगिड़

Rajasthan Education Department सत्यमेव जयते

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर

प्रभाग-4, शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग राजस्थान, अजमेर

October - 2022

Monthly telecast schedules for 12 TV channels (One Class, One Platform) of PM eVidya

S.No.	Class	Link for Monthly schedule	QR Code	S.No.	Class	Link for Monthly schedule	QR Code
1.	Class I	https://bit.ly/3LRpU5C		7	Class VII	https://bit.ly/3SLoXy9	
2	Class II	https://bit.ly/3Ciukz8		8	Class VIII	https://bit.ly/3SovVsP	
3	Class III	https://bit.ly/3UMU91H		9	Class IX	https://bit.ly/3dSMfTS	
4	Class IV	https://bit.ly/3dOJeUu		10	Class X	https://bit.ly/3CkghJm	
5	Class V	https://bit.ly/3SDzqvi		11	Class XI	https://bit.ly/3Ror3CR	
6	Class VI	https://bit.ly/3fq5B32		12	Class XII	https://bit.ly/3re3iCP	

Rajasthan Education Department

शिविरा पञ्चाङ्ग

अक्टूबर-2022

रवि	30	2	9	16	23
सोम	31	3	10	17	24
मंगल		4	11	18	25
बुध		5	12	19	26
गुरु		6	13	20	27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29

अक्टूबर 2022 ● कार्य दिवस-13, रविवार-05, अवकाश-17, उत्सव-03 ● 27 सितम्बर से 01 अक्टूबर : आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु तृतीय समूह की जिला स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05दिन) **1 अक्टूबर :** विद्यालय समय परिवर्तन- 1. एक पारी विद्यालय-प्रात: 10:00 से 04:00 बजे तक। 2. दो पारी विद्यालय-प्रात: 07:30 से सायं 05:30 बजे तक (प्रत्येक पारी 5:00 घंटे)। **2 अक्टूबर महात्मा :** गांधी जयंती (अवकाश-उत्सव) व लाल बहादुर शास्त्री जयंती (उत्सव) **3 अक्टूबर :** दुर्गाष्टमी (अवकाश) **4 से 5 अक्टूबर :** जिला स्तरीय विज्ञान मेला (RSCERT) **5 अक्टूबर :** विजयदशमी (अवकाश) **6 अक्टूबर :** सामुदायिक बाल सभा-सार्वजनिक स्थल/चौपाल पर आयोजित। **7 से 8 अक्टूबर :** जिला स्तरीय शिक्षक खेलकूद प्रतियोगिता। **9 अक्टूबर :** बारावफात (अवकाश-चन्द्र दर्शनानुसार), सामुदायिक बाल सभा आयोजन (विद्यालय परिसर में)। **10 अक्टूबर :** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (समग्र शिक्षा)। **10 से 12 अक्टूबर :** द्वितीय परख। **13 अक्टूबर :** विश्व दृष्टि दिवस (समग्र शिक्षा)। **13 से 18 अक्टूबर:** विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताएं आयु वर्ग-14/17/19 वर्ष (छात्र-छात्रा) हेतु तृतीय समूह की राज्य स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन (14 वर्ष हेतु अधिकतम 04 दिन एवं 17/19 हेतु अधिकतम 05दिन)। **15 अक्टूबर :** सामुदायिक बाल सभा-विद्यालय स्तर पर आयोजित। **19 से 31 अक्टूबर :** मध्यावधि अवकाश। **24 अक्टूबर :** दीपावली (अवकाश)। **25 अक्टूबर:** गोवर्धन पूजा (अवकाश)। **26 अक्टूबर :** भैया दूज (अवकाश)। **31 अक्टूबर :** सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती (राष्ट्रीय एकता दिवस) इन्दिरा गांधी पुण्य तिथि (संकल्प दिवस-उत्सव)। **अक्टूबर-2022 :** मा.शि.बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल एवं उन्नयन प्रतियोगिता का जिला स्तर पर आयोजन। **नोट :** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल एवं उन्नयन प्रतियोगिता का जिला स्तर पर आयोजन। ● प्रत्येक मंगलवार-IFA नीली गोली (कक्षा 6-12), IFA गुलाबी गोली (कक्षा 1-5)(समग्र शिक्षा) ● प्रत्येक शनिवार-विद्यालय में NO BAG DAY रहेगा। इस दिन माह के शनिवार हेतु नियत की गई गतिविधियों के आधार पर अध्ययन-अध्यापन यथासंभव प्रक्रिया संचालित की जाएगी। सप्ताह में आने वाले सभी जयन्तियां/उत्सव/प्रतियोगिताएं व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएं विद्यालय में NO BAG DAY यानी उसी सप्ताह के शनिवार को आयोजित किए जावें। ● DCG की द्वितीय बैठक का आयोजन इस माह में किया जाना है। ● माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की पूरक परीक्षा-2022 में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के बोर्ड आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया माह-सितम्बर, अक्टूबर-22 में (मा.शि.बोर्ड, अजमेर) ● जिला स्तरीय कला उत्सव (विद्यार्थियों के लिए)-सितम्बर के द्वितीय सप्ताह में (समग्र शिक्षा)।

भारत रत्न : लाल बहादुर शास्त्री

❒ सुनीता चावला

एक साधारण इंसान से प्रधानमंत्री पद तक लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन की असाधारण कहानी है। शास्त्री जी सच्चे और ईमानदार इंसान थे। उन्होंने अपने जीवन में सदैव ईमानदारी, नैतिकता एवं कर्त्तव्यनिष्ठता को सर्वोपरि रखा। उनके ये गुण, अच्छी आदतें एवं संस्कार प्रधानमंत्री जैसे शिखर पद पर आसीन होने पर भी व्यक्तित्व में समाहित रहे। जब भी कोई बात उनके सिद्धांतों, उनके विचारों के अनुकूल प्रतीत नहीं हुई तभी उन्होंने पद का त्याग कर अपने आदर्शों की नई परंपरा बना दी।

खेलने-कूदने और विद्यालय जाने की आयु में वे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए। शास्त्री जी महात्मा गाँधी के देशप्रेम एवं अहिंसक विचारों से बहुत प्रभावित हुए। जब गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन का आह्वान किया उस समय शास्त्री जी की आयु मात्र 16 वर्ष थी। वे कक्षा 10 की परीक्षा में बैठने वाले थे, लेकिन उन्होंने देशप्रेम को प्राथमिकता देते हुए पढ़ाई छोड़कर असहयोग आंदोलन से जुड़ गए। आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें जेल भी जाना पड़ा। जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने विद्याध्ययन आरंभ करने के लिए काशी विद्यापीठ में प्रवेश लिया। शास्त्री की परीक्षा उत्तीर्ण करने के कारण ही वे शास्त्री जी के नाम से पुकारे जाने लगे। काशी विद्यापीठ में शास्त्री जी के व्यक्तित्व में और अधिक निखार आया। इस विद्यापीठ का प्रत्येक शिक्षक, प्रत्येक विद्यार्थी देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत था। काशी विद्यापीठ के अनेक विद्यार्थी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री जैसे महत्त्वपूर्ण पदों का मान बढ़ा चुके हैं। शास्त्री जी ने एक बार अपने संस्मरण में लिखा था कि काशी विद्यापीठ का सर्वश्रेष्ठ उपहार वहाँ के शिक्षकों के जीवन की सरलता, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण एवं आत्म त्याग जैसी निस्वार्थ भावनाएँ थी। शास्त्री जी के जीवन के व्यक्तित्व के शैक्षिक, नैतिक एवं सांस्कृतिक पक्ष को विद्यापीठ के अनुपम शिक्षकों ने संवारा था। काशी विद्यापीठ में अध्ययन के साथ-साथ शास्त्री जी ने पूज्य बापू के लेखों को पढ़कर उनको जानने-समझने का प्रयास किया।

शास्त्री जी की हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ थी। लेकिन कार्यालय कार्यों एवं वार्तालाप में अंग्रेजी भाषा का उपयोग करते थे। वर्तमान की भांति पूर्व में भी यह परंपरा थी कि विशिष्ट पदों पर आसीन व्यक्तियों के भाषण की रूपरेखा, ड्राफ्ट आदि उनके साथ कार्यरत अधिकारी तैयार किया करते थे। प्राय: ये बुद्धिजीवी अधिकारी भाषा का सौंदर्य बढ़ाने के लिए अलंकारों, मुहावरों, जुमलों आदि का प्रयोग किया करते थे, लेकिन शास्त्री जी का यह विचार था कि रूपरेखा तो अच्छी होती है। यदि उसे अपने व्यक्तित्व के अनुरूप सरल, सहज भाषा का उपयोग करके यदि बात की जाए तो वह अधिक प्रभावशाली होती है। इस यथार्थता को आम जनता ने भी खूब सराहा। उनकी आदर्शवादी सोच को सभी का समर्थन भी प्राप्त हुआ। मंत्री पद की शपथ लेते समय शास्त्री जी ने ईश्वर के नाम की शपथ नहीं ली। वह हमेशा दुर्बोध एवं रहस्य पूर्ण विचारों से दूर रहे। यही कारण है कि शास्त्री जी ने लोगों की समस्या को उदार भावना से देखा और महसूस किया। भाषा की बात पर शास्त्री जी का मत बहुत ही परिपक्व था। केंद्र में अंग्रेजी की जगह हिंदी को राजभाषा बनाने पर गैर हिंदी भाषी राज्यों में नाराजगी थी। समस्याओं के निवारण करने के लिए उन्होंने सरकारी भाषा अधिनियम 1963 को क्रियान्वित करने का फैसला लिया। जिसके अनुसार संविधान लागू होने के 15 वर्ष की अवधि में सरकारी कार्यों एवं संसदीय कार्यवाही के दौरान हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा का उपयोग किया जा सकता था। शास्त्री जी चाहते थे कि एक राज्य के विद्यार्थी दूसरे राज्य की भाषा सीखें, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों को समझने के लिए अंग्रेजी भाषा भी सीखी जाए।

राजनीतिक जीवन– सन् 1947 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने लाल बहादुर शास्त्री को अपना संसदीय सचिव नियुक्त किया। उनकी योग्यता सूझ-बूझ एवं कार्यशैली से प्रभावित होकर उन्हें पुलिस एवं यातायात मंत्री बनाया गया। 1952 में राज्यसभा के सदस्य चुने गए और केंद्र में रेल एवं परिवहन विभाग के मंत्री बने। आंध्र प्रदेश के महबूब नगर में हुई रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस पद से त्यागपत्र दे दिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने घटना पर संसद में बोलते हुए, लाल बहादुर शास्त्री की अखंडता और उच्च आदर्शों का सराहना की। उन्होंने कहा कि वह इस्तीफा स्वीकार कर रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक औचित्य में एक उदाहरण स्थापित करेगा। इसके उपरांत वह परिवहन एवं यातायात मंत्री, व्यापार एवं उद्योग मंत्री तथा गृहमंत्री भी रहे। श्री जवाहर लाल नेहरु के निधन के बाद शास्त्री जी ने 9 जून 1964 को भारत के प्रधानमंत्री का पद ग्रहण किया। प्रधानमंत्री बनने के बाद महंगाई व अनाज संकट जैसी समस्याओं का समाधान दूर दृष्टि से किया। देश में अनाज संकट होने पर अमेरिका ने अनाज दान देने की पेशकश की, पर शास्त्री जी ने संतुलित शब्दों में देश को यह संदेश दिया कि साग-सब्जी अधिक खाओ। सप्ताह में 1 दिन उपवास रखो। हमें जीना है तो इज्जत से जिएँगे, वरना भूखे मर जाएँगे। 1965 में पाकिस्तान ने कश्मीर पर आक्रमण किया उस समय उन्होंने कहा कि आज सारे राष्ट्र के लिए, सारी कोम के लिए यह पुकार है कि वह चुनौती का वीरता से सामना करने के लिए तैयार रहे।

भारतीय सेना ने पाकिस्तानी आक्रमण का मजबूती से सामना किया। भारत के बहादुर सैनिकों ने पाकिस्तान को पराजित किया। जनवरी 1966 की प्रथम सप्ताह में भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं पाकिस्तान के राष्ट्रपति अय्यूब ने ताशकंद में 10 जनवरी 1966 को ताशकंद घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। 11 जनवरी 1966 प्रात:काल हृदयाघात से उनका निधन हो गया। राष्ट्र की आराधना करने वाले पवित्र पुजारी निश्चेष्ट हो गए। शांतिदूत अमर हो गए। भारत सरकार ने मरणोपरांत इन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित होने वाले ये पहले व्यक्ति थे। महापुरुषों के जीवन से हमें जीवन की कला की सीख मिलती है। जीवन की समस्याओं का सामना करने का मार्ग प्रशस्त होता है। कैसे जीवन जीना है उस का बोध होता है। हम महापुरुषों के सद्गुणों एवं आदर्शों की उनकी जयंती पर चर्चा तक ही सीमित नहीं रहे। हमें उनके जीवन प्रसंगों को बार-बार पढ़ना चाहिए और विद्यार्थियों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि वो महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर अच्छे, जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

वरिष्ठ संपादक,
शिविरा,
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर
मो: 9414426063

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

अधिकार बनाम कर्त्तव्य

❒ राहुल परमार

किसी कवि ने बहुत सुंदर लिखा है कि–

इंसानियत को ना जाने,
जीवन उसका व्यर्थ है सारा।
दूसरों के दुःख–दर्द को समझना,
यही है कर्त्तव्य हमारा।।

हमारी सनातनीय संस्कृति में स्वहित से ज्यादा परमार्थ को महत्त्व दिया गया है। परमार्थ के कार्यों में लोगों को विराट सोच और विशाल सहृदयता से अपने कर्त्तव्य धर्म का निर्वहन करते हुए देखते है। यही कारण था कि हमारा भारत विश्व गुरु था और सुख–समृद्धि से परिपूर्ण एक विकसित राष्ट्र था। इतिहास में भारत को सोने की चिड़िया कहा गया था उसकी वजह भारतीय नागरिकों की कर्त्तव्यपरायणता थी। प्राचीन भारत की तुलना में आज के आधुनिक भारत के नागरिक कर्त्तव्य से ज्यादा अधिकार ज्यादा जताते हैं। आजकल हम लोगों के मुख से यह कहते हुए ज्यादा सुनते हैं कि ''यह मेरा अधिकार है। राष्ट्र के संविधान में मुझे यह अधिकार दिए है। अभिव्यक्ति आजादी मेरा अधिकार है।'' हर जगह अधिकारों की पुकार है। हर व्यक्ति अपने अधिकारों की दुहाई के तर्क देता है और उसकी चाहत के लिए अपना हक जताता है।

देश में सर्वत्र लोग अधिकारों की बातें ज्यादा कहते हुए सुनते हैं लेकिन लोग यह कहते हुए कम ही सुनाई देते है कि 'यह मेरा कर्त्तव्य है।' संविधान में मौलिक अधिकार के साथ कर्त्तव्य भी तो दिए गए हैं लेकिन हम केवल अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए अधिकारों की दुहाई देते है और अपने कर्त्तव्य–दायित्व से अनजान रहते है। यह हमारे राष्ट्र के लिए एक चिंतनीय विषय है।

यह राष्ट्र के लिए शुभ नहीं है। अपने अधिकारों के नाम से राष्ट्र के साथ बहुत बड़ा अन्याय हो रहा है। व्यक्ति अधिकार के नाम से राष्ट्र–समाज एवं शासन से यह आशा करता है कि उसकी चाहत पूर्ण हो। क्या उसका यह कर्त्तव्य या दायित्व नहीं बनता है कि राष्ट्र–समाज की खुशहाली और तरक्की के लिए अपना कर्त्तव्य या दायित्व भी निभाए।

आज राष्ट्र में आए दिन अधिकारों के नाम से न जाने क्या–क्या हो रहा है? यह समझ से परे है। संविधान के मौलिक अधिकारों की दुहाई देने वाले लोग अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द को क्षति पहुँचा रहे हैं। यह राष्ट्र के लिए शुभकारी नहीं है। हम सभी राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक है। हर जिम्मेदार नागरिक को अपने अधिकारों के साथ अपने कर्त्तव्यों की भी समझ होनी चाहिए। हम आधिकारों के नाम ऐसा कोई कृत्य न करे जिससे राष्ट्र–समाज का सौहार्द बिगड़े। हम राष्ट्र को धर्म से ऊपर समझे और राष्ट्र की खुशहाली के लिए अपना ईमानदारी से कर्त्तव्य कर्म करे। कहते है कि 'राष्ट्र का नव निर्माण उस राष्ट्र के नागरिकों की कर्त्तव्यपरायण भावना में निहित है।' हम सभी मन, वचन और कर्म से अपने–अपने दायित्वों एवं कार्यों के प्रति समर्पित हो जाए और अधिकार से ज्यादा कर्त्तव्य को महत्ता देवे। राष्ट्र के नागरिकों के कर्त्तव्य पालन से ही राष्ट्र तेज गति से विकास करेगा और आगे बढ़ेगा।

अधिकारों के नाम से ऐसा कोई कृत्य या आंदोलन करने से बचे जिससे राष्ट्र–समाज की एकात्मकता–धार्मिक एवं सामाजिक समरसता को ठेस पहुँचे।

हम सभी एक जिम्मेदार नागरिक बन इस राष्ट्र को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अपने अधिकारो से ज्यादा अपने कर्त्तव्य को प्राथमिकता देवे। कर्त्तव्य बोध की भावना से ही अधिकारों की प्राप्ति होती है और राष्ट्र–समाज की चहुँमुखी उन्नति होती है हम सब राष्ट्र की खुशहाली और तरक्की के लिए अनुशासित और मर्यादित आचरण–व्यवहार से अपना कर्त्तव्य कर्म करे। पवित्र ग्रंथ गीता में लिखे मूल ध्येय 'कर्मण्याधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' के अमृत वाक्यांश को आत्मसात करते हुए पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से अपना सर्वोत्तम कर्त्तव्य कर्म करे। स्वामी आत्मानंद जी ने कर्त्तव्य बोध की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि 'जिस परिवार समाज और राष्ट्र में जितनी संख्या में कर्त्तव्यबोध से भरे मनुष्य होते है, वह परिवार, समाज और राष्ट्र उतनी ही मात्रा के बलवान, सम्पन्न और सुदृढ़ होता है। हमें शिक्षा विभाग रूपी परिवार में चाहे एक अधिकारी, शिक्षक एवं मंत्रालयिक कर्मचारी के रूप में जो भी उत्तरदायित्व मिला है, उस उत्तरदायित्व को पूर्ण निष्ठा, लगन एवं समर्पण भाव के साथ पूरा करने का सर्वोत्तम कर्त्तव्य कर्म करे।

अंत में कर्त्तव्य के संदर्भ में निवेदन करता हूँ कि, ''मान–सम्मान, यश–अपयश, सबको समझे समदृष्टव्य। बल–बुद्धि विवेक से करते रहो अपना कर्त्तव्य।।''

हम सबको सफल मनुज जीवन के लिए अधिकार से ज्यादा कर्त्तव्यबोध की भावना से अपने उत्तरदायित्व का पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन कर एक जिम्मेदार नागरिक की महत्ती भूमिका निभानी चाहिए।

वरिष्ठ सहायक
कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा, पाली (राज.)–306401

मैं भी हूँ, शिविरा रिपोर्टर!

शिविरा पत्रिका में 'मैं भी हूँ, शिविरा रिपोर्टर!' के नाम से स्थायी स्तंभ प्रारंभ किया गया है, जिसमें शिक्षक स्वयं रिपोर्टर की भूमिका में होंगे जो अपने कार्यरत विद्यालय के नवाचार, उत्कृष्ट शैक्षणिक–सह शैक्षणिक गतिविधियों, भामाशाहों–दानदाताओं के सहयोग से विद्यालय के संस्थागत विकास, पर्यावरण संरक्षण–संवर्धन के अनुपम कार्यों तथा विद्यालय स्टाफ के ऐसे अभिनव कार्य जो प्रेरकीय–अनुकरणीय हो, की रिपोर्ट मुद्रित अथवा सुपाठ्य हस्तलिपि में मय फोटोग्राफ्स संस्थाप्रधान से प्रमाणित करवाकर स्वयं के नाम, पद, कार्यरत विद्यालय का नाम मय मोबाइल नम्बर शिविरा पत्रिका के ई–मेल shivira.dse@rajasthan.gov.in अथवा वरिष्ठ संपादक, शिविरा पत्रिका, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर–334011 के पते पर भिजवाएँ ताकि शिविरा पत्रिका के आगामी अंक में प्रकाशित की जा सके।

–वरिष्ठ सम्पादक

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

लौह पुरुष : राजनीति का प्रकाश स्तम्भ

❐ राजीव गौतम

भारत रत्न, लौह पुरुष, सरदार, भारत का बिस्मार्क, बर्फ से ढका ज्वालामुखी जैसी अनेक उपमाओं, उपाधियों व अलंकरणों से विभूषित वल्लभ भाई पटेल को भारतीय दर्शन में आचार्य विष्णुगुप्त सा कूटनीतिज्ञ और शिवाजी महाराज सा दूरदर्शी, प्रखर राजनीतिज्ञ, कर्मवीर, स्पष्ट वक्ता तथा कुशल रणनीतिकार के रूप में अत्यंत सम्मान प्राप्त है। सरदार पटेल के व्यक्तित्व के तीन आयाम हैं। दृढ़ता, दूरदर्शिता और देशप्रेम। इस आइने से देखने पर उनका जीवन स्पष्ट प्रतिबिम्बित होता है।

31 अक्टूबर 1875 को नादियाद, गुजरात में जन्मे शक्ति पुंज वल्लभ ने 1895 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् 1895 से 1897 तक वकालत प्रांरभ के पूर्व सर्टिफिकेट के लिए अध्ययन किया। 18 वर्ष की आयु में झावेर बाई से विवाहोपरान्त उनके घर 1904 में पुत्री रत्न मणीबेन एवं 1906 में पुत्र रत्न दहया भाई पटेल ने जन्म लिया। 1906 में गुजरात में प्लेग के प्रकोप से प्रभावित पटेल ने एक मन्दिर के खण्डहर में रहकर प्लेग जैसी भयानक बीमारी पर विजय पाई। सामाजिक जीवन में संघर्षों ने पटेल को मानसिक दृढ़ता प्रदान की। सन् 1909 में उनकी पत्नी कैंसर व्याधि से पीड़ित हो गई। बम्बई के एक अस्पताल में ऑपरेशन असफल होने के पश्चात् झावेर बाई का निधन हो गया। यह समाचार मिला उस वक्त पटेल एक मुकदमे में न्यायालय में बहस कर रहे थे। उन्होंने टेलीग्राम को जेब में रखा और बहस जारी रखी। बहस पूर्ण होने पर अचानक बैठ गए और हताश हो गए, स्वयं को संभाला और यथाशीघ्र अंत्येष्टि में भाग लेने हेतु प्रस्थान किया।

पटेल ने गाँव के विद्यार्थियों के लिए बोरसद में एडवर्ड मेमोरियल हाई स्कूल की स्थापना की जिसका नाम उनके पिता के नाम से झाबेर भाई पटेल स्कूल हो गया।

सन् 1910 में 36 वर्ष की आयु में वल्लभ भाई ने लन्दन के मिडिल टेम्पल इन संस्थान में प्रवेश लिया। यहाँ उन्होंने समूचे विश्व के छात्रों को पीछे छोड़ सर्वोच्च अंकों से बैरिस्टरी की

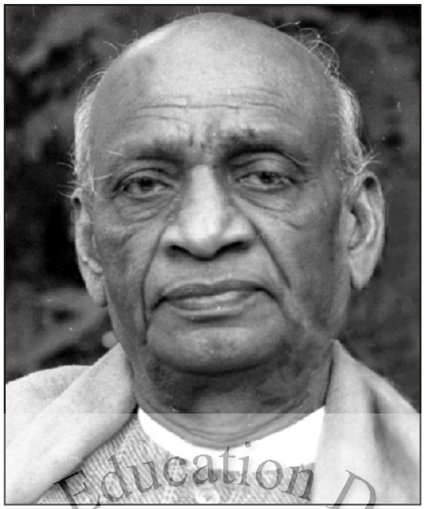

उपाधि प्राप्त की तथा भारत आकर अहमदाबाद के प्रख्यात बैरिस्टर बने।

अहमदाबाद के नागरिकों के आग्रह पर पटेल नगरपालिका सेनिटेशन कमिश्नर पद पर निर्विरोध चुने गए। अहमदाबाद के मुख्य उद्यान में महारानी विक्टोरिया की मूर्ति के ठीक सामने पटेल ने महान् क्रांतिकारी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की मूर्ति स्थापित करवा दी। अंग्रेजी शासनकाल में यह कार्य करना नितान्त असंभव प्रतीत होता था। महात्मा गाँधी ने पटेल के इस कार्य को अद्वितीय व साहसपूर्ण बताया।

सन् 1918 में पटेल ने खेड़ा के किसानों तथा अतिवृष्टि से हुई क्षति के कारण सरकार से लगान न वसूल करने की माँग करने के लिए 'खेड़ा सत्याग्रह' का आयोजन किया। इस सत्याग्रह से गुजरात के जनजीवन में एक नया उत्साह उत्पन्न हुआ और आत्मविश्वास जागा। भारतीय चेतना के इतिहास में इस आंदोलन का महत्त्व चंपारण सत्याग्रह से कम नहीं है।

गुजरात में सूरत जिले की बारडोली ताल्लुक उपजाऊ भूमि के कारण किसानों की अच्छी आर्थिक स्थिति के लिए जाना जाता था। अंग्रेज शासन ने इनके लगान पर यकायक 30 प्रतिशत वृद्धि कर दी। सरदार पटेल ने राज्यादेश के विरूद्ध गणमान्य लोगों और महिलाओं का संगठन बनाया। अंग्रेजों ने आंदोलन के दमन के प्रयास किए किन्तु आंदोलन उग्र होता गया।

पटेल के नेतृत्व में लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत को झुकने के लिए विवश कर दिया। तत्कालीन कलेक्टर मेक्सवेल ने लगान में वृद्धि को 30 प्रतिशत से कम कर 6.3 प्रतिशत करते हुए सरकार की नाक बचाई।

सरदार पटेल पर गाँधीजी का प्रभाव– राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और सरदार पटेल दोनों ने विदेश से बैरिस्टर परीक्षा उत्तीर्ण की थी। पटेल गाँधीजी के व्यक्तित्व से अत्यधिक प्रभावित थे। इसी कारण गाँधीजी के चंपारण आंदोलन में उनके साथ रहे तथा उनकी सेवा भी करते थे। खेड़ा सत्याग्रह महात्मा गाँधी के नेतृत्व में वल्लभ भाई पटेल का प्रथम सत्याग्रह था। दांडी यात्रा में वल्लभ भाई का योगदान महत्त्वपूर्ण था। यात्रा के रास्ते में जिस पथ से सत्याग्रही चलते थे उस पथ को सत्याग्रह हेतु उन्होंने ग्रामीण जनता से श्रमदान हेतु प्रेरित किया। सत्याग्रहियों के लिए गाँवों में रुकने के लिए आवास की व्यवस्था करना, भोजन आदि के लिए संसाधन एकत्र करने के लिए समिति का निर्माण करना, पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर सत्याग्रहियों के स्थान पर वैकल्पिक अविच्छिन्न सूची तैयार करना आदि प्रमुख कार्य भी किए। दांडी यात्रा के दौरान पटेल को गिरफ्तार भी कर लिया गया।

गाँधीजी और पटेल के बीच गहरे भावनात्मक संबंध थे, जो वफादारी और कुर्बानी की भावना पर आधारित थे और सत्ता, राजनीति और पद से बहुत आगे चले गए थे। यह सच है उन दोनों के बीच रणनीति संबंधी बहुत से मुद्दों के बारे में मतभेद उभरे जैसे– भारत विभाजन संबंधी निर्णय पर पटेल द्वारा असहमति जाहिर करना। फिर भी उन दोनों के बीच उन मूल्यों और मानदंडों के बारे में आधारभूत रवैया था, जिन पर राष्ट्रीय आंदोलन की दिशा और राष्ट्र निर्माण में आने वाली समस्याओं के ढाँचे का फैसला किया जाना था। पटेल और गाँधीजी के बीच वफादारी और वैयक्तिक स्नेह का बंधन अंतिम क्षण तक अक्षुण्ण बना रहा।

इस आंदोलन में बैरिस्टर वल्लभ भाई पटेल को सरदार पटेल नाम से संबोधित किया जाने लगा। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही भारत भूमि को धार्मिक आधार पर विभाजन का दंश झेलना पड़ा। फलस्वरूप विश्व मानचित्र पर नए राष्ट्र पाकिस्तान का उदय हुआ। सम्पूर्ण भारत सांप्रदायिकता की आग में जलने लगा। ब्रिटिश शासन की विघटनकारी नीतियों के कुचक्र से बंटवारा मात्र जमीन का ही नहीं वरन् भावनाओं का भी हो रहा था। जनसंख्या भारी तादाद में बंट रही थी। स्वतंत्रता सिद्धि के लिए कल तक संगठित जनता परस्पर अविश्वास और वैमनस्य के कारण हिंसक हो गई थी। देशवासियों में एक ओर खूनी संघर्ष, लूटपाट एवं आगजनी से चहुँओर हिंसा का तांडव शुरू हो गया था वहीं दूसरी ओर देशी राजाओं, नवाबों एवं निजामों के हृदय में सत्ता लोलुपता की महत्त्वाकांक्षा का बीजारोपण तत्कालीन ब्रिटिश शासकों द्वारा किया गया था।

स्वतंत्र हुए भारत में अराजक, अशांत व अनीति के वातावरण में शांति स्थापना के साथ राष्ट्र को गृहयुद्ध से बचाने का उत्तरदायित्व देश के प्रथम गृहमंत्री एवं उपप्रधानमंत्री श्री वल्लभ भाई पटेल को सौंपा गया। गृहमंत्री पर जनता की सुरक्षा एवं राष्ट्र की एकता बनाए रखने की दोहरी जिम्मेदारी थी।

सत्ता हस्तांतरण के समय भारत 565 रियासतों में बंटा हुआ था। पटेल ने आजादी से ठीक पूर्व ही (संक्रमण काल में) देशी रियासतों के एकीकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया था। स्वंतत्रता के समय विभाजन के नियम बनाते समय अंग्रेजों ने रियासतों को तीन विकल्प दिए भारत अथवा नवनिर्मित पाकिस्तान में विलय अन्यथा स्वतंत्र राज्य के रूप में शासन। किन्तु दृढ़प्रतिज्ञ, दूरद्रष्टा पटेल ने उन्हें मात्र एक विकल्प दिया भारत में विलय। गृहमंत्री पटेल ने 5 जुलाई 1947 को रियासतों के प्रति भारत की नीति को स्पष्ट किया कि तीन विषयों सुरक्षा, विदेश और संचार व्यवस्था के आधार पर इन्हें भारतीय संघ में सम्मिलित किया जाएगा। अधिकांश जागरूक एवं देशभक्त राजाओं ने 15 जुलाई 1947 से पूर्व ही विलय पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए थे।

फरीदकोट के राजा ने हस्ताक्षर करने में आनाकानी की तो पटेल ने फरीदकोट के नक्शे पर अपनी लाल पेन्सिल घुमाते हुए केवल इतना पूछकर मंतव्य स्पष्ट कर दिया कि क्या मर्जी है? राजा काँप उठा। आखिर 15 अगस्त 1947 तक केवल तीन रियासतें कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद को छोड़कर शेष सभी को लौह पुरुष पटेल ने भारत संघ में मिला दिया। तत्पश्चात् पटेल की सूझ-बूझ दृढ़ता और रणनीतिक चातुर्य के समक्ष उनकी एक न चली। जूनागढ़ का नवाब पाकिस्तान भाग गया, हैदराबाद के निजाम से सेना भेजकर आत्मसमर्पण करवाया और कश्मीर के राजा हरिसिंह ने स्वंय पटेल को विलय का सहमति पत्र सौंपा।

इस प्रकार आधुनिक भारत के निर्माता और राष्ट्रीय एकता के अद्वितीय शिल्पकार वल्लभ भाई पटेल ने बिना रक्तपात किए एक वर्ष में ही अखंड भारत राष्ट्र स्थापित कर दिया।

सरदार पटेल ने अहिंसा के बारे में अपना मत इस प्रकार प्रकट किया-

''जो तलवार चलाना जानता है, फिर भी तलवार को म्यान में ही रखता है उसी की अहिंसा सच्ची कही जाएगी। जो कायर है उसकी अहिंसा का क्या मूल्य।''

सत्याग्रह के बारे में पटेल कहते हैं-

''सत्याग्रह पर आधारित लड़ाई दो तरह की होती है-

पहली जो हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं और दूसरी वह जिसे हम अपनी कमजोरियों के खिलाफ लड़ते हैं।''

भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के अपरिमित, असीमित व विशाल व्यक्तित्व को शब्दों की सीमाओं द्वारा रेखांकित कर पाना निरा दुस्साहस प्रतीत होता है।

लौह पुरुष के जन्म दिवस 31 अक्टूबर 1963 को दैनिक हिन्दुस्तान में प्रकाशित श्रद्धांजलि- सरदार पटेल ने भारत की भाग्य लिपि अपनी लोह कर्मठता से लिखी है। वह लिपि देश का अखंड अनश्वर भूगोल बनकर उनके नेतृत्व कौशल की जय-जयकार करती है। गाँधीजी ने राष्ट्र जागरण का जो शंख फूंका था, सरदार ने उस घोष को अपने जीवन में प्रवृत्ति रूप देकर राष्ट्र की विविधमुखी शक्तियों को एक प्रबल प्रवाह से संगठित किया था। इस प्रवाह में संसार का सबसे बड़ा साम्राज्य ही नहीं बह गया, देश की अकर्मण्यता और हीनताएँ भी बह गई। शक्ति स्रोत से निकल शक्ति प्रवाह राष्ट्र की रगों में प्रवाहित होकर निज मूल्यों को फिर से लहलहाने लगे। शक्ति के विचार आकाश के साथ सरदार को अपनी मातृभूमि को ऐसे नररत्न भी गढ़कर दिए, जिन्होंने अपने प्रशासन कौशल से संसार को चकित कर दिया। सरदार स्वभाव से सेनापति तो थे ही, वे अपने इसी स्वभाव से सेनापति निर्माता भी थे। वे श्रेष्ठ नेताओं की फसल बोने वाले किसान थे।

जीवन काल में कमायी महत्ता और कीर्ति वास्तव में प्रशंसनीय है, किन्तु अक्षय अमर महत्ता तो वही है जो मृत्यु के बाद भी फलती-फूलती रहे। ऐसे पुरुषार्थियों को ही ऐसी महत्ता और कीर्ति नसीब होती है जिन्होंने कला के सिद्धांतों को अपने प्रचण्ड पराक्रम से सिद्ध किया है। सरदार पटेल ऐसी ही कीर्ति के पुरुष पुंगव थे। उनकी अक्षय कीर्ति को राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने अपने शब्दो में इस प्रकार स्पष्ट किया-

मातृभूमि के छः सौ खण्डों को,
जोत कलम नाम हल से।
एक खेत में परिणत जिसने किया,
सबल से, कौशल से।
अटल पुरुष अपना पटेल,
वह तृप्त आज निज कौशल से।
उपल कठिन मंजुल अल मय,
है अतुलनीय हिमाचल से।

सरदार पटेल के जीवन का क्षण-क्षण भारत में एक राष्ट्र का भाव जागृत करने हेतु समर्पित रहा, उनके विचार सदैव देश का मार्गदर्शन करते रहेंगे। भारत रत्न से सम्मानित लौह पुरुष सरदार पटेल ने 15 दिसंबर 1950 को अन्तिम साँस ली।

परवीन शाकिर के शब्दों में-

एक सूरज था कि तारों के घराने से उठा,
आँख हैरान है क्या शख्स जमाने से उठा।

अध्यापक
महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम),
मुरलीधर व्यास नगर, बीकानेर (राज.)
मो: 9413372441

Rajasthan Education Department

कमाल के थे डॉक्टर कलाम

❐ पवन कुमार स्वामी

हिन्दी साहित्य के एक बहुत ही प्रसिद्ध कवि तुलसीदासजी द्वारा रचित पंक्तियाँ- ''जननी जने तो भक्तजन या दाता के सूर, नहीं तो रहिजे बांझ मति गंवाए नूर'' यह चरितार्थ करती हैं कि भारतीय इतिहास में समय-समय पर ऐसी महान विभूतियों ने जन्म लिया है जो इतिहास में कालजयी हो गईं। ऐसे ही एक बेहतरीन शिक्षक, प्रख्यात वैज्ञानिक, मिसाइल मैन, लेखक, देश के राष्ट्रपति एवं भारत रत्न जैसी तमाम उपलब्धियाँ हासिल करने वाले डॉक्टर एपीजे. अब्दुल कलाम ने भारत माता की गोद में जन्म लिया। इनके जन्म दिवस को 'वर्ल्ड स्टूडेंट डे' के रूप में भी मनाया जाता है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 15 अक्टूबर के दिन को वर्ल्ड स्टूडेंट डे घोषित किया गया है।

कामयाबी के शिखर तक पहुँचने की कहानियाँ तो आपने बहुत सी पढ़ी और सुनी होंगी। मगर यह एक जीवंत कहानी है पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे. अब्दुल कलाम की। वे एक बेहद गरीब तमिल मुस्लिम परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में पैदा हुए थे। उनका जीवन बेहद संघर्षपूर्ण था। भारत की युवा पीढ़ी के लिए वे एक प्रेरणा स्रोत हैं। बचपन में ही वे अपने पिता की मदद करने के लिए अखबार बाँटने का काम करते थे। रामेश्वरम में उनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई और फिर मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से 1957 में कलाम ने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की।

डॉ. कलाम का मानना था कि सपने वह नहीं होते जो आप सोते समय देखते हैं, बल्कि सपने वे होते हैं जो आपको सोने नहीं देते। इसलिए आप सपने जरूर देखें और उन्हें पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करें। निश्चित रूप से सफलता आपके कदम चूमेगी। ऐसा उन्होंने अपने जीवन में भी कर दिखाया। उनका एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग बनने का सपना था, जो उन्होंने अपनी प्रतिभा एवं दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर पूरा कर दिखाया।

वे एक महान् वैज्ञानिक तो थे ही, इसके साथ-साथ वे एक आदर्श शिक्षक भी थे।

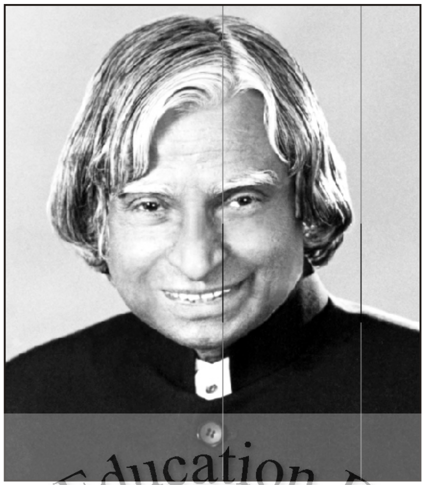

शिक्षक बनना उनके जीवन का प्रथम स्वप्न था। कलाम प्रतिदिन दो घण्टे लेखन कार्य करते थे और मध्य रात्रि या इसके बाद तक लिखने में व्यस्त रहते थे। अपने जीवन में उन्होंने अनेक पुस्तकें भी लिखीं। जिनमें इंडिया 2020, विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, द विंग्स ऑफ फायर, मिशन ऑफ इंडिया विजन ऑफ इंडिया न्यूज़ आदि प्रमुख हैं।

इसरो के लिए दिया गया उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने बहुत से प्रोजेक्ट का नेतृत्व किया। डॉक्टर कलाम को फाइबर ग्लास टेक्नोलॉजी में महारत हासिल थी। उन्होंने कम अपोजिट रॉकेट मोटर केसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट की जिम्मेदारी संभाली। वहीं प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में उन्होंने पहले स्वदेशी सैटलाइट लॉन्च व्हीकल (SLV-3)के विकास में अहम भूमिका निभाई। इसी (SLV-3)से रोहिणी उपग्रह को जुलाई 1980 में पृथ्वी की

> ***यदि आप सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह तपना सीखो!***
>
> **-डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम**

कक्षा में स्थापित किया गया था। इसी उपलब्धि के बाद से ही भारत विश्व के स्पेश क्लब में शामिल हो पाया। लगभग दो दशक तक इसरो में अपनी सेवा देने के बाद डॉक्टर कलाम डीआरडीओ में चले गए। उन्होंने वहाँ इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम का नेतृत्व किया और अग्नि एवं पृथ्वी जैसी मिसाइल निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण का संचालन भी डॉक्टर कलाम के नेतृत्व में ही हुआ। इससे भारत की गरिमा विश्व में बढ़ने के साथ ही भारत परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र भी बन गया।

रक्षा उपकरणों के विकास के क्षेत्र में भी डॉक्टर कलाम का योगदान उल्लेखनीय है। इसमें लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) विकसित करना उनकी प्रमुख उपलब्धि रही। इसके साथ-साथ बायोमेडिकल के क्षेत्र में भी उनका योगदान कम नहीं था। उन्होंने 1993 से 96 के बीच चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम के साथ मिलकर काम किया। जिसे कलाम राजू डॉक्टर कलाम एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सीमा राजू स्टंट विकसित किया। 1997 में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को भारत रत्न से अलंकृत किया गया। एक रक्षा विज्ञानी एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी होने के कारण ही उन्हें 2002 में भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। वे ऐसे देश के तीसरे राष्ट्रपति थे, जिन्हें राष्ट्रपति बनने से पहले ही भारत रत्न से अलंकृत किया जा चुका था। अपनी सादगी एवं बेदाग छवि के कारण ही उन्हें जनता का राष्ट्रपति कहा गया। 27 जुलाई 2015 को आईआईएम. शिलांग में छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया।

पठन-पाठन उनका प्रिय शौक था और वे अपने अंतिम क्षणों में भी इसी कार्य को समर्पित रहे। उनकी यादें देशवासियों को सदैव प्रेरित करती रहेंगी।

अध्यापक
पिलानी, झुंझुनूं (राज.)
मो: 9991842982

Rajasthan Education Department

प्रकृति से हम हैं हमसे प्रकृति नहीं

❒ मुकेश पोपली

मानव स्वभाव हमेशा से ही उस वस्तु की और अधिक आकर्षित होता आया है जो उसे बिना किसी विशेष प्रयास के उपलब्ध हो जाती है। हम सबको आकाश, सूर्य, चंद्र, सागर, नदियां, पहाड़, पृथ्वी, पानी के साथ-साथ अनेक प्रकार की खनिज सम्पदा बिना किसी प्रयास के उपलब्ध है। सभ्यता के विकास की बात करे तो प्रारंभ में हमारे चारों और जल ही जल था। धीरे-धीरे हम आगे बढ़े और हमने वृक्षों को इसलिए काटना शुरू कर दिया कि हम उससे अपने रहने के लिए घर बना सकें उन्हीं की छालों से हमने अपने वस्त्र बनाए। वृक्ष की घनी डालियों और जड़ों ने हमें अनेक प्रकार का भोजन उपलब्ध कराया लेकिन उनमें से कुछ खाद्य पदार्थों को अपने तक पहुँचाने के लिए पकाना भी आवश्यक लगा इसके लिए आग का प्रबंध भी हमने आसपास की झाड़ियों और अनेक प्रकार के छोटे वृक्षों की बलि चढ़ा कर किया। धीरे-धीरे स्थिति यह हो गई कि जिस हरियाली को हमने अपने भविष्य के लिए सुरक्षित रखना था उसका ही विदोहन करते रहे। मशीनी युग तक आते-आते हम न जाने कितनी प्रकार की बीमारियों को भी साथ ले आए प्रकृति से तो हमारा परिचय बचपन में ही हो जाता है। गीतों और लोक कथाओं के साथ-साथ हमारे अभिभावक और शिक्षक हमें प्रकृति के बारे में बहुत कुछ कह चुके होते हैं। हम प्रकृति के बीच रहकर प्रकृति से कितना दूर हो गए हैं । इस बात पर हम बिलकुल ध्यान नहीं दे रहे है। जलाशय और यह पृथ्वी जिस हम अपने स्वार्थ के वशीभूत हैं। हम यह भूल रहे हैं कि हमारे आस-पास के वृक्ष, झरने, पर हम अपना जीवन गुजार रहे हैं। होकर जीवन से जुड़ी प्रत्येक वस्तु को अपना मान बैठे हैं। बात ऊँचे पहाड़ों की हो या विशाल सागर की दूर-दूर तक फैले वीरान रेगिस्तान की हो या हरे-भरे खेतों की कम करती नदियों की हो या आकाश पर चमकते चाँद की इनके साथ हम सब यही कर रहे है जो हम चाहते है। दरअसल हमें प्रकृति की बारीकियाँ नहीं समझाई जाती और कभी-कभी हम अपने आपको भीड़ में शामिल करते हुए एक-दो

वृक्षारोपण कार्यक्रमों में भाग लेकर प्रकृति के प्रति अपने दायित्व से मुक्त हो जाते हैं। बर्फ से ढके पर्वतों को अपने कैमरे में उतारते हुए समुद्र में तरह-तरह के करतबों से अपना मनोरंजन करते हुए, नदियों के स्वच्छ जल के साथ अठ खेलियाँ करते हुए हम अपने साथ रखे हुए खाद्य पदार्थों के चमकदार कागजों, प्लास्टिक की बोतली और मुँहे-तुड़े लोहे के छोटे-छोटे डिब्बों को वहीं छोड़ देते हैं। हम यह जानते ही नहीं है कि यह सब तेज हवा के साथ उड़कर कहाँ जाएँगे। हमें तो सिर्फ इस बात की चिंता रहती है कि हम जहाँ पर्यटन के लिए जा रहे हैं वहाँ पर आधुनिक सुविधाओं और खाद्य पदार्थों की कितनी उपलब्धता है। जिन वृक्षों की ठंडी छांव तले वहाँ जाकर बैठते हैं, बचा हुआ खाने-पीने का सामान और शेष वस्तुओं को वहीं छोड़ आने से वातावरण कितना प्रदूषित हो जाएगा, हम नहीं सोचते।

नदियों के किनारे पर लाखों कल-कारखाने अपने उत्पादन से जुड़े हैं और उन्हें केवल उत्पादों के विक्रय से मिलने वाले लाभ की चिंता रहती है। अपने कारखानों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों और दूसरे कचरे को वो उन्हीं नदियों में निसंकोच बहा देते हैं। वह यह भूल जाते हैं कि जिन इठलाती और बल खाती नदियों के किनारे पर वो बैठे हैं, उन्हीं से बहुत से लोगों को जीवनयापन के लिए पानी मिलता है। उस पानी में इस तरह का कूड़ा-कचरा डालने से प्रदूषित पानी लाखों लोगों में पीलिया, पेट दर्द, पथरी जैसी बीमारियों और महामारी पैदा करता है।

घरों के आसपास कचरा फैलाते हुए हम न जाने कितनी नालियों का मुँह ढक देते हैं। इंसानों के साथ-साथ जानवरों के भी वहाँ पर साँस लेना मुश्किल हो जाता है। इनसे एक तो हम कीड़े-मकोड़ों को आमंत्रित करते हैं और साथ ही वातावरण को प्रदूषित करते हैं। ऐसी हालत हम खुद बनाते हैं और इन्हीं के कारण उत्पन्न रोगों की बात करते हुए प्रदूषित वातावरण के बारे में टिप्पणी करने से नहीं चूकते। हम अपने बच्चों को कागजों पर रंगों का प्रयोग करना सिखाते है। कभी-कभी किसी प्रतियोगिता के लिए उन्हें तरह-तरह के पेड़, फूल, झरने, नदियाँ बनाने और स्वच्छ वातावरण रखने के बारे में नियमों की जानकारी देते हैं लेकिन हम उन्हें आस-पास बने पार्कों में घूमने को नहीं कहते। हम उन्हें फूल तोड़कर दे देते हैं लेकिन कभी गमलों में पानी देने को नहीं कहते। हम बच्चों को भीड़-भाड़ से दूर कभी जंगलों की तरफ नहीं से ले जाते और न ही उनके बारे में पूरी जानकारी देते हैं बल्कि हम उन्हें जंगली जानवरों का भय दिखाते है। हम उन्हें बारिश के दिनों में आसमान से बरस रही निर्मल बूंदों में नहीं भीगने देते हैं क्योंकि हमें यह डर होता है कि वे बीमार हो जाएँगे। ऐसे में हम यह भूल जाते हैं कि घर के बाहर जो प्राकृतिक बयार बह रही है, उसका सेवन भी जरूरी है। हम अपनी और उनकी सुविधाओं के लिए ऊँचे और तमाम सुविधाओं से युक्त सुरक्षित मकान, महंगे

Rajasthan Education Department

फर्नीचर, एयरकंडीशनर, जनरेटर आदि चाहते हैं लेकिन ताजी हवा के लिए मन के अंदर कोई रोशनदान भी नहीं बनवाते। सुविधापूर्वक आवागमन के लिए हम कारों में सफर करते हैं लेकिन घर से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर बने बाजार में सामान लाने के लिए भी साइकिल पर या पैदल जाने के स्थान पर गाड़ियों में ही जाते हैं। तेज रोशनियों के बीच द्रुत गति में सड़कों पर दौड़ रही गाड़ियों के कारण फैल रहे वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण के बारे में हम जान बूझकर अनभिज्ञ रहते हैं लेकिन हम यह कहना नहीं भूलते कि पेट्रोल-डीजल जैसे पदार्थ महंगे होते जा रहे हैं।

हम यह जानना ही नहीं चाहते कि वर्तमान में जिस तरह से प्रदूषण ने हम सबको अपने जाल में लपेट रखा है, उसके जिम्मेवार हम स्वयं हैं। इस बात को हास्यास्पद बताते हुए हम हमेशा प्रशासकों और सरकारों पर लापरवाही का आरोप लगा देते हैं। प्रकृति से मिलने वाली सुविधा को ईश्वर ने प्रदान की है। वैसे तो हम अपनी परंपराओं को निभाते हैं, त्योहारों को उत्साह के साथ मनाते हैं और प्रकृति के हितार्थ कुछ काम करने हो तो अपना हाथ पीछे खींच लेते है हम आए दिन वृक्षों से कटने की खबर पढ़ते हैं लेकिन उसके बारे में कोई चिंतन-मनन नहीं करते। घर के बाहर नालियों में गिर चुके कचरे को बाहर निकालने के काम को हम सफाई करने वालों के लिए छोड़ देते हैं। हम अपनी गाड़ी से निकलते हुए काले धुएं के कारण सड़क पर पैदल चल रहे लोगों को होने वाली परेशानी के बारे में नहीं सोचते। नदियों और झीलों में कचरा फेंकने से बाज नहीं आते।

हम प्रदूषित वातावरण को पनपाने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं लेकिन उसको कम करने में बिलकुल नहीं। आजकल प्रत्येक व्यक्ति के पास मोबाइल है, प्रत्येक घर में दो-दो, तीन-तीन टेलीविजन हैं, लैपटॉप हैं। इनसे निकलने वाली विकिरणों की ओर हमारा बिलकुल ध्यान नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति भरी-पूरी दुनिया में एक मोबाइल लेकर अकेला घूमने के लिए स्वतंत्र है। आज किसी भी प्रकार का वीडियो बनाकर फैला दिया जाता है। खेदजनक बात यह है कि धर्म, जाति, राजनीति आदि पर तमाम बनाकर सोशल मीडिया पर बहसें हो रही है लेकिन इक्का-दुक्का संस्थाओं को छोड़कर प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या पर किसी का भी ध्यान केन्द्रित नहीं है।

वर्तमान में कोरोना काल ने सबका ध्यान ऑक्सीजन की ओर खींचा है। पहली लहर के दौरान अनेक ऐसे चित्र सोशल मीडिया पर देखने को मिले जिनसे पता चलता है कि सड़कों पर कम यातायात होने, नदियों में पानी का अनधिकृत रूप से बहाया जाना नगण्य होने और तीर्थयात्राओं के बहाने नदियों में स्नान बंद होने के कारण प्रकृति का रूप निखर गया और सबने राहत की सांस ली। उसके बाद फिर से हम लोग लापरवाह हो गए। चाहे वो सरकार हो या व्यक्ति, सबने समझा हमने कोरोना को हरा दिया और हमने सारे नियमों को ताक पर रखकर अपने काम शुरू कर दिए। नतीजा यह हुआ कि अधूरी तैयारियों के साथ हम दूसरी लहर का सामना करने के लिए अपने आपको तैयार नहीं कर सके और अनेक परिवारों के सदस्य इस दुनिया से असमय ही मौत के मुँह में चले गए। दूसरी लहर में अनेक मरीजों की ऑक्सीजन के अभाव में अकाल मृत्यु हो गई। अब हम ऑक्सीजन निर्माण की बातें कर रहे हैं। दूसरे देशों में इसे आयात करने की व्यवस्था कर रहे हैं। अगर हमने पहले ही प्रकृति को अपना दोस्त बना लिया होता तो शायद आज यह बुरा अवसर हमारे सामने नहीं आता। फिर भी अब यह तो तय हो गया कि ऑक्सीजन का भंडारण किया जाना आवश्यक है। इन सबके साथ-साथ भविष्य में इस प्रकार की महामारी से लड़ने के लिए वृक्षों की कटाई पर सख्ती के साथ नियंत्रण किया जाना आवश्यक है। नदियों, नहरों, कुँओं, तालाबों और झीलों जैसे जल संसाधनों की सफाई पर भी ध्यान दिया जाना आवश्यक है। साथ ही सड़कों पर आवागमन कम करने, प्लास्टिक की थैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से लागू करना अति आवश्यक है। अब हम सबको शत-प्रतिशत यह मान ही लेना चाहिए कि प्रकृति का विदोहन हम सबके लिए घातक है। इस पर किसी का अधिकार नहीं है। हमें यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि हम प्रकृति से हैं, प्रकृति से हम नहीं।

'स्वरांगन', ए-38-डी, करणी नगर,
पवनपुरी, बीकानेर (राज.)-334003
मो: 7073888126

आवश्यक सूचना

- **'शिविरा' मासिक पत्रिका में रचना भेजने वाले अपनी रचना के साथ व्यक्तिगत परिचय यथा- नाम, पता, मोबाइल नंबर, बैंक का नाम, शाखा, खाता संख्या, आईएफएससी. नंबर एवं बैंक डायरी के प्रथम पृष्ठ की स्पष्ट छायाप्रति अवश्य संलग्न करके भिजवाएँ।**
- **कुछ रचनाकार एकाधिक रचनाएँ एक साथ भेजने पर एक रचना के साथ ही उक्त सूचनाएँ संलग्न कर दायित्वपूर्ति समझ लेते हैं। अतः अपनी प्रत्येक रचना के साथ अलग से पृष्ठ लगाकर प्रपत्रानुसार अपना विवरण अवश्य भेजें। इसके अभाव में रचना के छपने एवं उसके मानदेय भुगतान में असुविधा होती है।**
- **रचनाकार अपनी रचना के संदर्भ में इस आशय का अवश्य प्रमाण पत्र रचना के साथ प्रेषित करेगा कि उसकी रचना मौलिक, स्वरचित एवं अप्रकाशित है। उक्त प्रमाण पत्र के अभाव में रचना के प्रकाशन पर विचार नहीं किया जाएगा।**

-वरिष्ठ संपादक

भूल सुधार

शिविरा पत्रिका माह सितम्बर-2022 के अंक के पृष्ठ संख्या 98 से 122 तक सितम्बर, 2021 को सितम्बर, 2022 पढ़ा जाए।

-वरिष्ठ संपादक

नेशनल रूरल आई.टी. क्विज

❒ दिलीप कुमार अग्रवाल

नेशनल रूरल आई.टी. क्विज प्रतियोगिता का आयोजनः– क्विज सूचना प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नोलॉजी एवं विज्ञान- तकनीकी विभाग, कर्नाटक एवं टाटा कंसलटेंसी सर्विस (TCS) द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में अध्यनरत कक्षा 8वीं से 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए प्रतिवर्ष रूरल आई. टी. क्विज का आयोजन किया जाता है।

नेशनल रूरल आई.टी. क्विज प्रतियोगिता में कौन भाग ले सकता है– आई.टी. क्विज में केवल ग्रामीण क्षेत्र में स्थित महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय, स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल एवं अन्य राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। निजी विद्यालय प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते हैं।

नेशनल रूरल आई.टी. क्विज प्रतियोगिता में कैसे भाग लें:– विद्यालय स्तर पर उक्त प्रतियोगिता का प्रचार एवं प्रसार करने के लिए एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षक को इस हेतु कॉआर्डिनेटर बनाया जाता है। शिक्षक प्रतियोगिता की सम्पूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को साझा कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रतियोगिता की तैयारी भी उक्त शिक्षक द्वारा करवाई जाती है।

नेशनल रूरल आई.टी. क्विज प्रतियोगिता में विद्यालय पंजीकरण कैसे करें– प्रतिवर्ष राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर द्वारा अगस्त में प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यालयों के पंजीकरण एक आदेश जारी किया जाता है जिसमें विद्यालय पंजीकरण एक गूगल फॉर्म का लिंक दिया जाता है। विद्यालय द्वारा उक्त लिंक पर विद्यालय संबंधी एवं कॉआर्डिनेटर शिक्षक की जानकारी भरकर निर्धारित तिथि तक आवेदन किया जाता है। प्रथम 250 विद्यालयों के ही विद्यार्थी इसमें भाग ले सकते हैं। निर्धारित तिथि तक आवेदन करने वाले विद्यालयों की सूची TCS द्वारा नियुक्त

क्विज कॉआर्डिनेटर द्वारा जारी की जाती है। इस वर्ष 18.08.2022 तक आवेदन किया गया था।

नेशनल रूरल आई.टी. क्विज प्रतियोगिता के चरण: नेशनल रूरल आई.टी. क्विज प्रतियोगिता निम्न चरणों में पूर्ण होती है।

1. विद्यालय स्तर पर आधे घंटे की एक लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाता है। परीक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नोलॉजी एवं विज्ञान-तकनीकी से संबंधित 15 प्रश्न पूछे जाते हैं। इस वर्ष प्रथम चरण की परीक्षा दिनांक 29.08.2022 को होनी है।
2. राज्य स्तर पर विद्यालय स्तर पर प्रथम 4 विजेता विद्यार्थी ही राज्य स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। विद्यालय द्वारा एंट्री फॉर्म में विद्यार्थियों एवं शिक्षक की जानकारी भर कर निर्धारित तिथि तक विभाग को जमा करवाना होता है। इस वर्ष 06.09.2022 निर्धारित तिथि तय है। दूसरे स्तर की परीक्षा ऑनलाइन होती है। इस हेतु विद्यार्थी स्वयं का स्मार्ट फोन लेपटॉप या विद्यालय की आईसीटी लेब का उपयोग कर सकते हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि अच्छा इंटरनेट कनेक्शन हो।
3. **क्षेत्रीय फाइनल–** उक्त चरण में भारत के सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को 8 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र से 4-5 राज्यों का समूह बनाकर प्रत्येक क्षेत्र से ऑनलाइन टेस्ट लिया जाता है। उक्त चरण में प्रत्येक क्षेत्र से 8 विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। उक्त विद्यार्थी क्षेत्रीय फाइनल में भाग लेंगे जो क्विज मास्टर द्वारा वर्चुअल प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। अखिल भारतीय के लिए 8 क्षेत्रीय भाग है। क्षेत्रीय फाइनल की तिथि एवं समय प्रश्नोत्तरी क्विज कॉआर्डिनेटर द्वारा सूचित किया जाएगा।
4. **नेशनल फाइनलः–** प्रत्येक क्षेत्रीय फाइनल के विजेता राष्ट्रीय फाइनल में भाग लेंगे जो नवम्बर 2022 के दौरान बेंगलुरु में आयोजित होगी। विद्यार्थी एवं एक शिक्षक के लिए हवाई यात्रा और आवास की व्यवस्था TCS द्वारा की जाएगी। नेशनल फाइनल में विजेता विद्यार्थी ही नेशनल रूरल आई.टी. क्विज विजेता होगा।

परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी रहता है।

परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों का क्षेत्रः–

The quiz will mainly focus on application of Technology across various sectors and aspects such as the technology, environment, the business, its people, new trends, legends, etc.

Areas where IT has made an impact- education, entertainment, books, multimedia,

music, movies, internet banking, advertising, sports, gaming, social networking and world of mobiles. World of internet and unique websites, IT buzzwords and acronyms

Personalia- International, nations and communications companies (e.g. Microsoft, TCS, IBM, Dell, Lenovo, Google, Amazon, Apple, etc.)

Software products, history of IT, companies and brands Also emerging areas such as

cloud computing artificial intelligence, telecom, biometrics and robotics. Students are advised to browse IT company's websites e.g.www.tcs.com, etc.

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

पुरस्कार :– क्षेत्रीय स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर सभी फाइनलिस्ट के लिए आकर्षक पुरस्कार होंगे। क्षेत्रीय विजेता– 10,000 रुपये के उपहार वाउचर और रनर-अप 7,000/-। राष्ट्रीय विजेता 1,00,000/- रुपये और राष्ट्रीय उपविजेता 50,000 रुपये इसके अलावा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्राप्त होगा। छात्रों का मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को भी प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे।

खेल के नियमः– क्षेत्रीय फाइनल में 4-5 राज्यों के समूह में शीर्ष 8 छात्र अपनी विद्यालय पोषाक में ही वर्चुअल रीजनल फाइनल क्विज कार्यक्रम में भाग लेंगे। यदि संभव हो तो उन्हें अपना स्कूल आईडी कार्ड ले जाना चाहिए और स्कूल से ही भाग लेना चाहिए। कृपया शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि अच्छा इंटरनेट कनेक्शन और बिजली की कटौती के मामले में जनरेटर पावर बैक-अप छात्रों को उपलब्ध कराया जाए।

क्विज मास्टर्स टीम रीजनल फाइनल क्विज से पहले सभी निर्देश साझा करेगा।

क्षेत्रीय फाइनल और राष्ट्रीय फाइनल अनंत प्रणाली (बाउंसिंग राउंड) के तहत आयोजित किए जाएंगे और इसमें मौखिक प्रश्न, ऑडियो विजुअल, कनेक्ट और रेपिड फायर राउंड शामिल होंगे। प्रत्येक राउंड से पहले स्कोरिंग सिस्टम को क्विज मास्टर द्वारा समझाया जाएगा। क्विज मास्टर का फैसला अंतिम होगा।

प्रश्नोतरी के अंत में स्कोर प्रदर्शित किए जाएंगे और विजेताओं की घोषणा की जाएगी।

प्रतिभागी छात्रों के अनुशासन और सुरक्षा के लिए संबंधित स्कूल जिम्मेदार होंगे। किसी भी घटना में टीसीएस प्रश्नोत्तरी के आयोजन और संचालन या उससे संबंधित किसी भी मामले से संबंधित किसी भी परिणामी नुकसान के लिए जिम्मेदार या उत्तरदायी नहीं होगा। टीसीएस बिना किसी सूचना के प्रश्नोत्तरी या तिथि को बदलने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

वरिष्ठ अध्यापक
स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल
किशनगंज, बारां (राज.)
मोः 9462064244

अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस

❒ शिवशंकर चौधरी

अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस हर साल अक्टूबर माह के दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है। यह पहली बार लायंस क्लब इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2000 में दृष्टि प्रथम अभियान के तहत शुरू किया गया था। इस दिन को दृष्टि हानि, अंधापन और अन्य दृष्टि संबंधी समस्याओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है। लगभग 90% द्रष्टिहीन लोग कम आय वाले देशों में रह रहे हैं। कुल आबादी के 39 मिलियन लोग द्रष्टिहीन हैं और लगभग 65% दृष्टिहीन लोग 50 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस नेत्र स्वास्थ्य कैलेंडर पर एक महत्त्वपूर्ण संचार और वकालत का समर्थन करता है। यह दृष्टि हानि और अंधेपन पर ध्यान खींचने पर केन्द्रित है।

लायन्स क्लब इंटरनेशनल फाउंडेशन ने वर्ष 2000 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दृष्टिहीनता की रोकथाम के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी के सहयोग से इस दिन को चिह्नित किया था। कुछ ऐसी बीमारियाँ हैं जो अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस पर ध्यान खींचती हैं, जैसे ट्रैकोमा, कम दृष्टि, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, अपवर्तक त्रुटि और मधुमेह रेटिनोपैथी।

इस दिवस की शुरूआत उन लोगों का समर्थन करने के महत्त्व को समझने के लिए की गई है जो ठीक से या बिल्कुल नहीं देख सकते। इस दिन का ध्यान विशेष रूप से इस बात पर केन्द्रित है कि ऐसी स्थितियों में लोगों की सहायता के लिए क्या कुछ किया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस कैसे मनाया जाता है– वर्ष 2000 के बाद से संशोधन और अन्य संबंधित दृष्टि दोषों के साथ-साथ दृष्टि विकारों की समझ और जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों में अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस मनाया जाता है। दृष्टि समस्याओं के साथ लोगों को प्रदान की गई आई केयर सहायता के लिए विभिन्न सेवाओं को बढ़ावा देने के साथ इस दिन को मनाया जाता है। इस दिन का विशेष रूप से उन लोगों के लिए अधिक महत्त्व है जो अपनी आँखों को नुकसान से बचाने के लिए तत्पर हैं। इस दिन द्रष्टिहीन लोगों को समर्थन देने के लिए व उनके जीवन को आसान बनाने के लिए कई अभियान भी चलाए जाते हैं।

हाल के वर्षों में दुनियाभर में हुई घटनाओं में से कुछ उदाहरण निम्नानुसार हैंः

भारत– अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस देशभर में अंधत्व के विभिन्न मुद्दों के प्रति जनता का ध्यान आकर्षित और सभी के लिए नेत्र स्वास्थ्य की चेतना के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। दिल्ली, कर्नाटक और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से विभिन्न नेटवर्क और संस्थानों के सहयोग से क्रिश्चियन ब्लाइंड मिशन भारत में इस दिन को चिह्नित करता है। भारत सरकार, नेत्र देखभाल विशेषज्ञ और आम लोगों ने इस दिवस पर नेत्र की स्थिति पर जागरूकता फैलाने के प्रयास किए। अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) सभी सहभागियों को निम्नलिखित निःशुल्क सेवाएँ प्रदान करता है–

- कम्प्यूटर तनाव और अन्य आम दृश्य समस्याओं से निपटने के लिए आँखों की देखभाल करने वाली युक्तियाँ।
- यदि आवश्यक हो तो दवा और लेंस शक्ति का प्रिस्क्रिप्शन।
- समावेशी नेत्र स्क्रीनिंग परीक्षा जो आँखों की दृश्य स्थिति की जाँच करेगी और मोतियाबिंद आदि जैसी बीमारियों का भी परीक्षण करेगी।
- किसी अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं पर चिकित्सा नियुक्ति।
- मधुमेह की जाँच के लिए तत्काल रक्त शर्करा का परीक्षण और मधुमेह के रेटिनोपैथी की संभावना का परीक्षण।

आँख हमारे शरीर का सबसे नाजुक और महत्त्वपूर्ण अंग है। इनकी देखभाल अति आवश्यक है। आजकल की व्यस्त जीवन शैली और अन्य रोगों की वजह से कई बार हम अपनी आँखों पर विशेष ध्यान नहीं दे पाते हैं। स्मार्ट फोन, टीवी और कम्प्यूटर पर घंटों बैठकर काम

Rajasthan Education Department

करने से हमारी आँखें कमजोर होती जा रही हैं।

आँखों की कमजोरी और ध्यान न देने के कारण आँखों के कई रोग उत्पन्न होने लगते हैं। दृष्टि हानि, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और अंधापन जैसी आँखों की अनेक गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं। आँखों की समस्या के कुछ लक्षण इस प्रकार होते हैं-धुंधलापन और साफ न दिखना, आँखों में या उसके आसपास दर्द, सूजन या खुजली, आँखों में जलन और लाल होना, आँखों के आगे छोटे धब्बे या कुछ उड़ता हुआ दिखना आदि।

विश्व दृष्टि दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में आँखों की बीमारियों और नेत्रदान के प्रति जागरूकता पैदा करना है। प्रत्येक वर्ष विश्व दृष्टि दिवस की एक थीम रखी जाती है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस (IAPB) ने इस वर्ष की शुरूआत में पुष्टि की थी कि वह पिछले साल के अभियान की सफलता पर निर्माण करने के लिए Love your eyes for world Sight Day 2022 के विषय को जारी रखेगी, जिसमें आँखों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए 3.5 मिलियन से अधिक प्रतिज्ञाएँ देखी गई।

मृत्यु के बाद एक व्यक्ति चार लोगों को रोशनी दे सकता है। पहले दोनों आँखों से केवल दो ही कॉर्निया मिलती थीं, लेकिन अब नई तकनीक आने के बाद से एक आँख से दो कॉर्निया प्रत्यारोपित की जा रही हैं। डीमैक तकनीक से होने वाला यह प्रत्यारोपण शुरू हो गया है। खास बात यह है कि व्यक्ति के मरने पर उसकी पूरी आँख नहीं बदली जाती है, केवल रोशनी वाली काली पुतली ही ली जाती है। दोनों कॉर्निया एक साथ नहीं बदली जाती हैं। मौत के छह घंटे तक ही कॉर्निया प्रयोग लायक रहती है।

आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया के जोनल अध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार ने कहा कि देश में अभी 25 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें कॉर्निया की जरूरत है। अगर उन्हें समय से कॉर्निया मिल जाए तो वे दुनिया का हर रंग देख पाएँगे।

- 37 मिलियन लोग द्रष्टिहीन हैं और 124 मिलियन लोग कम दृष्टि वाले हैं।
- 75% अंधेपन से बचा जा सकता है-या तो रोकथाम या उपचार द्वारा मानवीय मुद्दा-100 मिलियन पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को अंधे होने से बचाया जाएगा और विजन 2020 के सफल क्रियान्वयन से गरीबी और सामाजिक बहिष्कार से समस्या का मुकाबला किया जा सकता है।
- आर्थिक कारक- 22.3 बिलियन (अनुमान) एक सफल विजन-2020 द्वारा बचाया जाएगा। विश्व दृष्टि दिवस पर दुनियाभर के संगठन परिहार्य अंधेपन के उन्मूलन के लिए वैश्विक आंदोलन के बारे में जारूकता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते हैं।
- भारत में राष्ट्रीय सर्वेक्षण 99 के अनुसार द्रष्टिहीन के प्रमुख अग्रांकित कारण हैं-
- मोतियाबिंद- 55% मामलों में।
- अपवर्तक त्रुटियाँ-19%
- ग्लूकोमा-4%
- कॉर्नियल पैथोलॉजी-7%
- अन्य-15%
- द्रष्टिहीन की व्यापकता
- गरीब, अशिक्षित, महिलाओं और ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में द्रष्टिहीन की व्यापकता अधिक है।
- भारत में लगभग 2,70,000 दृष्टिहीन बच्चे हैं। 15 साल से कम उम्र के 5% बच्चों को चश्मे की जरूरत होती है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बचपन के अंधेपन को 6/9 की अपवर्तक त्रुटि के रूप में परिभाषित किया गया है। बच्चों में दृश्य हानि का सबसे आम कारण अपवर्तक त्रुटि है।

दृष्टिहीनता की परिभाषा:

- सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार। भारत की दृष्टिहीनता को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:
- सर्वोत्तम संभव तमाशा सुधार के साथ 6/60 या उससे कम की दृष्टि।
- या बेहतर दृष्टि में दृष्टि के क्षेत्र को घटाकर 20 या उससे कम करना।
- या एक आँख में 6/60 या उससे कम की दृष्टि सर्वोत्तम संभव तमाशा सुधार के साथ और दूसरी आँख में 20 या उससे कम दृष्टि क्षेत्र है।

निष्कर्ष: अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस एक महत्त्वपूर्ण घटना है। जो दृष्टिहीन लोगों की सहायता करने के लिए केन्द्रित है। छोटी-छोटी समस्याओं की अनदेखी नहीं करनी चाहिए क्योंकि आपको पता नहीं है कि आखिर में यही छोटी-छोटी समस्याएँ बड़ी समस्याएँ बन जाती हैं। आँख के रोगों से पीड़ित लोगों के लिए यह वास्तव में महत्त्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि आँख मानव शरीर का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। दृश्य हानि के बारे में जागरूकता जरूरी है क्योंकि पाँच में से चार लोग दृश्य हानि और अंधेपन की समस्या से पीड़ित है।

इस दिन का उत्सव बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि दृष्टिहीनता एक बहुत महत्त्वपूर्ण मुद्दा है जो दुनिया भर के लोगों के जीवन पर असर डालता है। यह दिवस दृष्टिहीन लोगों को समर्थन देने में बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे समाज के लिए काम करना आसान हो जाता है। यह दिवस इसलिए भी मनाया जाता है क्योंकि इससे दृष्टिहीनता से बचने के लिए क्या किया जा सकता है। इसके बारे में बताया जाता है। विश्व दृष्टि दिवस इस मुद्दे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए और दृष्टिहीन लोगों की भलाई के लिए धन जुटाने और बेहतर तरीके से उनके जीवन का समर्थन करने के लिए सबसे अच्छा मंच है।

प्रकृति के दिए हुए इस अनमोल उपहार 'दृष्टि' को अपने कुछ प्रयासों से हम हमेशा स्वस्थ रख सकते हैं। दृष्टि को स्वस्थ रखने के साथ-साथ हमारा ये कर्त्तव्य बनता है कि अगर हमारे नेत्रदान जैसे के नेक कार्य से हमारे इस दुनिया से जाने बाद अगर कोई व्यक्ति इस दुनिया को देख पाने में समर्थ हो पाएगा तो हमें अवश्य ही इस बारे में विचार करना चाहिए और इस ओर एक कदम बढ़ा के नेत्रदान करना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस के प्रयासों को सफल बनाने हेतु एक जागरूक नागरिक होने का कर्त्तव्य पालन हमें करना चाहिए। हमें स्वयं तो नेत्रदान करना ही चाहिए साथ ही साथ अपने मित्रों या सहयोगियों को भी प्रेरित करना चाहिए। नेत्रदान के साथ ही साथ नेत्र संबंधी अन्य विकारों से बचने के लिए भी हमें अपने समाज में जागरूकता को बढ़ाने हेतु प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम अधिकारी
समग्र शिक्षा, बीकानेर

Rajasthan Education Department

मातृभाषा आधारित शिक्षण

❒ नरेश पंवार

बालक की सहज भाषाई क्षमता व दक्षता को पहचाने बिना स्कूल की शैक्षणिक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा करना उसके सर्वांगीण विकास को अवरुद्ध करना है। राजस्थान ही नहीं भारत के भाषा परिदृश्य का विशिष्ट लक्षण है बहुभाषिकता, जो कि हमारी अस्मिता का निर्माण करती हैं इसलिए दैनिक जीवन और स्थानीय परिवेश में स्थानीय/क्षेत्रीय/मातृभाषा की भूमिका का महत्त्व महसूस किया गया है। मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा का शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में संसाधन के रूप में उपयोग न करना और कक्षा की कार्यनीति का हिस्सा न बना पाना शिक्षण प्रक्रिया का कमजोर पक्ष है।

राजस्थान राज्य में भाषाओं/बोलियों की विविधता एक जटिल चुनौती को पेश करती है। बालक की घरेलू भाषा का स्कूल में शिक्षण का माध्यम न होना, उसकी संस्कृति का स्कूल में सम्मान न होना व प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा न होना शिक्षण के व्यापक उद्देश्यों के विस्तार व प्राप्ति में अवरोध है। बहुभाषी शिक्षा और त्रि-भाषाई फार्मूला का प्राथमिक स्तर से प्रारम्भ ना होना भी विद्यार्थी के अधिगम में प्रमुख चुनौती है। राष्ट्रीय पाठयचर्या रूपरेखा (NCF-2005) के अनुसार बालक की परिचित भाषा/बोली (L1) जिसके साथ वह स्कूल आता है उसे रोककर अपरिचित भाषा (L2) में लगातार 6-10 साल पढ़ाए जाने के बावजूद कई बच्चे आधारभूत प्रारम्भिक दक्षता भी हासिल नहीं कर पा रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) में बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (Foundational Literacy and Numeracy-FLN) सर्वे में भी यह बात स्पष्ट हो गयी कि अब भी कई बालक भाषा व संख्या की बुनियादी दक्षता को पूरा नहीं कर पाए जिसका कारण घर की भाषा (L1) और स्कूल की भाषा (L2) का अलगाव अर्थात् स्कूल की भाषा व शिक्षार्थी की

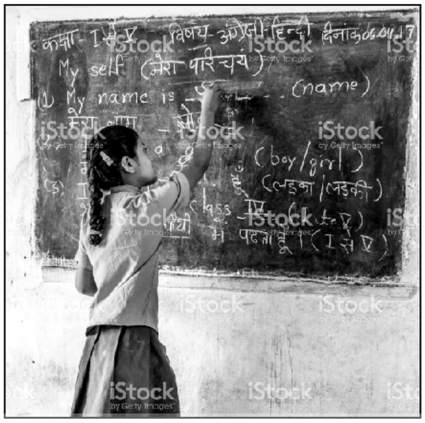

घरेलू भाषा पर्याप्त अंतर लिए होती है।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा निर्मित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP) में FLN के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत मातृभाषा आधारित शिक्षण की महत्ता को पहचान कर बहुभाषी शिक्षा की अनुशंसा की है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बहुभाषी शिक्षा/मातृभाषा आधारित शिक्षण की महत्त्वपूर्ण बातें-

1. आगामी पाँच वर्षों (2027 तक) में, प्रत्येक बच्चे को कक्षा 3 और उससे आगे बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (FLN) के कौशल हासिल होने चाहिए।
2. शिक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक रूप से बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल करने का होना चाहिए।
3. वर्तमान में बच्चों के घर की भाषा और शिक्षण के माध्यम की भाषा के मध्य जो अंतर मौजूद हैं उसको कम करने के लिए तात्कालिक रूप से सभी संभव प्रयास किए जाने चाहिएँ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों (विशेष रूप से 88, 90A और 90B) और निपुण भारत मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुसार राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर (RSCERT) द्वारा निम्नलिखित कार्य किए जाने हैं।

क्र. सं.	NEP टास्क नं.	कार्य विवरण
1.	88	बहुभाषी शिक्षा/ मातृभाषा आधारित शिक्षण के लिए शिक्षक अनुदेशनात्मक सामग्री का विकास
2.	90A	भाषाई सर्वेक्षण के माध्यम से राज्य की भाषाई विविधता को समझना।
		बहुभाषी शिक्षा के प्रयासों को नेतृत्व प्रदान करने के लिए बहुभाषी शिक्षा सेल का गठन।
		राज्य और जिला स्तर पर बहुभाषी शिक्षा के विशेषज्ञों का समूह तैयार करना।
3.	90B	स्थानीय सन्दर्भों से जोड़कर बाल साहित्य का विकास
4.	राज्य स्तरीय योजना	राज्य की भाषाई विविधता के अनुरूप विभिन्न जिलों के लिए शिक्षक अनुदेशनात्मक सामग्री के निर्माण से पूर्व दो जिलों (डूंगरपुर और सिरोही) में पायलेटिंग करना।

RSCERT द्वारा मातृभाषा आधारित शिक्षण के सन्दर्भ में किए गए मुख्य कार्य-

- निपुण भारत मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुसार पाँच-वर्षीय योजना का निर्धारण।
- FLN के अंतर्गत, प्रारंभिक कक्षाओं की शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में स्थानीय भाषा/मातृभाषा को स्थान देने के लिए शिक्षक अनुदेशनात्मक सामग्री का निर्माण।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्य

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

(विशेष रूप से 88, 90A और 90B) के अनुसार कार्ययोजना बनाकर समसा के साथ साझा किया।

- FLN की शिक्षक संदर्शिका में प्रारंभिक कक्षाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में मातृभाषा के महत्त्व पर एक अध्याय शामिल किया गया।
- SCF के भाषा के पोजीशन पेपर में मातृभाषा के विषय पर खासतौर पर फोकस किया गया है।
- FLN आधारित राज्य स्तरीय शिक्षण-प्रशिक्षण में मातृभाषा पर आधारित सत्र भी शामिल किए गए।

मातृभाषा आधारित शिक्षण के सन्दर्भ में आगामी किए जाने वाले मुख्य कार्य-

- राज्य की भाषाई विविधता को समझने के लिए सभी जिलों में भाषाई सर्वेक्षण।
- राज्य और जिला स्तर पर बहुभाषी शिक्षा के विशेषज्ञों का समूह तैयार करना।
- राज्य स्तर पर बाल साहित्य सामग्री का विकास करना।
- राज्य की भाषाई विविधता के अनुरूप विभिन्न जिलों के लिए शिक्षक अनुदेशनात्मक सामग्री के निर्माण से पूर्व दो जिलों (डूंगरपुर और सिरोही) में पायलेटिंग करना।
- मातृभाषा आधारित शिक्षण के सम्बन्ध में शिक्षक प्रशिक्षण मॉडयूल विकसित करना।
- राज्य सन्दर्भ व्यक्तियों, शिक्षा अधिकारियों, डाइट, व शिक्षकों को मातृभाषा आधारित/बहुभाषी शिक्षा के सन्दर्भ में ऑनलाइन व ऑफलाइन आमुखीकरण, क्षमतावर्धन तथा कोर्सेज करवाना।
- मातृभाषा आधारित शिक्षक अनुदेशनात्मक सामग्री के पायलेटिंग के परिणामों के आधार पर इसको अन्य विशेष आकांक्षी जिलों में भी लागू करना।

असि. प्रोफेसर,
आरएससीईआरटी उदयपुर

Classroom communication : Black board Activity

❐ Dr. Ram Gopal Sharma

Children need regular exposure to master a new language. They begin to build the vocabulary, grammatical structures and speech patterns that will lead to fluency. A teacher should use natural communication in different classroom situations. Here are some expressions that a teacher can use by using blackboard in the classroom while teaching.

A. Come out to the white/green/black board

- Come out to the board. please.
- Go to the board.
- Go up to the board.
- Come and stand by the board.
- You have already been out to the board.
- Who hasn't been out to board yet?
- Whose turn is it to write the sentence up?
- Come and write the word on the board.
- Come out and write that sentence on the board.
- Write that on the board.
- Write it here/there.
- Write it next to/above/below that word.
- Take a piece of chalk and write the sentence out.
- Here's a piece of chalk. Write it up on the board.
- Try and keep your writing straight/level.
- Come out, draw a cat on the board.
- Please write this down in your books.
- Write this out again at home.
- Write up these notes at home.
- Give away
- You have got chalk dust/pen on your fingers.
- Do you want to go to washroom and wash it off ?
- You have got chalk dust on the back side of your skirt.
- Can someone help her brush it off ?
- Can you pass the pen/chalk to the next person?
- Can anyone help Tejas spell that word!
- Sorry can you write a little bit bigger?
- Students at the back can't see.
- Write a little bit power further higher/to the right.
- move out of the way so that everyone can see.
- Step aside so that the class can see what you have written.
- Move to one side so that we can all see.
- Push the board up a bit.
- You'll have to lower the board slightly.

B. Go and fetch some chalk from the office

- A piece of chalk/ The chalk is finished.
- I've run out of chalk.
- Go and sec if theres. any next door.
- Go and ask Mr. Prasad for some (pieces of) chalk.
- Would you go and look for some chalk for me?
- Does anyone know where the chalk is kept?
- Do you know if theres s any coloured chalk?
- I have lost the pen/pen cap/board rubber/duster.
- Did anyone see where I put it?
- There doesn't seem to be a chalk in class.
- Can anyone go and ask for it from adjacent class?

C. Look at the blackboard

- Everybody look at the board, Please.
- Let's look at the sentences on the board.
- Look at the pattern on the board.
- Are the sentences on the board right?
- Are there any mistakes in the

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

sentences on the board?
- Can you see anything wrong with the sentences?
- Is there anything wrong with sentences ?
- Rub out the wrong word.
- Wipe out/off the last letter.
- Rub that off.
- Is there anything to correct in sentences?
- Okay. I'll write down the answers for exercise B on the board.
- Make correction in your book/notebook accordingly.
- I am only going to write the words I think are difficult, so please ask me if you have any other questions.
- Shout out any adjective you can think of.
- Is my writing big enough?
- Please tell me if the reflection on the board is a problem.
- I'll give you time to copy down later. so listen to me carefully.
- Okay I'll try to write in bigger font.
- Do you think closing the blinds/curtains could help?
- Can you see the board (better when I turn this light off ?)

D. Read from the board

- Vikas, read out the sentences on the blackboard.
- Mukul, read the first sentence.
- Let's all read the sentences from the board.
- We'll read them again. but this time all together.
- Look at the model/pattern on the board and ask questions.

E. Copy from the white/black/green board

- Copy this down from the board.
- I'll write up the correct answers on the board.
- I want you to copy the questions down in your notebooks.
- Copy this straight down into your notebooks.
- Make a note of the last two sentences.
- Try to note/jot down the new words as We go along.
- Has everyone finished copying from board?
- I have you finished with this part ?
- Copy faster, I need to erase this section.
- No need to copy everything from board , just copy what you feel important / necessary
- The parts which I have underlined / circled are important .
- Copy down these words carefully.
- There is no need to copy this down, it's all there in your books .

F. Clean the Board

- Whose turn is it to clean the board?
- Who is the monitor ?
- We can wipe off this last exercise now.
- Use the duster / sponge.
- Wet the sponge under the tap.
- You can wipe this line off .
- You can leave that exercise up .
- Leave the answers on the board .
- There's no need to rub that exercise off .
- Sangeeta, come and clean the board.
- Wipe off / rub off / erase the board.
- Erase / leave this / that section / top half / bottom half / right half / left half ....

Miscellaneous Expressions

- That's not how I see it.
- What a pity / shame !
- How disappointing!
- That's too bad.
- That's (just) so disappointing!
- We had high hopes for ...
- It did not live up to expectation .
- What we had been led to expect was ...
- I don't think much of that.
- I'm dead against people doing...
- It shouldn't be allowed!
- Who do they think they are ?
- How can people do things like that?
- Whatever next ?
- I'm not too keen on ...
- I'm not a big fan of....
- I'm not particularly fond of this.
- I can't stand it .
- I really hate it.
- I'm afraid , it doesn't appeal to me.
- Keep up the good work.
- That's a good effort.
- That's a real improvement.
- You're on the right lines.
- Keep going .
- Come on , you can do.
- Give it your best shot.
- If at first you don't succeed ....
- She had a baby.
- Sorry, I didn't hear the alarm clock.
- The alarm didn't go off.
- I slept right through the alarm.
- I had to wait ages for a bus.
- The bus was late.
- The traffic was terrible.
- I couldn't find a parking space .
- The roads were chock - a - block.
- I got lost coming here.
- It's not an easy place to find.
- One by one...
- I'm not one to complain, but...
- He's a right one !
- So so
- Fifty - fifty.
- She had a broad smile on her face.
- He was wearing a frown .
- He gave me a dirty look.
- Why the long face?
- He was purple with rage.
- I'm afraid I can't remember.
- I've completely forgotten.
- My mind's gone blank.
- Sorry, I have no memory of...
- I have no recollection of...
- Sorry. I forgot.
- I simply forgot to do it.
- What was I thinking of ?
- Oh no. it completely slipped my mind.
- Ninety percent of the time...
- Nine times out of ten...
- As a rule...
- What normally happens is...
- In general...
- Generally speaking...
- On the whole...
- By and large...
- It's up to you.
- You can do what you like.
- Do as you please.
- Do as you like.
- The choice is yours.
- Make up your own mind.

Chief Block Education Officer
Bajju (Bikaner)
Mob.: 9460305331

Rajasthan Education Department

पुस्तक समीक्षा

पिघला हुआ मन

लेखक : डॉ. ज्योति जोशी; **प्रकाशनः** बी.आर.के. फूड्स देवास स्वाध्याय प्रिंटिंग प्रेस, इंदौर; **पृष्ठ** : 100; **मूल्यः** ₹ 200 रुपये

'पिघला हुआ मन' डॉ. ज्योति जोशी विरचित सुंदर कवर पृष्ठ में आवृत तीन भाग अंतः मन और आरोह में विभक्त काव्य संग्रह है। हृदय की अतल गहराइयों से निकले भावों की अभिव्यक्ति का अप्रतिम दस्तावेज है यह काव्य संग्रह। स्वयं कवयित्री के शब्दों में 'कई बार लिखना चाहा मन को, पर इसे कहाँ लिखा जा सकता है। कई... बार अपने आप उतर आया कागज पर पिघलकर और मैंने इसे कविता समझ लिया/ उक्त पंक्तियाँ पढ़कर ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी प्रस्तर खण्ड के हृदय को चाक-चाक कर, कल-कल निनाद करते श्वेत शुद्ध जलधारा सदृश्य प्रवाहमान भावों का कुंज है यह काव्य संग्रह। 'पिघला हुआ मन' काव्य संग्रह के प्रथम भाग अंतः में 38 द्वितीय भाग मन में 28 तृतीय भाग आरोह में 21 कविताएँ हैं। काव्य संग्रह में संग्रहित कविताएँ कवयित्री ने अपने शाश्वत साथी को 'पिघले हुए मन' के माध्यम से समर्पित की है जो अमूर्त रूप से हम सब का शाश्वत साथी है।

काव्य संग्रह की प्रथम चरण की कविताओं में पूर्ण समर्पण के साथ कवयित्री का यह कहना कि- तुम कहते हो शरण में मेरी आजा, सब कुछ छोड़कर/अब तक मैं कहाँ थी?/क्या नहीं थी/शरण में तुम्हारी। उक्त कविता उन्नत किस्म के अपने आराध्य के साथ वैचारिक संबंध को प्रदर्शित करती है। इसी प्रकार शब्दातीत कविता में अपने 'अहं' को त्याज्य मानकर यह कहना हो सके तो मेरा अहं लेजा मुझसे/बहुत तकलीफ देता है/यह, मेरा ही पाला-पोसा। क्योंकि व्यक्ति जानता है कि अहं का परित्याग होने पर ही उस शाश्वत सत्ता का सान्निध्य प्राप्त हो सकेगा तभी तो कवयित्री अपने भाव हृदयस्पर्शी शब्दों में व्यक्त करते हुए कहती है-'उस अहसास को मेरे शब्द नहीं बता सकते/ उसके पिघलते ही, शब्दातीत तू जो उभरने लगता है।'

इसी क्रम में 'सिर्फ तुम्हारे लिए' में उनका कहना- ''मैंने झूठ बोला हमेशा/अपने आपसे/तुमसे और सबसे/ मैंने कहा मैं रोती हूँ/तुम्हारे लिए/मैं कभी नहीं रोयी तुम्हारे लिए जब-जब टूटी मेरी इच्छाएँ/फूटी आकांक्षाएँ/ खण्ड-खण्ड हुआ स्वाभिमान/भग्न हुई भावनाएँ/मैं रोयी/और आँसू तुम पर चढ़ा दिए। कविता में ऐसा प्रतीत होता है कि यह सत्य कवयित्री की जुबानी सृष्टि के प्राणिमात्र का सत्य है, हम सभी अपनी भग्न भावनाओं के साथ टूटी इच्छाओं के लिए रोते हैं और तुमने कहा.. कविता में ईश्वर को प्रकृति के विभिन्न रूपों में देखना एकदम नवीन उर्वर भावनाएँ है।

चरणों में तुम्हारे

लम्बी जिंदगी जीने के बाद/सोचती हूँ आज/ ठीक ही किया/तुमने सब मेरे लिए।/अपने आपको/देख सकूँ सुन्दर आइने में/ सुंदरता दी इतनी/कुरुपता भी थोड़ी/ थोड़ी बहुत/ इठला न सकी बेवजह।/संघर्ष दिए समझ सकूँ इंसानी जीवन।/सुख दिए/जी सकूँ घड़ी भर।/दिए दुःख भी बेरहम/ सुख की मदहोशी तोड़ते/सुख की पोल खोलते।/रिश्ते दिए, जान छिड़कते/जान लेते/जान देते रिश्ते/ पल-पल याद आते/रंगीन रेशमी रिश्ते भी कुछ/बँध सकूँ जिनसे/दुनिया में तुम्हारी।/झगड़े दिए/कर सकूँ तुम्हें याद कभी-कभीभूल न सकूँ/रिश्ते को शाश्वत/तुम्हारे मेरे कभी।/भूलें दी जीवन की/शरमा सकूँ खुद पर/एकांत में कभी।/भूल न होगी अब/कह दूँ कैसे?/हाँ, कुछ फूल जरूर लाऊँगी/भरकर झोली में/सजाने चरणों में तुम्हारे/तुम मिलोगे तब।

Rajasthan Education Department

कविता की कुछ पंक्तियाँ उदाहरण स्वरूप दूँ तो ये रचना के साथ अन्याय होता यही कारण है कि पूरी कविता 'ससीम से असीम' तक के सफर की पूरी गाथा है। 'आओ इस मन में' निःशब्द कविताओं को 'पैमाना' कविता के भावों का पैमाना नहीं बना सकते। कारण स्पष्ट है अपने शीर्षक के अनुरूप 'अंगुली थामे रखो, गिरने की चोट में/उतना दर्द नहीं/जितना आनन्द/तुम्हारी अंगुली थामने में है' जैसी कविताओं के शब्द और भाव साथ-साथ चलते हैं अन्य कविताएँ जैसे दर्द का नकाब ओढ़े, गीत तुम्हारा, पहचान, झरोखा वातायन के रूप में जीवन की स्मृति को आर-पार करती चलती है। पर तुम मिलोगे कविता में सीधा सा सवाल पूछती है कवयित्री तुम कहते हो/ राग छोड दूँ/द्वेष तज दूँ/ईर्ष्या मिटा दूँ/भस्म कर दूँ क्रोध/गला दू अहंकार/तब तुम मिलोगे/ किससे/मैं हूँ ही क्या/ इनके सिवा/ प्रश्न अत्यंत सार्थक है। मानवीय स्वभाव में ये सब दुर्बलताएँ तो स्वाभाविक है और जीवन नामक कविता तो जीवन का दर्पण ही है। मनुष्य इन सभी कमियों का पुतला ही तो है और जीवन क्या है/सोच ही नहीं पाती हूँ/अंतः में आकंठ डूबी रचनाओं में खोना बहुत छोटा सा शब्द है पर मायने बहुत बड़े है इसके तभी तो कवयित्री की जुबानी-बहुत बरस इस/अहंकार में जियी/पाना चाहती हूँ, तुम्हें मैं/कभी कोशिश ही नहीं की/खोने की खुद को/इसी क्रम में सखा और कहाँ ढूँढू, कब तक, सवाल कर रहा है मन मेरा कविताएँ भावात्मक धरातल पर अत्यंत मार्मिक बन पड़ी है उक्त कविता में-दिल बहुत दुखा था/पर फिर भी मैंने बड़ी आत्मीयता से/ उस दिन भी पाँव पखारे थे तुम्हारे फूल चढ़ाएँ थे तुम पर/मान कर जगत पिता परमेश्वर/न्याय प्रिय दयालु तुम्हें/कविता का एक-एक शब्द हृदय के भावों से अभिसिक्त पुष्प गुच्छ के रूप में कवयित्री ने उस असीम सत्ता के श्री चरणों में समर्पित किए हैं और यह उनकी अनुभूति है कि जिसमें मैं और तुम एकाकार हो जाएँ। सरल निश्छल हृदय से तुम्हारी मर्जी कविता में सबकुछ कहकर 'शुक्रिया' अदा करना वास्तव में डॉ. ज्योति की शानदार 'अदा' प्रतीत होती है। तू साथ था कविता के माध्यम से वो सदैव साथ ही है तभी तो मनुष्य में मनुष्यता है। स्वच्छन्द, मोहताज, मेला, वैद्य, अब भी मौजूद हूँ, कविताएँ वादा कविता के धीरे-धीरे/वादा निभा रहे हो तुम/ईश्वर के आश्रय में अंतस्थ प्रतीत होती है।

अंत के पश्चात कवयित्री ने मन की कुछ परतों से परदा हटाते हुए 'पिघला हुआ मन' कविता में नारी सुलभ जज्बातों को पूर्ण सत्य के साथ उकेरने का प्रयास किया है। सब कुछ व्यवस्थित करने वाली कोमलांगी भावनाओं के क्षेत्र में कहाँ स्वयं को व्यवस्थित कर पाती है? कविता में भावपूर्ण दर्द देखा जा सकता है-डर और आशा के भंवर में/डूबती तैरती मैं/उछल पड़ती हूँ अचानक/लौटा देख तुम्हें दरवाजे पर/और बोलना तुम्हारा/पागल.../पिघला हुआ वह कुछ/अचानक वह निकला/आँखों से मेरी।

'समर्पण' कविता केवल शीर्षक नहीं वास्तव में हृदय की प्रकृति का वास्तविक

समर्पण है- इसलिए जब कहते हो/नहीं रह सकता तुम्हारे बिना/तो हो जाती हूँ/गर्वित नारीत्व पर अपने/इसी प्रकार मन की उलझनों के मध्य बेनाम रहना भी एक स्त्री को सुकून का अहसास कराता है। बेनाम कविता के भाव कुछ इसी प्रकार के है। डॉ. जोशी की अन्य कविताओं की मानिंद 'तुम' कविता के भाव पुरुष प्रकृति को इंगित करते है। आपकी भुलक्कड़, तुम्हारी खुशी, खिसकती जिंदगी, जिंदगी के दर्श को दिखाती है। मृत्यु कविता में- तुम अगर चले गये हो तो/हमें कौन यहाँ रहना है/कितना सुख देता है यह विचार/तुम्हारे जाने के बाद/कविता भी 'कुछ और' कविता के समान स्वयं में वास्तविकता को समेटे है पर शायद यह प्यार नहीं/इसके लिए कोई और शब्द हो सकता है/तुम्हारे पास। अन्य कविताएँ तुम्हारा अभाव, कल, सैर, विश्वासपात्र, लिलिपुट, मिलोगे किसी मोड़ पर, मौजूदगी तुम्हारी, आँसू, समानुभूति, प्यार, तुम गए कविताओं को शब्दों की सार्थकता से महसूस किया जा सकता है। कितने दूर में- कितने दूर छूट गए हो तुम/जैसे नदी का दूसरा किनारा/जैसे उनींदा कोई सपना/पिछले जन्म की याद जैसे कोई/ सचमुच ऐसा प्रतीत होता है कि प्रत्येक कविता का शीर्षक स्वयं में एक साथ भाव माला के रूप में नारी मन के अंतस्थ को छूता हृदय के कैमरे में असंख्य बिम्ब बनाता चला जाता है।

जीवन की विविधा को समेटे आरोह में कवयित्री ने वीतराग से आरंभ कर 'नियती' से होते हुए पुनः आवृत्ति तक अपनी काव्य यात्रा को पहुँचाया है। इस भाग में 'दस में से दस' बचपन को छीनती स्थिति का अवलोकन करवाती हुई कविता है। यहाँ पर 'वो हँसी कहाँ से आती है', विवश, भोर, आओ फिर से एक बार, शहादत, अपना मौसम, निशां, नन्हीं माँए, वजूद, ट्यूमर आदि कविताओं में समाज में फैली विसंगतियों, कुरीतियों, नौकरशाही के भौंडेपन को उजागर किया है। 'पहली बार मुस्कुराया' कविता में 'घर में' माँ से सजी यादों को भीने-भीने शब्दों से सजाया है। छूटा जीवन कविता तो पूरी तरह आज के मध्यमवर्गीय महत्त्वाकांक्षी परिवारों का दर्पण है 'छूटा जीवन'-

एक उम्र के बाद/हम जीना छोड़ देते हैं/अपना जीवन।/जीने लगते हैं, अपने बच्चों के लिए/बच्चों के ही लिए/उनका जीवन।/पढ़ने लगते हैं उनकी पढ़ाई/देने लगते हैं उनकी परीक्षा/चुनने लगते हैं उनका करियर।/ मैनेजमेंट, डॉक्टर, इंजीनियर, आई.ए.एस..../ करने लगते हैं, उनकी तैयारियाँ/यू.एस., यू.के..../ढूँढ़ने लगते हैं उनके लायक जीवन साथी/और फिर सब कार्यों से फुर्सत होकर/कोशिश करते हैं जीने की फिर/अपना छूटा जीवन/एक बड़े अकेले मकान में/रोज शाम को आने वाले/पोते के फोन के इंतजार में।

समग्र रूप से कहा जाए तो अंतः की भांति मन और आरोह में/कवयित्री ने अपनी संवेदना, अकुलाहट, अर्पण, समर्पण, संतोष, उछाह, उमंग,/आनंद, खुशी, मौन और अनुभूति को जिस विश्वास के साथ समस्त पाठक वृंद का/सत्य माना है वह उसमें खरी उतरती है। कवयित्री शरण से आवृत्ति तक की यात्रा में पाठकों को अपनी अनुभूति से एकाकार कर लेती है। पुस्तक के प्रभावी सुंदर आवरण का छायांकन कृति जोशी रूपांकन सतीश दवे और संपादन डॉ. संध्या व्यास द्वारा किया गया है। पेपरबैक छपाई और कागज स्तरीय है। आशा है डॉ. ज्योति जोशी का यह काव्य संग्रह साहित्य जगत के मन के तारों को झंकृत कर विशिष्ट उपलब्धि अर्जित करेगा।

समीक्षक : **डॉ. संगीता पुरोहित**
सहायक निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर
मो: 9950956577

प्रेरक प्रसंग

मैं आपका चेहरा याद रखना चाहता हूँ ताकि जब मैं आपसे स्वर्ग में मिलूं, तो मैं आपको पहचान सकूं और एक बार फिर आपका धन्यवाद कर सकूं।

जब एक टेलीफोन साक्षात्कार में भारतीय अरबपति रतनजी टाटा से रेडियो प्रस्तोता ने पूछा- 'सर आपको क्या याद है कि आपको जीवन में सबसे अधिक खुशी कब मिली?'

रतनजी टाटा ने कहा- मैं जीवन में खुशी के चार चरणों से गुजरा हूँ और आखिरकार मुझे सच्चे सुख का अर्थ समझ में आया। पहला चरण धन और साधन संचय करना था। लेकिन इस स्तर पर मुझे वह सुख नहीं मिला जो मैं चाहता था। फिर क़ीमती सामान और वस्तुओं को इकट्ठा करने का दूसरा चरण आया। लेकिन मैंने महसूस किया कि इस चीज का असर भी अस्थायी होता है और कीमती चीजों की चमक ज्यादा देर तक नहीं रहती। फिर आया बड़ा प्रोजेक्ट मिलने का तीसरा चरण। वह तब था जब भारत और अफ्रीका में डीजल की आपूर्ति का 95% मेरे पास था। मैं भारत और एशिया में सबसे बड़ा इस्पात कारखाने का मालिक भी था। लेकिन यहाँ भी मुझे वो खुशी नहीं मिली जिसकी मैंने कल्पना की थी। चौथा चरण वह समय था जब मेरे एक मित्र ने मुझे कुछ विकलांग बच्चों के लिए व्हीलचेयर खरीदने के लिए कहा। लगभग 200 बच्चे के लिए। दोस्त के कहने पर मैंने तुरंत व्हीलचेयर खरीद ली। लेकिन दोस्त ने जिद की कि मैं उसके साथ जाऊँ और बच्चों को व्हीलचेयर सौंप दूँ। मैं तैयार होकर उसके साथ चल दिया। वहाँ मैंने इन बच्चों को अपने हाथों से ये व्हील चेयर दी। मैंने इन बच्चों के चेहरों पर खुशी की अजीब सी चमक देखी। मैंने उन सभी को व्हीलचेयर पर बैठे, घूमते और मस्ती करते देखा।

यह ऐसा था जैसे वे किसी पिकनिक स्पॉट पर पहुँच गए हो, जहाँ वे बड़ा उपहार जीतकर शेयर कर रहे हो। मुझे अपने अंदर असली खुशी महसूस हुई। जब मैंने छोड़ने का फैसला किया तो बच्चों में से एक ने मेरी टांग पकड़ ली। मैंने धीरे से अपने पैरों को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन बच्चे ने मेरे चेहरे को देखा और मेरे पैरों को कस कर पकड़ लिया। मैं झुक गया और बच्चे से पूछा, क्या तुम्हें कुछ और चाहिए? इस बच्चे ने मुझे जो जवाब दिया, उसने न केवल मुझे झकझोर दिया बल्कि जीवन के प्रति मेरे दृष्टिकोण को भी पूरी तरह से बदल दिया।

इस बच्चे ने कहा- मैं आपका चेहरा याद रखना चाहता हूँ ताकि जब मैं आपसे स्वर्ग में मिलूं, तो मैं आपको पहचान सकूं और एक बार फिर आपका धन्यवाद कर सकूं। उपरोक्त शानदार कहानी का मर्म यह है कि हम सभी को अपने अंतर्मन में झांकना चाहिए और यह मनन अवश्य करना चाहिए कि इस जीवन, संसार और सारी सांसारिक गतिविधियों को छोड़ने के बाद आपको किस लिए याद किया जाएगा? क्या कोई आपका चेहरा फिर से देखना चाहेगा जहाँ यह सब मायने रखता है ?

-संकलन : प्रकाशन सहायक

शाला प्रांगण से

अपने शाला परिसर में आयोजित समस्त प्रकार की बालोपयोगी एवं शैक्षिक गतिविधियों को पाठकों तक पहुँचाने का विनम्र प्रयास किया जाता है अतः आयोजित कार्यक्रमों का प्रतिवेदन बनाकर **shivira.dse@rajasthan.gov.in** पर भिजवाकर सहयोग करें।

-व. संपादक

भामाशाहों द्वारा कार्यालय टेबल कुर्सी, एयरपोर्ट सोफा एवं लेपटॉप भेंट किया गया

अलवर– राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गढ़ी को श्रीमान बिरदी चंद सैनी निवासी रामशाला गढ़ी ने कार्यालय टेबल, प्रधानाचार्य कुर्सी, अतिथियों के लिए एयरपोर्ट सोफा व दो प्लास्टिक कुर्सियाँ लागत 25,000/- अक्षरे पच्चीस हजार रुपये कीमत का सामान भेंट किया। भामाशाह श्रीमान भम्भू राम सैनी पुत्र श्री सुक्खाराम सैनी निवासी मथुराला गढ़ी ने एक लेपटॉप एच.पी. कम्पनी कीमत 35,500/- अक्षरे पैंतीस हजार पाँच रुपये का भेंट किया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि श्रीमान मातादीन गुर्जर पूर्व प्रधान थानागाजी, उप सरपंच श्री रामसिंह सैनी, भामाशाह हीरालाल गुर्जर राशन डीलर एवं विद्यालय स्टाफ श्री रोहिताश्व गुर्जर प्रधानाचार्य, श्री बलराम रैगर व्याख्याता, श्री हजारीलाल सैनी व.अ., श्री सुरेश चंद यादव व.अ., श्री बजरंग लाल धोबी व.अ., श्रीमती संगीता शर्मा व.अ., श्री नंदलाल वर्मा अ., श्री मनोज कुमार रैगर अ., श्रीमती ममता जोशी अ. एवं सुश्री प्रियंका दुहारिया क.स., श्री कमलेश कुमार शर्मा व.लि. आदि उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार दोनों भामाशाहों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। शुभकामनाएँ देता है।

भामाशाहों द्वारा विद्यालय को दान किया गया।

बाड़मेर– रा.उ.मा.वि. होडू, बाड़मेर को एक छत का पंखा भंवरलाल, रूपाराम सोनी होडू द्वारा एक छत पंखा, दो छत पंखे दिलीप सेंवर, देवारामजी सेंवर द्वारा भेंट। एक कबाट (लकड़ी की) परीक्षा कक्ष में खूमाराम जी, जालारामजी अलमीरा सुथार द्वारा विद्यालय को भेंट। टी.वी. शो केस भवेन्द्र कुमार गोयल प्रधानाचार्य होडू द्वारा लागत 20,000 रुपये, भंवरलाल गोयल द्वारा टांका मरम्मत 10,000 मरम्मत के लिए भेंट किया गया।

शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नागौर– राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सनेडिया में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय का संचालन छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। प्रधानाचार्य बनी कक्षा 11 की छात्रा शारदा लेगा ने छात्र अध्यापकों द्वारा करवाया जा रहा कक्षा कक्ष अध्यापन, पोषाहार कार्यक्रम का पर्यवेक्षण किया। प्रधानाचार्य ओम प्रकाश बुगालिया ने बताया कि विद्यार्थी सुमन कुमावत, संतोष कुमावत, संजू लेगा, तुषार वैष्णव, आरती, शर्मिला, रामप्यारी, मोनिका, प्रमिला ने अध्यापन करवाकर अध्यापक की भूमिका का बखूबी निर्वहन किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने गुरुजनों का माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम प्रभारी श्री हेमाराम कलकल ने डॉ. एस. राधाकृष्णन की फोटो पर माल्यार्पण करके उनकी शिक्षा को जीवन में उतारनरे का संदेश दिया। इस अवसर पर धर्मीचंद राव, रतनलाल कस्वां, माधु राम सुथार, रूपाराम कुमावत, नाथूराम गौरा, राधा किशन लाठड, श्याम लाल कमेडिया, रामचंद्र गेणा सहित अनेक ग्रामीण और स्टाफ साथी उपस्थित रहे।

भिलवाड़ी पीईईओ बनी भामाशाह, ग्रामीण ओलंपिक खेलों का आयोजन

झालावाड़– मीडिया प्रभारी श्री राजेश हरदेनिया ने बताया कि राजीव गाँधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के समापन कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य एवं पीईईओ सुश्री संजीदा परवेज द्वारा विद्यालय की प्राइमरी कक्षाओं के लिए एलइडी टीवी देने की घोषणा की गई। वही अध्यापक श्री चंद्र प्रकाश जाखड़ द्वारा एक सोफा सेट देने की घोषणा की। इसके पूर्व कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री सूरत राम जी गुर्जर, विशिष्ट अतिथि श्री मांगीलाल जी गुर्जर, श्री प्रदीप गुप्ता जी, श्री फैजल राणा ने विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। विद्यालय की प्रधानाचार्य सुश्री संजीदा परवेज द्वारा विद्यालय की टॉपर का ताज नाजमीन के सिर पर सजाते हुए 1100/- रुपए का नगद पुरस्कार दिए गए। प्रतिभाओं को सम्मानित करने के क्रम में श्री मुकेश जी गोचर व्याख्याता द्वारा 1000 रुपये, श्रीमती गरिमा शर्मा व्याख्याता द्वारा 500 रुपये, श्री रमेश चंद व्याख्याता द्वारा 500 रुपए दिए गए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए प्रधानाचार्य सुश्री संजीदा परवेज द्वारा 1100 रुपये, श्री सूरतराम जी गुर्जर द्वारा 500, श्री फैजल राणा द्वारा 500, श्री प्रदीप गुप्ता द्वारा 101 रुपये पुरस्कार स्वरूप दिए गए। अंत में मुख्य अतिथि श्री सूरत राम जी गुर्जर द्वारा ओलंपिक खेलों के विधिवत समापन की घोषणा की गई।

शिक्षा शनिवार नो बेग डे पर गतिविधियों का आयोजन

बूँदी– राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जावरा में शनिवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ। संस्थाप्रधान श्री जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार शनिवार को मैं वैज्ञानिक बनूँगा कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। अध्यापक गजेन्द्र राठौर के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने कक्षा 1 व 2 में आओ रंगों से खेले एवं पत्तियों को जाने, कक्षा 3 से 5 मेरे हाथ कितने साफ, मेरा गुब्बारा मेरा रॉकेट तथा कक्षा 6 से 8 में आओ खेले और बनाएँ टेलीफोन तथा क्या डूबा क्या तेरा विषय पर गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने कागज के गिलास में धागा लगाकर बनाए गए टेलीफोन से

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

बातचीत करने एवं क्या डूबा क्या तेरा गतिविधि में तैरने वाली वस्तु पर चुटकी बजाकर तथा डूबने वाली वस्तु पर ताली बजाकर गतिविधि को सीखने का प्रयास किया। इस अवसर पर अध्यापक राम लक्ष्मण मीणा, गजेन्द्र राठौर, महेन्द्र स्वामी, परशुराम मेघवाल, राकेश कुमार आदि ने सहयोग किया।

विद्यालय में नो बैग डे अनूठे अंदाज में मनाया गया।

बीकानेर– व्याख्याता श्री अमरदीप गोदारा ने बताया कि प्रति शनिवार को विद्यालयों में नो बैग डे मनाया जाता है। इसी क्रम में राउमावि. शिवबाड़ी में प्रधानाचार्य श्रीमती उर्वशी शर्मा के मार्गदर्शन में इस शनिवार को स्टार्क फाउंडेशन बीकानेर के प्रतिनिधियों को बुलाकर कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर से संबंधित नवीन जानकारियों से रूबरू करवाया। सभी छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर से संबंधित स्टार्क फाउंडेशन बीकानेर के दक्ष शिक्षक ने जानकारी प्रदान की साथ ही सेमिनार के पश्चात कम्प्यूटर जानकारी को लेकर एक परीक्षा का भी आयोजन किया गया जिसमें विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इस कम्प्यूटर सेमिनार में विद्यालय के व्याख्याता श्री मधुसूदन सांखला, श्री कैलाश चौधरी, श्रीमती सोनिया प्रभाकर, श्रीमती सरोज मेघवाल एवं व.शा.शि. श्री रामकिशन मान, व.अ. श्री त्रिमूर्ति भाटी, श्री शकील अहमद, श्री सिकंदर यादव भी उपस्थित रहे।

ग्रामीण ओलंपिक खेलों का भव्य समापन

बाड़मेर– ग्राम पंचायत सणाऊ चौहटन में गुरुवार वयोवृद्ध समाजसेवी सबलसिंह भोपा के मुख्य आतिथ्य, सरपंच प्रतिनिधि कुंवर तनसिंह की अध्यक्षता एवं कनिष्ठ अभियंता मूलचंद तंवर, श्रीमती कूंतादेवी तामलाराम राजीविका जिला अध्यक्ष के विशिष्ट आतिथ्य में समापन समारोह विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। सुबह आठ बजे पंजीकृत टीम और टीम महादान सिंह ढाणी के बीच फाइनल मैच खेला गया जिसमें पंजीकृत टीम विजयी रही। सणाऊ दीपसिंह भाटी ने सरकार की विविध फ्लैगशिप योजनाओं का उल्लेख करते हुए प्रतियोगिता के सफलतम आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। ठेकेदार हिंगोलसिंह सणाऊ द्वारा भोज दिया गया। मुख्य अतिथि ठाकुर सबलसिंह ने खिलाड़ियों को ब्लॉक व जिला स्तर पर जीत का आशीर्वाद तथा सरपंच प्रतिनिधि कुंवर तनसिंह ने ग्राम पंचायत की ओर से खेल व विद्यालय विकास में हर संभव मदद की घोषणा की। समारोह का संचालन शिक्षक महेन्द्र कुमार सोनी व संजय सिंह राजपुरोहित ने किया। इस मौके पर सर्वश्री छुगसिंह, सवाई सिंह, तामलाराम, मंदरूपाराम, अंबाराम, चनणाराम, मानसिंह, प्रेमसिंह, रूपसिंह सहित सैंकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ध्वजावतरण व राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

कृष्ण बनो प्रतियोगिता में बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

झालावाड़– राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय हरीगढ़ में श्री कृष्ण बनो प्रतियोगिता व श्रीकृष्ण आधारित भजनों व गीतों पर नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतिमा हरिजन व अध्यक्षता पूजा मीणा ने की। प्रधानाध्यापक प्रेम दाधीच ने

बताया कि श्री कृष्ण बनो प्रतियोगिता में 40 बालिकाओं ने भाग लिया। ये सभी बालिकाएँ अपने घरों से कृष्ण व राधा के स्वरूप में बनकर आए। जिससे पूरे गाँव में कृष्ण भक्तिमय माहौल बन गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले व जिन्होंने भी भाग लिया सभी को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रियंका दुबे, रामसिया, सरोज मीना, ओमप्रकाश, सियाराम, मोहन सिंह, कहकशा, अजय कुमार, पृथ्वीराज सहित कई ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

नेशनल यूथ अवॉर्डी द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ दिलाई गई।

कोटा– नेशनल यूथ अवॉर्डी, पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन ने विद्यालय में बच्चों को स्वच्छता, पॉलीथिन की थैलियों का उपयोग नहीं करने व बालिका पढ़ाओ-बालिका बचाओ का संदेश दिया। सबको शपथ भी दिलाई। पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना का अभियान चला रही नेशनल यूथ अवॉर्डी पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन ने आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ठिकरिया जिला चित्तौड़ में विद्यालयी बालक-बालिकाओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दिव्या ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें न केवल स्वयं को बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण को बचाने के लिए अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ रखना है साथ ही अन्य को भी प्रेरित करना है। दिव्या ने पॉलीथिन की थैलियों से पर्यावरण को निरंतर हो रहे नुकसान के विषय बताया और सबसे कपड़े, कागज, जूट आदि से बने थैलों में ही सामान लाने के लिए कहा; साथ ही ही खाली समय में कपड़े के थैले बनाने के लिए भी प्रेरित किया। बच्चों को पर्यावरण मित्र पत्रिका की प्रति व स्टिकर भी निशुल्क वितरित की। बाद में दिव्या ने सभी बच्चों को बालिका शिक्षा का महत्त्व बताते हुए बालिका बचाओ-बालिका पढ़ाओ संदेश देते हुए सबको सामूहिक शपथ भी दिलाई। दिव्या ने कहा कि आपके जागरूक होने पर अन्य जन भी जागरूक होंगे। इस प्रकार जन जागरूकता की कड़ी बनती चली जाएगी।

संकलन : **प्रकाशन सहायक**

Rajasthan Education Department

ज्ञान संकल्प पोर्टल

भामाशाहों ने बदली विद्यालय की तस्वीर

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मड़िया (सिरोही)

❒ गनीखान

प्रदेश में अपनी तरह का अलग विद्यालय– सिरोही जिले का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मड़िया (सिरोही) पिछले एक साल से शिक्षा के मानचित्र पर अपनी एक अलग ही छवि में उभरकर सामने आया है। विद्यालय के इस नए कलेवर को मूर्त रूप देने का जिम्मा प्रधानाचार्य श्रीमती अंजुरानी कांटीवाल ने इस विद्यालय में पदस्थापन दिनांक 20.07.2018 के उपरांत संभाल लिया था, तब से ही जो आवश्यकताएँ महसूस की जा रही थीं, उन सब संभावनाओं को स्टाफ के साथ मिलकर तलाशना शुरू किया, तो बस आगाज की ही देरी थी ग्रामवासियों व भामाशाहों के साथ चलने से उनकी हर पहल के सकारात्मक परिणाम निकलने लगे।

जिसके परिणामस्वरूप आज यह विद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति की राह पर बढ़ता हुआ प्रदेश ही नहीं वरन् संपूर्ण देश में सरकारी क्षेत्र में अपनी अनूठी छाप छोड़ता नजर आ रहा है। प्रधानाचार्य ने अपनी मेहनत, लगन, निष्ठा व अलग विशिष्ट कार्य शैली के दम पर स्टाफ के साथ मिलकर शैक्षिक स्तर को सुधारने हेतु सर्वप्रथम अतिरिक्त कालांश व उपचारात्मक शिक्षण के जरिए, जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए। शैक्षिक क्षेत्र के अतिरिक्त भौतिक विकास, नामांकन, खेलकूद, पेयजल, वृक्षारोपण इत्यादि सहशैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ विभागीय योजनाओं पर भी उत्कृष्ट कार्य का निर्वहन किया जिसके परिणामस्वरूप विद्यालय ने पिछले 2 वर्षों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उत्कृष्ट शैक्षिक कार्य के लिए प्रधानाचार्य श्रीमती अंजुरानी कांटीवाल को जिला स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

भामाशाह ने बदली तस्वीर– विद्यालय के संस्थाप्रधान व स्टाफ के द्वारा अनवरत भामाशाह सम्पर्क से प्रेरित होकर गाँव के भामाशाह श्रीमती गीताबाई, मनरूपजी सोनी ने विद्यालय की आवश्यकताओं से रूबरू होकर पूर्ण समर्पित भाव से पूरा करने का जिम्मा उठाया। भामाशाह परिवार द्वारा सम्पूर्ण विद्यालय भवन की मरम्मत, सम्पूर्ण विद्यालय भवन पर टुकड़ी कार्य सम्पूर्ण विद्यालय भवन में कोटा स्टोन कार्य व 3 फीट तक टाइल्स कार्य, सम्पूर्ण विद्यालय भवन पर रंग-रोगन कार्य, बिजली फिटिंग, हरित वाटिका (गार्डन), खेल मैदान निर्माण, प्रधानाचार्य कक्ष फर्नीचर, कार्यालय फर्नीचर, पुस्तकालय व स्टाफ रूम फर्नीचर, समस्त कक्षा कक्ष हेतु लकड़ी का फर्नीचर, सम्पूर्ण विद्यालय भवन के बरामदे में लोहे की जाली निर्माण, पेयजल हेतु ट्यूबवेल खुदाई व प्याऊ निर्माण, विद्यालय की सम्पूर्ण चहार दीवारी पर लोहे की रेलिंग निर्माण व इसके समानान्तर बाहरी भाग में गार्डन निर्माण, सोलर लाइट फिटिंग, विद्यालय के मुख्य परिसर में ब्लॉक फिटिंग, खेल सामग्री, पंखें, कचरा पात्र, साईन बार्ड (संकेतक), अत्याधुनिक शौचालय व मूत्रालय बालक व बालिका हेतु पृथक-पृथक, वॉल पेंटिंग, लहर कक्ष तथा अति आकर्षक व सौन्दर्ययुक्त मुख्य द्वार का निर्माण करवाकर विद्यालय के विकास में चार चाँद लगा दिए।

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन– विद्यालय का खेलों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी है पिछले वर्षों में विद्यालय की 3 बालिकाओं ने राज्य स्तर पर कबड्डी प्रतियोगिता में नाम रोशन किया था वहीं इस सत्र में भी बालिका वर्ग खो-खो में तृतीय स्थान प्राप्त कर 4 बालिकाओं का तथा 4 बालिकाओं का कुश्ती में भी राज्य स्तर पर चयन हुआ।

सहशैक्षिक गतिविधियाँ– उत्कृष्ट शैक्षिक परिणाम के साथ-साथ विद्यालय में सत्रपर्यंत नियमित रूप से निबंध, कविता, पोस्टर, भाषण, नृत्य, किशोरी शैक्षिक उत्सव, कला उत्सव व अन्तर सदनीय खेलकूद प्रतियोगिता इत्यादि सहशैक्षिक गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें जिला एवं ब्लॉक स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

उजियारी पंचायत– विद्यालय के संस्थाप्रधान व स्टाफ के सत्रपर्यंत अभिभावक सम्पर्क गत 2 वर्षों से ग्राम पंचायत मड़िया को ड्रॉप आउट फ्री उजियारी पंचायत घोषित किया।

पर्यावरण संरक्षण– विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक अनूठी पहल कर विद्यालय परिसर में ही भामाशाह द्वारा एक हरित वाटिका का निर्माण किया गया है जिसमें विभिन्न प्रकार के आयुर्वेदिक औषधीय पौधों व फलदार वृक्षारोपण कर रिक्त कालांशों में स्टाफ व बच्चे स्वतः स्वैच्छिक रूप से श्रमदान करते हैं। कुछ विशेष अवसरों पर यथा जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगाँठ पर भी विद्यालय स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण किया जाता है।

इस बाबत विद्यालय की संस्थाप्रधान श्रीमती अंजुरानी कांटीवाल को संभाग स्तर पर हरित राजस्थान अभियान 2020 के तहत श्रेष्ठ प्रेरक व पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हेतु संभागीय आयुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र द्वारा

Rajasthan Education Department

सम्मानित किया जा चुका है।

सेल्फी पॉइंट– भामाशाह द्वारा विद्यालय को नया स्वरूप प्रदान करने के लिए बेहद आकर्षक मुख्य द्वार से लेकर संपूर्ण परिसर में जो लॉन, वाटिका, झूले, सोलर लाइट इत्यादि द्वारा जो नायाब सौन्दर्यकरण किया गया है वो सभी आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर अनायास ही खींच लेता है। मड़िया, आस- पास के गाँवों के लोग व मुख्य मार्ग से गुजरने वाले राहगीर विद्यालय के सौन्दर्यकरण के अनुपम नजारे के साथ अपनी छवि कैमरे में कैद करते नजर आते हैं।

संक्षिप्त भामाशाह परिचय– श्रीमती गीता देवी, मनरूपजी सोनी उम्र 86 वर्ष की पहचान संपूर्ण क्षेत्र में यकीनन एक सशक्त एवं संजीदा महिला भामाशाह के रूप में दर्ज है। इन्होंने प्रारम्भ से अपने व्यवसायी बेटे के साथ न रहकर गाँव में ही शिक्षा, चिकित्सा, मुक्तिधाम, वाटिका निर्माण, चौराहा निर्माण, सौन्दर्यकरण व सामाजिक पुण्यार्थ के कार्य करवाए हैं। आप पूर्व में स्थानीय ग्राम पंचायत के सरपंच पद पर भी निर्विरोध चुनी गयी तब भी आप द्वारा जनसेवा व विकास के कार्य प्राथमिकता से करवाए गए थे।

संस्थाप्रधान की कलम से– जब मैंने इस संस्था में 20.07.2018 को कार्यग्रहण किया तब से ही संस्था की तत्कालीन परिस्थितियों व आवश्यकताओं को महसूस करते हुए विद्यालय को संवारने के लिए एक व्यापक योजना को स्टाफ, अभिभावकों व भामाशाहों के साथ मिलकर लघु सीमा अवधि में विभाजित कर काम करना शुरू किया, सकारात्मक परिणामों से हमारा प्रयास रंग लाया और भामाशाह श्रीमती गीताबाई मनरूपजी सोनी ने विद्यालय की काया पलटने की ठान ली।

एक बार फिर भामाशाह परिवार द्वारा वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यालय में संगीत कक्ष हेतु गायन व वादन यंत्र उपलब्ध करवाने व एक संगीत शिक्षक की नियुक्ति की घोषणा कर सबको कृतार्थ किया है।

मेरे विद्यालय को उत्कृष्ट व अनुपम रूप देने के लिए मैं पुनः भामाशाह परिवार ग्रामवासियों, स्टाफ व बच्चों सभी के प्रति आभार प्रकट करती हूँ कि आप सभी इसी प्रकार संस्था के हितार्थ अनवरत अपना सहयोग प्रदान करते रहें ताकि विद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर बढ़ता रहें।

अध्यापक
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मड़िया,
सिरोही (राज.) **मो: 9461253663**

हमारे भामाशाह

ज्ञान संकल्प पोर्टल के विकल्प Donate To A School के माध्यम से
राजकीय विद्यालयों को माह–अगस्त, 2022 में 50 हजार एवं अधिक का सहयोग करने वाले भामाशाह

S. No.	Donar Name	School Name	District	Amount
1	GHANSHYAM DAS GUPTA	MAHATMA GANDHI GOVT. SCHOOL MANSHA JOHARI (402613)	SIKAR	320000
2	DAMODAR KHANDELWAL	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL TARPURA (213377)	SIKAR	300000
3	PAWAN KUMAR	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL BIJARASAR (419937)	CHURU	260000
4	SHISH RAM POTLIYA	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL BIJARASAR (419937)	CHURU	257000
5	MAHIPAL SINGH DHARIWAL	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL JAITPURA (215245)	CHURU	250000
6	VIDYA DEVI	SHAHEED DEPUTY COMMANDANT VIJAYPAL SINGH GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL GAGADWAS (215234)	CHURU	211000
7	RAM LAL JAT	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL KYARDA KALAN (212548)	KARAULI	150000
8	UDAI LAL PALIWAL	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL MAVLI JUNCTION (214924)	UDAIPUR	111111
9	TEJPAL MOOND	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL KHOJAWAS (227424)	JHUNJHUNU	100500
10	SATYNARAYAN SOMANI	SHREE MATI JYANA DEVI DHOOT GOVT. GIRLS SENIOR SECONDARY SCHOOL KHACHARIYAWAS (213330)	SIKAR	100001
11	SUBHASH CHANDRA	GOVT. UPPER PRIMARY SCHOOL KHARIYA BAS (412677)	CHURU	100000
12	JIVAN MALIRAM JANGID	SHRI VISHVESHVAR LAL DUJOD WALA GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL DUJOD (213298)	SIKAR	100000
13	RAJENDER KUMAR SINGH	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL BHUDA KA BAS WARD NO. 4 JHUNJHUNU (211591)	JHUNJHUNU	100000
14	INDRAJ SINGH POONIA	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL SIRIYASAR KALAN (211555)	JHUNJHUNU	100000
15	PS LOGISTICS	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL ACHHAPUR (215240)	CHURU	100000
16	SHRIPAL	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL TODAS (219977)	NAGAUR	100000
17	PRATAP SINGH	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL HANSIYAWAS (215202)	CHURU	100000
18	KAN SINGH BHATI	GOVT. UPPER PRIMARY SCHOOL KUSUMDESAR (474671)	CHURU	90000
19	JAGDISH PRASAD SHARMA	GOVT. GIRLS UPPER PRIMARY SCHOOL BHANUDA (474879)	CHURU	80000
20	GANGA RAM	GOVT. PRIMARY SCHOOL BHAGANIYON KI DHANI (469098)	BARMER	76000
21	SKP MERCHANTS PRIVATE LIMITED	SMT MAGDU DEVI PATNI GOVT. GIRLS SENIOR SECONDARY SCHOOL DHOD (213247)	SIKAR	55000
22	RAM NIWAS GODARA	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL SAARSAR (215350)	CHURU	51000

Rajasthan Education Department

23	KAMALKISHORE RAMDEO JANGID	SHRI VISHVESHVAR LAL DUJOD WALA GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL DUJOD (213298)	SIKAR	51000
24	YADRAM BADESRA	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL URIKA (215874)	JHUNJHUNU	51000
25	AJAY BAHADUR	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL SURATPURA (212406)	HANUMAN GARH	51000
26	VIJAY SINGH	MAHATMA GANDHI GOVT. SCHOOL 5 KHR (502740)	HANUMAN GARH	51000
27	ANIL KUMAR GORA	SHAHEED ISTIYAK AHMED AND SETH PHOOLCHAND JALAN GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL NUA (211558)	JHUNJHUNU	51000
28	RAVINDRA KUMAR	MAHATMA GANDHI GOVT. SCHOOL 5 KHR (502740)	HANUMAN GARH	51000
29	RAJENDRA PRASAD POTALIYA	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL BIJARASAR (419937)	CHURU	51000
30	ANJU SOLANKI	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL ARNIYAPANTH (224170)	CHITTAUR GARH	51000
31	DARIYA SINGH	SHAHEED SHAMSHER SINGH GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL RATANPURA (215219)	CHURU	51000
32	RADHESHYAM	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL RAJAS (215333)	CHURU	51000
33	GOPI RAM	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL PICHKARAI TAL (215340)	CHURU	51000
34	DHANRAJ MEENA	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL BANOTA (464623)	SAWAI MADHOPUR	51000
35	VIJAY SHANKAR LAKHOTIA	BANGUR GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL DIDWANA (219830)	NAGAUR	50000
36	PRAHLAD CHANDRA	GOVT. GIRLS UPPER PRIMARY SCHOOL BAGHELA (474373)	CHURU	50000
37	HIRA LAL PANNU	GOVT. PRIMARY SCHOOL 6 MLD B (411666)	GANGANAGAR	50000
38	ASHOK KUMAR	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL SATYUN (215174)	CHURU	50000
39	RAKESH KASWAN	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL SATYUN (215174)	CHURU	50000
40	RAMESH CHANDRA RAIGAR	GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL KALAKHOH (218076)	DAUSA	50000
41	MADAN LAL JAT	SHAHEED MUSTAK ALI KHAN GOVT. GIRLS SENIOR SECONDARY SCHOOL JAJOD (213200)	SIKAR	50000

ज्ञान संकल्प पोर्टल के विकल्प Donate To A School के माध्यम से राजकीय विद्यालयों को माह–मार्च 2022 में प्राप्त जिलेवार राशि

S. NO.	DISTRICT	TRANSACTION	AMOUNT
1	CHURU	232	3889260
2	SIKAR	106	1608394
3	JHUNJHUNU	49	715192
4	BANSWARA	108	471574
5	NAGAUR	149	372554
6	HANUMANGARH	85	317464
7	UDAIPUR	73	280525
8	CHITTAURGARH	38	275600
9	BARMER	54	245200
10	JAIPUR	40	227102
11	BARAN	26	165325
12	GANGANAGAR	23	161951
13	KARAULI	4	151500
14	SAWAIMADHOPUR	13	116110
15	DAUSA	8	109300
16	BHARATPUR	32	105250
17	PALI	89	97392
18	ALWAR	36	93100
19	JODHPUR	38	92341
20	BHILWARA	183	82947
21	KOTA	44	80700
22	BUNDI	41	75540
23	AJMER	60	62761
24	RAJSAMAND	42	56650
25	BIKANER	12	29150
26	DUNGARPUR	18	27000
27	PRATAPGARH	6	17050
28	TONK	4	11130
29	JHALAWAR	10	9900
30	JALOR	44	9255
31	JAISALMER	17	4225
32	DHAULPUR	2	4200
33	SIROHI	6	500
	Total	**1692**	**9966142**

Rajasthan Education Department
सत्यमेव जयते

शिविरा पत्रिका (मासिक) : अक्टूबर, 2022 / निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर द्वारा प्रकाशित एवं प्रसारित तथा हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302 004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित। वरिष्ठ सम्पादक : सुनीता चावला, प्रकाशन हेतु सामग्री चयन के लिए उत्तरदायी।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मालपुरा आहोर, जालोर में विद्यार्थियों द्वारा शनिवार नो बेग डे पर बनायी गई मिट्टी की मूर्तियों का प्रदर्शन करते हुए।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रंगमहल, सूरतगढ़ श्रीगंगानगर की भित्ति पत्रिका।

Rajasthan Education Department

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हुसंगसर, बीकानेर के विद्यार्थियों द्वारा तैयार मॉडल एवं पोस्टर।

राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम उमावि गुमानपुरा कोटा की छात्राएं एनसीसी शिविर में निशाना साधते हुएं।

डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी/430/2020-22

शिविरा पत्रिका (मासिक) ● अक्टूबर, 2022

प्रकाशन तिथि : 2 अक्टूबर, 2022 पृष्ठ 56 ● प्रेषण : माह की 5-6 तारीख

समाचार पत्र पंजीयन संख्या 10350/66

शिक्षक दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ

Rajasthan Education Department

सत्यमेव जयते

राउमावि नैनवा, बूंदी में माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का अवलोकन करते हुए ।

श्रीमती उषा शर्मा मुख्य सचिव राजस्थान सरकार द्वारा केजीबीवी झाड़ोल, उदयपुर का अवलोकन करते हुए।

डॉ. जितेन्द्र सिंह केन्द्रीय मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के साथ विज्ञान भवन में 9 वीं राष्ट्र स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (इंस्पायर एवार्ड मानक) में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित विद्यार्थीगण